● वर्ष-4

● अंक-34

रायपुर, मंगलवार 17 सितंबर 2024

● पृष्ठ-8

● मूल्य-3 रु.

samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› जानिए क्या है गणेश पुराण...

हरियाणा चुनाव में शैलजा को कांग्रेस ने किनारे कर दिया

नई दिल्ली। कांग्रेस ने हरियाणा में इस बार के विधानसभा चुनाव से पहले ही बहुत ही सोची-समझी रणनीति के तहत पार्टी की कद्दावर दलित चेहरा मानी जाने वाली कुमारी शैलजा को राजनीतिक तौर पर निपटाने की कोशिश की है। वे जमीन से जुड़ी नेता मानी जाती हैं, लेकिन कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का पार्टी में दबदबा बनाए रखने के लिए शैलजा को साइडलाइन करके अपनी दलित-विरोधी मानसिकता उजागर कर दी है। विधानसभा चुनाव से पहले से शैलजा सक्रिय हो रही थीं। लेकिन,उन्हें जिस तरह से अचानक हाशिए पर लाने की कोशिश की गई है, उसे पार्टी कतई आंतरिक मामला बताकर इस पूरे घटनाक्रम से पल्ला नहीं झाड़ सकती। लोगों को साफ नजर आ रहा है कि हरियाणा में पार्टी ने हुड्डा कैंप के प्रभाव में एक रणनीति के तहत दलित और महिला नेता के योगदान को नजरअंदाज करने की कोशिश की है।

हरियाणा में किसी से यह बात नहीं छिपी है कि हरियाणा में कांग्रेस आज किस तरह से भूपेंद्र सिंह हुड्डा की जेब का संगठन बन चुकी है। उनका इस पर पूरा कंट्रोल है,

इसलिए कुमारी शैलजा को सियासी तौर पर निपटाने का बहुत बड़ा षड़यंत्र रचा गया है। कुमारी शैलजा ने अपना पूरा राजनीतिक जीवन पार्टी के लिए वफादारी के साथ समर्पित किया है, लेकिन हकीकत ये है कि आज हरियाणा कांग्रेस का मतलब है- हुड्डा ही कांग्रेस है, कांग्रेस ही हुड्डा है।

विधआनसभा चुनाव में शैलजा के मात्र 9 करीबियों को मौका इसका प्रमाण ये है कि हरियाणा की 90 सीटों में से जिन 89 सीटों पर कांग्रेस चुनाव लड़ रही है, उनमें 72 उम्मीदवारों को भूपेंद्र सिंह हुड्डा का करीबी बताया जा रहा है। तो वहीं, सिरसा की सांसद कुमारी शैलजा के मात्र 9 प्रत्याशी ही कांग्रेस की लिस्ट में जगह बना सके हैं।

हरियाणा कांग्रेस में हुड्डा कैंप की वजह से आज कुमारी शैलजा की क्या हैसियत रह गई है, वह हाल के कुछ घटनाओं में देखा जा सकता है। वो चाहती थीं कि नरवाना से पार्टी विद्या रानी दनोदा को और अंबाला सिटी से हिम्मत सिंह को टिकट दे। उन्होंने सार्वजनिक रूप से इनके प्रति समर्थन का इजहार कर चुकी थीं। फिर भी उनका टिकट जिस तरह से काट दिया गया, इससे साफ है कि कैसे हुड्डा कैंप ने पार्टी को पूरी तरह से अपने नियंत्रण में ले रखा है, जहां कुमारी शैलजा जैसी एक दलित नेता को जानबूझकर अपमानित होने दिया गया है।

हुड्डा कैंप का कब्जा!

कांग्रेस नेता राहुल गांधी खुद को शोषितों- वंचितों का मसीहा साबित करने की कोशिशों में जुटे रहते हैं। वह %मिस इंडिया% और %न्यूज एंकरों% में भी दलितों की संख्या खोजने में लगे हैं। उनकी राजनीति की गाड़ी ही जाति, जाति और जाति पर अटक गई है। लेकिन, उनकी खुद की पार्टी के भीतर एक कद्दावार दलित नेता की आवाज कुचल दी गई है, वह भी एक महिला नेता की, लेकिन हुड्डा के खिलाफ बोलने की हिम्मत कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व में भी नहीं दिख रहा है।

मुख्यमंत्री साय चौथे 'ग्लोबल रिन्यूएबल एनर्जी इन्वेस्टर्स मीट एंड एक्सपो' (री-इन्वेस्ट) में शामिल हुए

500 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी उत्पादन के लक्ष्य को पूरा करने में छग का भी होगा महत्वपूर्ण योगदानः साय

गांधीनगर/रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज गुजरात के गांधीनगर में चौथे ग्लोबल रिन्यूएबल एनर्जी इन्वेस्टर्स समिट एंड एक्सपो (री-इंवेस्ट-24) का शुभारंभ किया। इसमें छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भी हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ में क्लीन और ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों को मंच से साझा किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी उत्पादन के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करने में छत्तीसगढ़ राज्य का भी महत्वपूर्ण योगदान होगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सोलर एनर्जी, हायडल एनर्जी, बायोगैस से बिजली के उत्पादन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश में बिजली की खपत 5500 मेगावाट है। प्रदेश में करीब 15 प्रतिशत बिजली का उत्पादन रिन्यूएबल एनर्जी के स्त्रोतों से किया जा रहा है। इसे आने वाले समय में 45 प्रतिशत तक बढ़ाने का

हमारा लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे जहां अक्षय ऊर्जा से जुड़े उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा, वहीं जलवायु परिवर्तन की बड़ी चुनौती से निपटने में भी सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में अक्षय ऊर्जा के उत्पादन की असीम संभावनाएं हैं। छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण क्रेडा के माध्यम से छत्तीसगढ़ में सौर ऊर्जा तथा अन्य गैर परंपरागत ऊर्जा स्त्रोतों को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रदेश के दूरस्थ एवं वनांचलों में स्थित गांवों में जहां बसाहटें काफी बिखरी हुई होती हैं। बसाहटों की दूरी एक दूसरे से दो-तीन किमी तक होती है। बीच में कोई नाला आ गया, कोई छोटी सी पहाड़ी आ गई। ऐसे में बिजली की लाइन खींचना बेहद कठिन होता है और लागत बढ़ जाती है। ऐसे क्षेत्रों में क्रेडा द्वारा सौर ऊर्जा से बिजली पहुंचाने का काम किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में ढाई हजार से ज्यादा शासकीय भवन, आश्रम छात्रावास और स्वास्थ्य केंद्र सौर ऊर्जा से रोशन हैं। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्रेडा को वर्ष 2018 में सराहा गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी द्वारा प्रारंभ की गई पीएम सूर्यघर योजना से देश का आम आदमी अब बिजली खरीदने वाला नहीं, बिजली बेचने वाला बन जाएगा। छत्तीसगढ़ में भी इस योजना के उत्साह जनक परिणाम मिल रहे हैं। शहरी क्षेत्रों में वार्डवार शिविर लगाकर लोगों को इस योजना के संबंध में जागरूक किया जा रहा है और मौके पर ही फार्म भराए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में छोटे-छोटे लघु जल विद्युत संयंत्र भी स्थापित किए गए हैं, इनसे 75 मेगावाट ऊर्जा मिल रही है। प्रदेश में 37 लघु जल विद्युत परियोजनाओं की स्वीकृति दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वर्ष 2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है। इस दिशा में छत्तीसगढ़ भी प्रमुख भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने यहां अपने निवास में विराजे भगवान श्री गणेश का पूरे विधि-विधान से पूजन-हवन किया और प्रदेशवासियों की सुख-समृध्दि की कामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी प्रदेशवासियों को अंनत चतुर्दशी की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय के परिवारजन व अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे।

मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक है वंदे भारत एक्सप्रेस : राज्यपाल

रायपुर। प्रधानमंत्री मोदी ने 16 सितंबर को देश में 6 नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का शुभारंभ किया। अहमदाबाद में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने इन ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। छत्तीसगढ़ को भी दुर्ग से विशाखापट्टनम तक नई वंदे भारत ट्रेन की सौगात मिली, जो इस क्षेत्र में रेल यातायात में क्रांतिकारी बदलाव लाएगी। इस मौके पर रायपुर रेलवे स्टेशन में एक वृहद कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें राज्यपाल रमेन डेका मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा, वंदे भारत एक्सप्रेस 130 किमी प्रति घंटे की औसत रफ्तार से चलेगी, जिससे दुर्ग और विशाखापट्टनम के बीच की दूरी मात्र 8 घंटों में पूरी होगी।

यह ट्रेन हमारे समय की बचत का नया मापदंड स्थापित करेगी। राज्यपाल ने वंदे भारत ट्रेन को मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की भावना का प्रतीक बताते हुए कहा, यह ट्रेन आधुनिक तकनीक और स्वदेशी निर्माण का शानदार उदाहरण है। इससे यह सिद्ध होता है कि हम न केवल उन्नत तकनीक अपना रहे हैं, बल्कि उसे भारत में विकसित भी कर रहे हैं। राज्यपाल ने यह भी कहा कि वंदे भारत ट्रेन केवल यात्रा को तेज और सुविधाजनक बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पर्यटन, व्यापार, चिकित्सा, और शिक्षा के क्षेत्र में भी अद्वितीय योगदान देगी। इससे छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश के बीच व्यापारिक और सांस्कृतिक संबंधों को भी नई दिशा मिलेगी। कार्यक्रम में केंद्रीय आवास और शहरी विकास राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि वंदे भारत एक्सप्रेस छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश के बीच एक मजबूत सेतु का काम करेगी।

प्रमुख समाचार

अचानक नीतीश कुमार की पार्टी ने बुला ली नेताओं की बड़ी बैठक

नई दिल्ली। अगले साल बिहार में विधानसभा के चुनाव होने हैं। सीएम नीतीश कुमार की पार्टी जदयू कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। यही कारण है कि आज पार्टी की बड़ी बैठक हुई है। इस बैठक के बाद जनता दल यूनाइटेड के कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद संजय झा ने कहा कि आज की बैठक नए मंडल अध्यक्षों, विधानसभा प्रभारियों के साथ थी जिनकी नियुक्ति की गई है। यह उन सभी से खास तौर पर पार्टी या सरकार के कामकाज को लेकर मुलाकात थी। अगले साल चुनाव हैं, इस पर चर्चा हुई कि जमीन पर क्या हो रहा है। झा ने कहा कि बिहार देश का एकमात्र राज्य है जहां नीतीश कुमार जी ने जातीय जनगणना करायी। रिपोर्ट प्रकाशित हुई और उस पर जो भी कार्रवाई होनी थी, उन्होंने वह कार्रवाई की। अगर केंद्र सरकार ऐसा कुछ लाती है तो हम उसका स्वागत करते हैं। बिहार के मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि ये बैठक पार्टी के भीतर कार्यकर्ताओं के लिए थी। अध्यक्ष ने नई कमेटी बनाई है तो निश्चित तौर पर कमेटी को प्रदेश स्तर पर बैठकर अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा करनी थी। उन्होंने कहा कि हमने एससी एसटी पर काम किया है, हमने अति पिछड़ों पर काम किया है.

संसद में चार समितियों की अध्यक्षता करेगी कांग्रेस

नई दिल्ली। नई लोकसभा में कांग्रेस चार संसदीय समितियों की अध्यक्षता करेगी। सरकार के साथ लंबी बातचीत के बाद लोकसभा में विपक्षी दल कांग्रेस को लोकसभा में विदेश, ग्रामीण विकास, कृषि और राज्यसभा में शिक्षा संबंधी स्थायी समिति की अध्यक्षता मिली है। हालांकि कांग्रेस को पांच समितियों की अध्यक्षता मिलने की उम्मीद थी। संसद की विभाग-संबंधित स्थायी समितियां विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों से निपटती हैं और उनके बजटीय आवंटन और संसद में पेश किए गए विधेयकों की जांच करती हैं। समितियां सरकार को अहम मुद्दों पर बिल लाने और नीतियां बनाने की भी सलाह देती हैं। विभाग से संबंधित स्थायी समितियों की अध्यक्षता को लेकर सरकार और विपक्ष में काफी समय से बातचीत चल रही थी। दोनों के बीच विदेश, रक्षा, वित्त और गृह जैसी प्रमुख समितियों पर नियंत्रण को लेकर कड़ा मुकाबला था। अभी तक कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने राज्यसभा की पर्यावरण वन संबंधी स्थायी समिति और अभिषेक सिंघवी ने वाणिज्य संबंधी समिति की अध्यक्षता की।

केवल मुरली नहीं चलेगा सुदर्शन भी आवश्यक- योगी

नई दिल्ली। त्रिपुरा में बोलते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि केवल मुरली से काम नहीं चलेगा, बल्कि सुरक्षा के लिए सुदर्शन भी आवश्यक है। त्रिपुरा में सीएम योगी ने कहा कि यूपी में डबल इंजन की सरकार आई, सुरक्षा का माहौल मिला। दंगाइयों के लिए बुलडोजर भी दिया गया और साथ ही साथ भक्तों के लिए राम मंदिर का निर्माण भी कराया गया। इसके साथ ही योगी ने कहा कि पाकिस्तान एक कैंसर है, ये पूरी मानवता के लिए एक कैंसर है. जब हम भगवान कृष्ण को याद करते हैं, तो उनके एक हाथ में मुरली और दूसरे हाथ में सुदर्शन होता है, जब हम भगवान कृष्ण को याद करते हैं, तो दुनिया की ताकतों से उन्हें समय रहते ठीक करने की अपील करते हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा कि सिर्फ मुरली से काम नहीं चलेगा, सुरक्षा के लिए सुदर्शन भी जरूरी है। वह त्रिपुरा के बराकथल में सिद्धेश्वरी मंदिर के उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे। इस मौके पर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या, मथुरा और काशी सनातन हिंदू धर्म के तीन महत्वपूर्ण स्तंभ और मूल्य हैं।

सीबीआई पर टिप्पणी करना मनोबल गिराने वाला -धनखड़

नई दिल्ली। सीबीआई को पिंजरे का तोता बताने वाली सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर अब उपराष्ट्रपति की तरफ से प्रतिक्रिया सामने आई है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि चुनाव आयोग और जांच एजेंसियों सहित संस्थाएं कठिन परिस्थितियों में अपने कर्तव्यों का पालन करती हैं। उनके बारे में कोई भी टिप्पणी करना उनका मनोबल गिराने वाला हो सकता है। धनखड़ ने कहा कि देश की संस्थाओं कठिन माहौल में कानून के अंतर्गत काम करती है। इन संस्थाओं को हर साल गड़बड़ियों पर नजर रखनी होती है। एजेंसियां कानून के शासन के तहत स्वतंत्र रूप से काम करती हैं। धनखड़ ने कहा कि यह एक राजनीतिक बहस को जन्म दे सकता है। हमें अपनी संस्थाओं के बारे में बेहद सचेत रहना होगा। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश उज्ज्वल भुइयां ने आबकारी नीति घोटाले से संबंधित भ्रष्टाचार के मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को शुक्रवार को अनुचित करार दिया तथा जांच एजेंसी से कहा कि उसे पिंजरे में बंद तोता की धारणा से निश्चित रूप से बाहर निकलना चाहिए।

महायुति में जल्द होगा सीट बंटवारे पर फैसला-फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव में बस कुछ ही महीने बचे हैं, ऐसे में राज्य के राजनीतिक दल नेताओं की तरफ अपने-अपने दावे किए जा रहे हैं। जिससे विधानसभा चुनाव की लड़ाई रोचक बनती दिख रही है। इसी बीच उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि महायुति सहयोगियों के बीच सीटों के बंटवारे को जल्द ही अंतिम रूप दे दिया जाएगा। वहीं राज्य भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि सीटों के बंटवारे पर सत्तारूढ़ गठबंधन का फॉर्मूला लगभग 70-80 प्रतिशत विधानसभा क्षेत्रों पर अंतिम रूप दे दिया गया है, और कहा कि यह समझौता उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) से काफी पहले ही तय हो जाएगा। महायुति (महागठबंधन) में भाजपा, शिवसेना और एनसीपी शामिल हैं। महायुति सहयोगियों के बीच सीटों के बंटवारे और इसकी औपचारिक घोषणा के बारे में पूछे जाने पर देवेंद्र फडणवीस ने पुणे में पत्रकारों से कहा, सीटों के बंटवारे के फॉर्मूले को जल्द ही अंतिम रूप दे दिया जाएगा। हालांकि उन्होंने इस बारे में कोई और जानकारी नहीं दी कि यह कितना जटिल मुद्दा होगा.

राहुल की अमेरिका में की गई विवादास्पद टिप्पणियों से परेशान है भाजपा

कल्याणी शंकर

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गत दिनों संयुक्त राज्य अमरीका की अपनी 3 दिवसीय यात्रा के दौरान भाजपा और मोदी के शासन के बारे में अपनी आलोचनात्मक टिप्पणी से घरेलू स्तर पर विवाद पैदा कर दिया। लोकसभा में विपक्ष के नेता के रूप में यह गांधी की पहली अमरीका यात्रा थी। राहुल के कार्यक्रमों में भारतीय-अमरीकी समुदाय और छात्रों के साथ बातचीत और अधिकारियों और सांसदों के साथ बैठक शामिल थी। भाजपा की नाराजगी भरी प्रतिक्रिया से पता चलता है कि पार्टी उनकी कई विवादित टिप्पणियों से नाराज है। राहुल ने अपने विषय बहुत सोच-विचार कर चुने थे। उन्होंने अन्य बातों के अलावा आर.एस.एस., भारत के लोकतंत्र, मोदी की चीन नीति और भारत में धार्मिक स्वतंत्रता पर टिप्पणी की। भारत में, भाजपा ने उनकी प्रतिकूल टिप्पणियों और अमरीकी कांग्रेस सदस्य इल्हान उमर से मुलाकात की आलोचना की, जो भारत की नीतियों की आलोचना करती रही हैं। राहुल ने दावा किया कि भारतीय लोकतंत्र पिछले एक दशक में टूट गया था लेकिन धीरे-धीरे ठीक हो रहा है। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि ओ.बी.सी., दलित और आदिवासियों सहित भारत की 90 प्रतिशत आबादी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने में सक्षम नहीं है। इससे भाजपा नाराज हो गई। राहुल जहां पाकिस्तान और बंगलादेश पर मोदी की नीतियों से सहमत थे, वहीं उन्हें लगा कि मोदी की चीन नीति त्रुटिपूर्ण है। राहुल ने कहा कि चीनी सैनिकों ने लद्दाख में दिल्ली जितनी जमीन पर कब्जा कर लिया है। आर.एस.एस. पर, राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा का मूल संगठन मानता है कि भारत 'एक विचार' है, लेकिन कांग्रेस इसे 'विचारों की विविधता' मानती है। भाजपा ने राहुल के

आरोपों का खंडन करने के लिए शीर्ष नेताओं को मैदान में उतारा और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रतिक्रिया का नेतृत्व किया। उन्होंने चीन नीति पर राहुल के दावे को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि यह 'बेहद शर्मनाक' है कि एल.ओ.पी.राहुल गांधी 'भ्रामक, आधारहीन और तथ्यहीन बातें' कहकर भारत की गरिमा को ठेस पहुंचा रहे हैं। राहुल गांधी ने जाति जनगणना का समर्थन किया और दावा किया कि भाजपा आरक्षण खत्म करने की कोशिश कर रही है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने पुष्टि की कि वे किसी को भी आरक्षण खत्म करने या देश की सुरक्षा को कमजोर करने की अनुमति नहीं देंगे। इसके अलावा भाजपा नेता और वरिष्ठ मंत्री हरदीप पुरी ने सिखों को लेकर राहुल की टिप्पणी का खंडन किया। पुरी ने कहा कि मैं एक गौरवान्वित सिख हूं और 6 दशकों से अधिक समय से पगड़ी पहन रहा हूं और उससे भी लंबे समय से कड़ा पहन रहा हूं...। देश को एकजुट करने के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान 'भारत जोड़ो' यात्रा का नेतृत्व करने के बाद राहुल के बढ़े कद को लेकर भाजपा गंभीर है। अब जब राहुल एल.ओ.पी. बन गए हैं, तो भाजपा को उन्हें उचित सम्मान देना चाहिए। पहला, भारत को कांग्रेस मुक्त भारत बनाने की मोदी की प्रतिज्ञा के बावजूद कांग्रेस बची हुई है। 2024 के चुनावों में, भाजपा के लिए निराशा की बात यह रही कि कांग्रेस ने 2024 के चुनावों में अपनी सीटों की संख्या दोगुनी कर दी। दूसरा, 2024 के चुनावों के बाद विपक्षी गठबंधन इंडिया मजबूत हुआ है। भाजपा को सहयोगियों की मदद से सरकार बनानी पड़ी। तीसरा, राहुल ने 22 सितंबर को मोदी की निर्धारित यात्रा से पहले अमरीका का दौरा किया। उनकी यात्रा को अच्छी प्रतिक्रिया मिली, जिससे भाजपा को खुशी नहीं हुई। लेकिन मोदी का अधिक स्वागत होगा क्योंकि एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम 'मोदी और संयुक्त राज्य अमरीका एक साथ आगे बढ़ें' की योजना बनाई गई है। भाजपा ने अमरीकी कांग्रेस सदस्य इल्हान उमर से मुलाकात के लिए राहुल की आलोचना की, जिन्होंने अतीत में अमरीकी कांग्रेस के भीतर और बाहर दोनों जगह भारत विरोधी रुख अपनाया है। भाजपा का मानना है कि ऐसी बैठकों का इस्तेमाल भारत विरोधी प्रचार के लिए किया जा सकता है। गांधी का दावा है कि वह विधायकों के प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थी और वह प्रतिनिधिमंडल से मिलने से कैसे इंकार कर सकते थे?भारत के बारे में बेबाकी से अपनी राय सांझा की। भाजपा का दावा है कि राहुल ने विदेश में भाषण देते हुए हर मुद्दे पर गलत और गुमराह करने वाले बयान दिए। कांग्रेस का कहना है कि मोदी ने भी ऐसा ही किया और दावा किया कि कांग्रेस ने उनकी विदेश यात्राओं के दौरान देश के लिए कुछ नहीं किया। राहुल ने अंत में स्पष्ट किया कि भारत में लोकतंत्र की लड़ाई एक भारतीय लड़ाई है। इसका किसी और से कोई लेना-देना नहीं है। जूरी इस पर विचार नहीं कर रही है कि राहुल ने लाल रेखा पार की है या नहीं। भाजपा की इस बात में कुछ दम है कि गंदे लिनन को विदेश में नहीं धोना चाहिए। लेकिन यह रेखा दोनों पक्षों के लिए अच्छी है।

पद्मश्री अनुज शर्मा के जसगीत और सुमधुर गीतों से श्रोताओं को झुमाया

पद्मश्री देवयानी नई दिल्ली ने दी भरतनाट्यम की शानदार प्रस्तुति, कथक नृत्यांगना माया कुलश्रेष्ठ की मोहक प्रस्तुति से मंत्रमुग्ध हुए दर्शक

रायगढ़। रायगढ़ में आयोजित दस दिवसीय चक्रधर समारोह के नौवीं संगीत संध्या में नई दिल्ली से आई पद्मश्री देवयानी के भरतनाट्यम एवं प्रख्यात कथक नृत्यांगना सुश्री माया कुलश्रेष्ठ के कथक नृत्य ने सबका मन मोह लिया। पद्मश्री से सम्मानित एवं विधायक श्री अनुज शर्मा के छत्तीसगढ़ी लोक गायन ने देर रात तक दर्शकों को झुमाया रखा। उन्होंने गुरू वंदना से गीत आरंभ करते हुए छत्तीसगढ़ी में जसगीत गाकर श्रोताओं को अपने साथ जोड़ा और खूब वाहवाही पायी। रायपुर के प्रदीप कुमार चौबे ने शास्त्रीय गायन एवं सुश्री पलक देवांगन ने कथक नृत्य पर बेहतरीन प्रस्तुति दी। बिलासपुर की वेदिका शरण ने मंच पर भावभंगिमाओं मुद्राओं के साथ कथक नृत्य पर आकर्षक प्रस्तुति दी। सुश्री भूमिसूता मिश्रा ने ओडिसी नृत्य पर शानदार प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम की पहली प्रस्तुति में सारंगढ़ की सुश्री पलक देवांगन ने बहुत ही खूबसूरत और मनमोहक कथक नृत्य की प्रस्तुति दी। शिव वंदना के साथ उन्होंने कथक नृत्य किया। अगली कड़ी में रायपुर के पंडित प्रदीप कुमार चौबे ने शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति दी। उन्होंने तबले की थाप और सारंगी की धुन के बीच अपने राग से शास्त्रीय गायन की अभिनव प्रस्तुति दी। उनकी प्रस्तुति ने दर्शकों एवं श्रोताओं को एक बेहतरीन गायक से गायन सुनने का अहसास कराया। कार्यक्रम के तीसरी प्रस्तुति में रायपुर की सुश्री भूमिसूता मिश्रा ने ओडिसी नृत्य पर प्रस्तुति दी। उन्होंने ओडिसी नृत्य में अपनी भावभंगिमाओं से दर्शकों का दिल जीत लिया। सांस्कृतिक संध्या में बिलासपुर की सुश्री वेदिका शरण ने मंच पर भावभंगिमाओं मुद्राओं के साथ आकर्षक नृत्य की प्रस्तुति दी। कथक में वेदिका की सुंदर प्रस्तुति ने दर्शकों को आनंदित किया। उन्होंने संगीत की धुन में अपनी कलात्मक नृत्य की अभिनव प्रस्तुति दी। 10 साल की सुश्री वेदिका शरण 6 वर्ष की आयु से कथक नृत्य में निपुण है। इनकी गुरु सुश्री अंजली ठाकुर (लखनऊ घराना) है।

नई दिल्ली से आई पद्मश्री देवयानी के भरतनाट्यम की शानदार प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। मौके पर केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री श्री रामदास अठावले ने उनका शाल और श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि लुईस मेले की एक डॉक्यूमेन्टरी फिल्म में भरतनाट्यम की सम्मोहक प्रस्तुति से प्रभावित, पेरिस में जन्मी पदमश्री देवयानी ने भारत आकर भरतनाट्यम की विधिवत शिक्षा, महान गुरु श्री के.जी.इलप्पा मुदलियार और कलाईमामनी व्ही.एस.मुत्थुस्वामी पिल्लई से प्राप्त की। उन्होंने लगभग 3000 वर्ष पुरातन भरतनाट्यम नृत्य शैली की खूबसूरती, लयात्मकता और इसमें निहित आध्यात्मिक भक्ति को आत्मसात किया। देवयानी ने अपनी प्रथम प्रस्तुति किसी कलामंच पर नहीं, बल्कि %ए गर्ल फ्रॉम अमेरिका% नामक बॉक्स आफिस हिट दक्षिण भारतीय फिल्म में दी। इस फिल्म में उन्होंने चिदम्बरम मंदिर की नर्तकी के मुख्य पात्र का अभिनय किया था। भरतनाट्यम के प्रति

देवयानी की समर्पित निष्ठा और नृत्य-सौंदर्यबोध ने इस नृत्य को भारत की सीमाओं से परे ले जाते हुए, पूरे विश्व में सौहार्द्र शांति और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बना दिया। इंग्लैण्ड में भारतीय नृत्य एवं संस्कृति के उन्नयन के लिये फर्स्ट ऐशियन डान्सर आर्टिस्ट एवार्ड इन रेसीडेन्सश् सम्मान से नवाजी गई देवयानी डेनमार्क की महारानी के जन्मोत्सव, संयुक्त राष्ट्र संघ दिवस समारोह, जर्मनी में भारतीय गणतंत्र समारोह सहित फ्रांस, जर्मनी और ग्रीस के प्रतिष्ठापूर्ण आयोजनों और अनेक नृत्य-वर्कशाप, अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार्स का संचालन सहित भारत और विश्व के लगभग सभी प्रमुख देशों के कलामंचों को अपने भरतनाट्यम के नुपूरों से शोभित किया है। आई.एम.एम.टॉप कल्चरल एम्बेसडर एवार्ड फॉर एक्सीलेन्स और नेशनल वीमेन एक्सीलेन्स एवार्ड से सम्मानित देवयानी को भारत के राष्ट्रपति द्वारा कला के क्षेत्र में भरतनाट्यम की अद्वितीय उपलब्धियों के लिये पदमश्री से अलंकृत किया गया। कल्चरल एम्बेसडर के भारत में पद्मश्री देवयानी भरतनाट्यम की कल्चरल रूप में प्रतिष्ठित हैं। उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अनेक पुरस्कारों और सम्मान से नवाजा जा चुका है।

नई दिल्ली से चक्रधर समारोह में कार्यक्रम देने पहुंची देश की प्रख्यात कथक नृत्यांगना सुश्री माया कुलश्रेष्ठ ने सबका मन मोह लिया। उन्होंने 5 वर्ष की आयु में ही अपने पैरों में कथक के घुंघरू बांध लिए थे। गुरु श्रीमती डॉ.मोनिका श्रीवास से प्रारंभिक शिक्षा के बाद उन्होंने विधिवत शिक्षा प्राप्त की। कथक में एमए के बाद अभिनय पक्ष की पुष्टता के लिए थिएटर भी किया। सामाजिक सरोकारों से जुड़े होने के कारण इन विषयों को भी उन्होंने अपने नृत्य में स्थान दी है। उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अनेकों सम्मान मिल चुके हैं। सुश्री माया कुलश्रेष्ठ देश-विदेश में 500 से ज्यादा कार्यक्रम दे चुकी हैं। केंद्रीय सामाजिक न्याय व अधिकारिता राज्य मंत्री श्री रामदास अठवले ने उन्हें शाल और श्रीफल देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंतिम प्रस्तुति में छत्तीसढियां हीरो पद्मश्री अनुज शर्मा के छत्तीसगढ़ी लोक गायन को सुनने दर्शक दिल थाम के बैठे हुए थे। जैसे ही समारोह के मंच पर उनका आगमन हुआ वहां बैठें दर्शकों के तालियों की गडगड़ाहट कार्यक्रम स्थल पर गूंज उठा। अनूज शर्मा को देखने कल रात रामलीला मैदान ऐसा दिखाई दे रहा था कि मानों जैसे कि रायगढ़ शहर एवं आसपास क्षेत्र के लोग परिवार सहित उठकर समारोह स्थल पर आ गए है। पद्मश्री अनुज शर्मा ने समारोह में अपने चिरपरिचित अंदाज में पूरे जोश के साथ माते रहिबे माते रहिबे.. सास गारी देबे.. ननंद चुटकी लेबे, ससुराल गैंदा फूल... जैसे गीतों को गाकर दर्शकों की खूब वाहवाही बटोरी। यह सिलसिला यूं ही समाप्त नहीं हुआ बल्कि दर्शकों की मांग पर भी उन्होंने छत्तीसगढ़ी गीतों को गाकर सुनाया। मैं तो तरस तरस मर जैहय.. तोर बिना मन नई लगे वो, मोर माया ला नई जाने हो... बने करे राम मोला अधरा बना... हाय रे दौना पान ... मोर संग चलौ जी जैसे विभिन्न छत्तीसगढिया गीतों ने दर्शकों को झूमने को मजबूर किया।

जीजा ने साले को मारने के लिए दी सुपारी, 50 हजार में हुई डील

■ सभी आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग। सुपेला थाना पुलिस ने साले को जाने से मारने की सुपारी देने वाले जीजा को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामले में पुलिस तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। मुख्य आरोपी फरार था।

जानकारी के अनुसार, सुपेला शराब दुकान के मैनेजर उमेश वर्मा ड्यूटी खत्म करके अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान तीन आरोपी उनकी बाइक को रोककर चाबी छीनने लगे। उमेश के मना करने पर गाली-गलौज करते हुए आज तुझे जान से मार देगें कहते हुए आरोपी ने हाथ में रखे चाकू से हमला कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। घायल कृष्णा से पूछताछ करने पर पुलिस ने एक सितंबर को हमला करने वाले नरेन्द्र सोनी, राज मानिकपुरी और शैलेष सिन्हा उर्फ सर्किट को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि राजनांदगांव निवासी अश्वनी उर्फ वर्मा को चाकू

से मारने के एवज में आरोपी जीजा अश्वनी ने आरोपियों 50 हजार रुपये की सुपारी दी थी। इसके बाद आरोपियों घटना के दो दिन पूर्व पहले रैकी की इसके बाद रास्ता रोककर चाकू से हमला किया गया। घटना के बाद आरोपी जीजा अश्वनी से हमलावरों को 30 हजार रुपए दिया गया। आरोपी जीजा घटना के बाद से फरार था जिसे घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया। सुपेला थाना प्रभारी राजेश मिश्रा ने बताया कि इस मामले में मुख्य आरोपी जीजा अश्वनी वर्मा ने अपने ही साले उमेश वर्मा को मारने की सुपारी दी थी। पुलिस ने पहले हमला करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इसके बाद अब मुख्य आरोपी अश्वनी वर्मा को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया गया है।

जादू-टोना के शक में एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या

मारने से पहले ग्रामीणों ने की थी बैठक

सुकमा। सुकमा जिले के इक्कलगुड़ा में जादू टोने के शक में प्रधान आरक्षक समेत एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या मामले में अब तक पुलिस ने 15 से 20 और लोगों को हिरासत में लिया है। इन आरोपियों से पुलिस की पूछताछ जारी है। वहीं, पुलिस ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी की संख्या आगे और भी बढ़ सकती है।

जिस परिवार की हत्या भीड़ ने की है, उस परिवार का मुखिया पुलिस का प्रधान आरक्षक था। ऐसे में मामला जादू टोने के साथ-साथ पुलिसकर्मी की हत्या का भी बनाया जा सकता है। घटना के ठीक बाद पुलिस मौके पर पहुंची। इस दौरान घटना में शामिल पांच आरोपियों ने पुलिस के समक्ष सरेंडर कर दिया था, जिन्हें पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

ग्रामीणों को शक था कि गांव में जो भी उन्नति कर रहा है, वह या तो पूरी तरह से बर्बाद हो जा रहे हैं या फिर उनकी मौत हो जा रही है। इसके पीछे जादू-टोने का शक ग्रामीणों ने जाहिर किया। इक्कलगुड़ा गांव में लगभग 25 परिवार निवासरत हैं। जिनमें से 20 परिवार में महिलाएं विधवा हैं। किसी न किसी कारणों से पुरुषों की मौत हो गई। इन्हीं सब को लेकर ग्रामीणों ने गांव के एक छोर पर बैठक की, जिसमें प्रधान आरक्षक के पिता मौसम बुच्चा पर जादू-टोने का शक जाहिर किया और उसके बाद इस घटना को अंजाम दिया।

मृतकों के नाम

1. मौसम कन्ना 2. मौसम वीरी 3. करका लच्छी 4. मौसम अरजो 5. मौसम बुच्चा।

टीआई और आरक्षक बताकर करते थे लूट

■ गिरोह चढ़ा पुलिस के हत्थे, अधिकारी बनकर कार से निकलते थे आरोपी

कोरबा। कोरबा के कटघोरा थाना क्षेत्र के ढेलवाडीह बायपास मार्ग पिछले कुछ दिनों से ट्रक चालकों से लूटपाट की घटना सामने आ रही थी जहां ट्रक चालक की शिकायत पर पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल दाखिल किया है। बताया जा रहा है कि पकड़े गए आरोपी एसईसीएल के आधिकारिक कर्मचारी है जो खुद को पुलिस का अधिकारी कर्मचारी बात कर लूटपाट की घटना का अंजाम दे रहे थे।

बीती सुबह सोमवार को प्रात: 3 से 4 बजे के मध्य सूचना प्राप्त हुई की कटघोरा थाना क्षेत्र के ढेलवाडीह बायपास मार्ग पर कुछ लोगों द्वारा अपने आप को टीआई और कुछ लोग आरक्षक बताकर उनके द्वारा भारी वाहन रोककर वसूली वसूली कर रहे थे जहां कुछ ट्रक चालक लोगों को लगा कि जांच कर रहे लोग पुलिस के अधिकारी कर्मचारी हैं कुछ लोगों ने पैसे भी दिया जो पुलिसिया कार्यवाही से बचने पैसे देकर निकल गए।

एक ट्रक मालिक अफसर अंसारी के ड्राइवर हार्दिक अंसारी पिता शेखवत अंसारी उम्र 44 वर्ष निवासी गढ़वा झारखंड ने कटघोरा थाना में लिखित शिकायत की है कि ट्रक क्रमांक सीजी12 बीजी 6068 में रायपुर से चावल लोड कर फरबेसगंज बिहार जा रहा था। रात्रि लगभग 3:15 ढेलवाडीह बायपास जब वो पहुंचे तो उसी वक्त एक बोलेरो वाहन क्रमांक सीजी12 बीजी 9852 जो सायरन बजाते हुए गाड़ी के पास आये और गाड़ी में 5 लोग उतरे और अपने आपको टीआई व पुलिस बताते हुए डराने धमकाने लगे। गाड़ी का पेपर व बिल्टी मांगने लगे। गाड़ी के सभी पेपर दिखाने के बाद वो मुझे जबरदस्ती गाड़ी से खींचकर बाहर निकालने लगे। सभी 5 लोग गाड़ी के कागजात सही नही कहते हुए मुझसे पैसे की मांग करने लगे। अगर पैसा नही दोगे तो

जेल भेजने की बात करने लगे। उनके द्वारा उसके पास रखे 2000 नगद और उसके मोबाइल को भी छीन कर अपने पास रख लिए। और वो सभी एक दूसरे को साहब कहकर बुला रहे थे।

ट्रक चालक की शिकायत पर पुलिस ने मामले के गंभीरता से लेते हुए पांच आदेशों को गिरफ्तार किया है जिनके कब्जे से एक वहां भी बरामद किया गया जिसमें पुलिस का सायरन लगा हुआ था। पकड़े गए आरोपी मुकेश केशरवानी उम्र 36 वर्ष निवासी केरा रोड थाना शिवरीनारायण जिला जांजगीर चांपा,अभिषेक मीणा उम्र 26 वर्ष निवासी आदर्श नगर जयपुर,निवासी,.विकास मीणा उम्र 28 वर्ष, निवासी सनसिटी सीकर,जयपुर राजस्थान निवासी,दिलीप कुमार यादव उम्र 25 वर्ष निवासी सिंघाली बस्ती, थाना बांकीमोंगरा,हरप्रसाद पटेल उम्र 27 वर्ष निवासी बलगी थाना बांकीमोंगरा निवासी है सबके खिलाफ मामला दर्ज कर पुलिस ने जेल दाखिल करने की तैयारी में जुटी हुई है।

छत्तीसगढ़
प्रमुख समाचार

मगरलोड में किसान के घर पहुंचा तेंदुआ

धमतरी। मगरलोड थाना इलाके के सिंगपुर बस्ती में तेंदुआ नजर आने के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। तेंदुआ रात के वक्त चहलकदमी करते हुए शिकार की तलाश में गांव में घुसता है। सिंगपुर बस्ती में लगे सीसीटीवी कैमरे में तेंदुए के आने की तस्वीर कैद हुई है। सीसीटीवी फुटेज में साफ नजर आ रहा है कि तेंदुआ मकान में घुसने की जगह तलाश कर रहा है। मकान में घुसने की जब जगह तेंदुए को नहीं मिलती तो वो वहां से रफूचक्कर हो जाता है। बीते कुछ दिनों से धमतरी में तेंदुए की दहशत लगातार बरकरार है। नगरी थाना इलाके में तेंदुए के हमले में दो बच्चों की भी जान जा चुकी है। वन विभाग लगातार कोशिश कर रही कि इंसानी बस्ती के आस पास आने वाले तेंदुओं को ट्रैप किया जाए। तेंदुए के हमले में एक बुजुर्ग भी जख्मी हो चुका है। गांव वालों का कहना है कि तेंदुए ने गांव के मवेशियों का भी कई बार शिकार किया है। वन विभाग पूर्व में भी कई बार तेंदुए को पकड़कर जंगल में छोड़ चुका है बावजूद इसके तेंदुए बार बार रिहायशी इलाके का रुख कर रहे हैं।

कवर्धा आगजनी मामले में 160 के खिलाफ एफआईआर

कवर्धा। लोहारीडीह गांव में रविवार को एक ही परिवार के 5 सदस्यों को जिंदा जलाने की घटना में पुलिस ने 160 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है और आरोपियों की धरपकड़ के लिये पुलिस पुलिस बल को आसपास के क्षेत्रों के लिए रवाना कर दिया। उल्लेखनीय है कि, लोहारीडीह गांव में एक युवक की लाश फंदे पर लटकी मिली। इससे आक्रोशित ग्रामीणों ने गांव के ही एक युवक को हत्या का आरोपी मानकर उसके घर को आग के हवाले कर दिया। आगजनी के बाद घर से एक लाश भी बरामद की गई है। इस मामले में पुलिस ने रेंगाखार थाने में 160 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पांच मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से लोगों में आक्रोश है। जिले के आला अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल गांव में तैनात हैं।

इस्पात मंत्री ने नगरनार प्लांट के निजीकरण से किया इंकार

जगदलपुर। इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने यहां मां दंतेश्वरी एयरपोर्ट में मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होने नगरनार स्टील प्लांट के निजीकरण से साफ तौर पर इंकार किया है। आज सोमवार को जगदलपुर पहुंचे कुमारस्वामी ने कहा कि वह नगरनार स्टील जा रहे है, कामकाज की समीक्षा करेंगे। जिन विषयों पर आज ही निर्णय लिया जा सकता है, लेंगे। अन्य विषय जिन पर अभी निर्णय नहीं हो सकता उसके लिए समय सीमा तय की जाएगी। इस्पात मंत्री सुबह 11.55 बजे एयरपोर्ट पहुंचकर 20 मिनट रुकने के बाद सड़क मार्ग से 17 किलोमीटर दूर नगरनार स्टील प्लांट के लिए रवाना हो गए। इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी के साथ इस्पात सचिव संदीप पुंडरीक भी आए है। मां दंतेश्वरी एयरपोर्ट में भाजपा जिला अध्यक्ष रूपसिंग मंड़ावी सहित अन्य भाजपा नेता एवं एनएमडीसी के सीएमडी अमिताव मुखर्जी, मेकान के सीएमडी एससी वर्मा, कलेक्टर बस्तर हरीश एस ने केंद्रिय मंत्री इस्पात का स्वागत किया।

उड़ीसा से शराब परिवहन करते पकड़े गये तस्कर

कोंडागांव। कोंडागांव जिला के थाना अनंतपुर क्षेत्र में अवैध शराब तस्कर पर लगातार कार्यवाही की जा रही थी। 15 सितंबर को थाना अनंतपुर को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि, उड़ीसा राज्य से अवैध रूप से शराब परिवहन करते हुए वाहन टोयेटा कार से एक व्यक्ति आ रहा हैं की सूचना पर ग्राम बीजापुर चेक पोस्ट नाका पर घेराबंदी कर उड़ीसा के तरफ से आ रही टोयेटा रूमीयन सफेद पर रोककर तलाशी लेने पर वाहन के पीछे डिक्की और पीछे सीट में 14 पेटी हंटर बियर शराब अंग्रेजी शराब प्रत्येक पेटी में 24-24 नग प्रत्येक नग 500 एमएल किमती 40 हजार 320 रूपये, 2 पेटी नम्बर 1 अंग्रेजी शराब प्रत्येक पेटी में 48-48 नग प्रत्येक नग 180 एमएल किमती 17 हजार 280 रूपये, कुल 16 पेटी में जुमला 185.280 लीटर सीलबंद हालात में भरी हुई मिली। आरोपी संजीत मंडल रामलाल मंडल उमरगांव थाना अनंतपुर जिला कोंडागांव के विरूद्ध पर्याप्त साक्ष्य सबूत पाये जाने से थाना अनंतपुर में आबकारी एक्ट की धारा 3 4(2) के तहत कार्यवाही कर गिरफ्तार किया गया है।

तेज रफ्तार बाइक ने ऑटो में पीछे से मारी टक्कर

गौरेला पेंड्रा मरवाही। पेंड्रा थाना क्षेत्र के पेंड्रा दुबटिया मुख्यमार्ग पर ग्राम अड़भार में भारत माता स्कूल के सामने एक ऑटो और मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार एमसीबी जिले के खड़गवां के रहने वाले दशरथ सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया था। घायल को पहले जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसकी गंभीर हालत को देखते हुए बाद प्राथमिक उपचार के बाद बिलासपुर सिम्स रेफर कर दिया गया था। सिम्स पहुंचने से पहले घायल की रास्ते पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बाइक सवार लोग ऑटो में पीछे से जा घुसे और दुर्घटना घटित हो गई। वहीं, मामले में पुलिस की मानें तो अगर बाइक सवार हेलमेट पहने हुए होते तो कहीं तक बाइक सवार लोगों की जान बच सकती थी। फिलहाल पुलिस मामले में बीएनएस की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

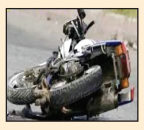

कोरजा गांव में भालू की एंट्री से मची अफरा-तफरी वन विभाग ने जारी की सुरक्षा चेतावनी

गौरेला पेंड्रा मरवाही। सोमवार सुबह गौरेला के कोरजा इलाके में हड़कंप मच गया जब एक भालू गांव की गलियों में घुस आया। इस अप्रत्याशित घटना ने ग्रामीणों में दहशत का माहौल पैदा कर दिया। स्थानीय लोगों ने भालू को अपनी रिहायशी बस्ती में देखा, जिससे तुरंत स्थिति की गंभीरता को समझते हुए सूचना वन विभाग को दी।

यह घटना मरवाही वन मंडल के गौरेला वन परिक्षेत्र में हुई। सुबह के समय जब भालू कोरजा गांव में घुसा, तो ग्रामीण तुरंत सतर्क हो गए। भालू ने गांव के गलियों और बस्तियों से होते हुए बालधार गांव की ओर रुख किया। भालू की उपस्थिति के कारण गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोग घरों में कैद हो गए।

सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम

मौके पर पहुंची। वन अधिकारियों ने ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी और साथ ही उनकी टीम गांव के आसपास चौकसी बनाए रखने के लिए तैनात की गई। वन विभाग ने आशंका जताई कि भालू शायद कोरजा से बालधार होते हुए जंगल की ओर लौट सकता है।

वन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि यदि भालू की दोबारा किसी गांव में उपस्थिति देखी जाती है, तो आसपास के गांवों में मुनादी कराई जाएगी। ग्रामीणों को सतर्क रहने और अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। साथ ही, वन विभाग ने स्थानीय लोगों को यह भी सुझाव दिया कि वे भालू के दृष्टिगत कोई भी गतिविधि का तुरंत सूचना विभाग को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कदम उठाए जा सकें। वन विभाग की इस तत्परता और ग्रामीणों की सतर्कता से आशा है कि भालू की उपस्थिति से उत्पन्न स्थिति को प्रभावी ढंग से संभाला जा सकेगा और किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सकेगा।

मवेशी तस्करी मामले में आरक्षक को जेल

भिलाई। पाटन के फुंडा क्षेत्र में 10 सितंबर को मवेशियों से भरे ट्रक को जब्त किया गया था ।पुलिस ने जब जांच की तो पता चला कि आरक्षक और मवेशी तस्करों के बीच सांठ गांठ है ।जिसमें आरक्षक ने मवेशी तस्करों को पुलिस के आने से पहले ही सूचना दे दी थी। आरक्षक डिलेश्वर पठारे पर आरोप लगे थे कि उसकी सूचना के बाद मौके से मवेशी तस्करी का मुख्य आरोपी संजय गिरी गोस्वामी फरार हो गया था। जिसकी गिरफ्तारी नहीं हो पाई है,वहीं पुलिस ने मवेशी तस्करों से सांठगांठ रखने वाले आरक्षक पर कार्रवाई की है।

10 सितम्बर को पाटन थाना क्षेत्र ग्राम फुंडा में गश्त के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि पेट्रोल पंप से 200 मीटर आगे फॉर्म हाउस में भैंसों को जमाकर रखा गया है ।जिन्हें कत्लखाने ले जाया जाना है। पुलिस की टीम ने छापेमारी की तो मौके पर ट्रक मिला। जिसमें

5 भैंसा, 38 भैंस को ठूंसकर भरा गया था। मौके पर पुलिस ने यूपी निवासी इस्गार अहमद को अरेस्ट किया गया। उसने बताया कि फार्म हाउस संजय गिरी गोस्वामी का है ।वो मवेशियों को कटनी कत्लखाने लेकर जा रहा है।

एएसपी सुखनंदन राठौर ने कहा ग्राम फुंडा में मवेशी तस्करी की सूचना मिली थी। पुलिस की टीम ने रेड मारा तो मौके पर ट्रक में भरे हुए मवेशी मिले ।मौके से एक आरोपी की गिरफ्तारी हुई है ।वहीं मुख्य आरोपी फरार है।

इस मामले में एक आरक्षक की संलिप्तता भी सामने आई है।

आपको बता दें कि फार्म हाउस में जब्त किए गए मवेशियों की तस्करी का मुख्य आरोपी संजयगिरी गोस्वामी है ।जो फार्म हाउस से मवेशियों को कत्लखाने भेज रहा था। इस केस की जांच में बात सामने आई है कि आरोपी संजयगिरी गोस्वामी के साथ पाटन थाना में तैनात आरक्षक डिलेश्वर पठारे की सांठगांठ थी। सीडीआर एनालिसिस के दौरान आरक्षक की करतूत सामने आई। उच्च अधिकारियों के निर्देश पर आरक्षक डिलेश्वर पठारे के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया ।वहीं मुख्य आरोपी की तलाश की जा रही है।

गृह मंत्री के क्षेत्र में कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं : भूपेश

कवर्धा की घटना पर सियासत, गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा- नियंत्रण में है मामला

रायपुर। कवर्धा में हत्या, आगजनी और बवाल की घटना को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया है। उन्होंने कहा कि लोकसभा प्रत्याशी होने के नाते मैं घटना स्थल जाऊंगा। वहीं जांच समिति प्रदेश अध्यक्ष द्वारा बनाए जाने की बात कही। इसके पहले उप मुख्यमंत्री और गृह मंत्री विजय शर्मा ने भी घटना को दुखद बताते हुए कहा कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। वहीं मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बताया कि गृह मंत्री घटनाओं पर नजर रखे हुए हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि कवर्धा में इससे पहले भी तीन लोगों को जलाकर मार दिया गया था। गृह मंत्री के क्षेत्र में कानून व्यवस्था नाम की चीज नहीं है। पुलिस के खिलाफ ग्रामीणों में आक्रोश दिख रहा है। पुलिस पर ग्रामीणों को भरोसा कम क्यों हो रहा है? कलेक्टर-एसपी कांफ्रेंस के बाद ऐसी घटनाएं घट रही है। सम्बंधित घटना की जांच गहराई से होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अंधविश्वास को सरकार खुद बढ़ावा दे रही है, इसके लिए जिम्मेदार सरकार ही है। पहले सरकार के द्वारा अंधविश्वास निवारण शिविर लगाया जाता था।

मामले में उप मुख्यमंत्री और गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि एक युवक की हत्या के शक में आगजनी की घटना हुई है, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हुई है। घटना कैसे हुई, यह जांच का विषय है। जांच के बाद घटना की वजह स्पष्ट हो जाएगी। पहले घटना स्थल पर पुलिस बल कम था, तो कुछ परेशानी हुई थी। उसके बाद पुलिस के साथ कुछ क्लेश हुआ, उस वक्त पुलिस अधीक्षक वहां स्वयं मौजूद थे। मौके पर पुलिस बल बढ़ाया गया है। अभी मामला नियंत्रण में है।

गृहमंत्री ने कहा कि इस घटना को कैसे अंजाम दिया गया है, इसे लेकर कुछ कहना जल्दीबाजी होगा। जांच होने के बाद स्पष्ट हो जाएगा कि कौन जिम्मेदार है, और कैसे अंजाम दिया गया है। पुलिस की रोल निष्पक्ष होना चाहिए। मुस्तैदी से पुलिस वहां गांव को नियंत्रण में लिया है। लोगों से आग्रह है कि शांति बनाए रखें। पुलिस को कार्रवाई करने में मदद करें। उन्होंने कहा कि लोहारीडीह शांतिप्रिय गांव है। यहां एक बार नहीं सौ बार से भी ज्यादा गया हूं। घर-घर के लोगों से पहचान है।

गृह मंत्री घटनाओं पर रखे हैं नजरः श्याम बिहारी

वहीं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कवर्धा की घटना पर कहा कि गृह मंत्री इन घटनाओं पर खुद नजर रखे हुए हैं। इस प्रकार की घटनाएं न हो, यह हमारी सरकार की प्रतिबद्धता है। एक-दो घटनाओं को छोड़ दें, तो प्रदेश में इस तरीके की

घटनाएं नहीं होती है।

वहीं बस्तर में जादू-टोना के शक पर की गई परिवार के पांच सदस्यों की हत्या पर श्यामबिहारी जायसवाल ने कहा कि केवल सरकार और क़ानून के सहायता से ऐसी घटनाओं पर लगाम नहीं लगाया जा सकता है। जादू-टोने पर विश्वास करना चिंता करने का विषय है। इसके लिए जनजागरूकता की आवश्यकता है। स्वास्थ्य विभाग की पूरी कोशिश है कि सुदूर इलाकों तक सबको उपचार मिले, जिससे लोग अंधविश्वास का शिकार न हों। मुख्यमंत्री ऐसे मामलों में सख्त है।

लोगों में पुलिस का भय नहीं, प्रशासन की लापरवाही से हुई घटना

कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कवर्धा में हत्या की आशंका पर गांव वालों ने एक परिवार के घर को आग के हवाले कर दिया। यह घटना बेहद दुर्भाग्यजनक है। कवर्धा तो हत्याओं की राजधानी बन गया है।

उन्होंने कहा, गृह मंत्री का जिला होने के बाद भी वहां के लोग खुद को सुरक्षित नहीं समझ रहे हैं। प्रशासन और पुलिस की लापरवाही है। छत्तीसगढ़ में जादू टोना के शक में हत्या की घटनाएं बढ़ी है। लगातार इस तरह की घटनाएं बढ़ रही है। जादू टोना के शक में लोगों को मार दिया जा रहा है। यह प्रशासन की लापरवाही है। जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए। लोगों में पुलिस का भय होना चाहिए।

सीमेंट के दाम में गिरावट को लेकर संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, सीमेंट के दाम इसलिए बढ़ाये गये थे क्योंकि सरकार और कंपनी की सांठगांठ हुई थी। विपक्ष के दबाव बनाने पर रेट कम किया गया है। हम मांग करते हैं कि पूरा पचास रुपये की कटौती होनी चाहिए।

कवर्धा घटना : पीड़ित परिवार और ग्रामीणों से मिलेगा कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल

कवर्धा जिले के लोहारीडीह घटना को लेकर सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल घटना स्थल का दौरा कर पीड़ित परिवार और ग्रामीणों से मुलाकात करेगा। इस प्रतिनिधि मंडल में पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ। चरण महंत सहित कई नेता शामिल होंगे। यह निर्णय प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट से चर्चा के बाद लिया गया। बता दें कि रविवार को गांव के लोगों ने एक परिवार को जलाने की कोशिश की। घर में

आग लगाने से एक युवक की मौत हो गई। यह घटना उस समय घटी जब एक युवक की हत्या के शक में ग्रामीणों ने हंगामा खड़ा कर दिया। स्थिति तब और बिगड़ गई जब गुस्साए लोगों ने मौके पर पहुंची पुलिस टीम पर भी हमला कर दिया। आक्रोशित ग्रामीणों ने एसपी अभिषेक पल्लव को बंधक बनाने की कोशिश की, जिससे हालात और तनावपूर्ण हो गए। पुलिस ने 170 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया है। वहीं गांव में बवाल करने वाले 70 लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। गांव में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है, ताकि स्थिति को नियंत्रण में लाया जा सके।

छात्रों को बांटने के बजाए कबाड़ में बेच दी सरकारी किताबें

विकास उपाध्याय के खुलासे के बाद स्कूल शिक्षा विभाग ने किया जांच दल का गठन

रायपुर। सिलयारी स्थित रियल बोर्ड पेपर मिल के गोदाम में रायपुर पश्चिम के पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने रविवार शाम को भारी मात्रा में सरकारी स्कूली किताबों का जखीरा बरामद किया था, जिन्हें छात्रों को बांटने की बजाए रद्दी में बेच दिया गया था। मामले में बड़े भ्रष्टाचार की आशंका जताए जाने के बाद स्कूल शिक्षा विभाग ने आज छग पाठ्य पुस्तक निगम के प्रबंध संचालक आईएएस राजेंद्र कटारा की अगुवाई में पांच सदस्यीय जांच दल का गठन किया है।

रायपुर पश्चिम के पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने बताया कि रियल बोर्ड पेपर मिल के गोदाम में किताबों की जांच की तो पाया की किताबें इसी सत्र की हैं, और अभी भी पूरी तरीके से अच्छी कंडीशन में है। सत्र शुरू हुए अभी कुछ ही महीना हुआ है, और छात्रों को किताबें मिल नहीं पाई है। किताबों को बांटने के पहले कबाड़ में भेज दिया गया है। इन किताबों को उपयोग में लाया जा सकता है, लेकिन इन्हें रद्दी बताकर बेचा जा चुका है।

पूर्व विधायक ने कहा कि छत्तीसगढ़

में माता सरस्वती का ऐसा अपमान पहले कभी नहीं देखा गया!। ये वही किताबें हैं जो सरकार द्वारा छात्रों को मुफ्त वितरण के लिए खरीदी गई थीं। सरकार ने किताबें खरीदीं, लेकिन उन्हें छात्रों तक पहुंचाने के बजाय कबाड़ में बेच दिया। उन्होंने मामले में बड़े भ्रष्टाचार की आशंका व्यक्त करते हुए मामले की जांच की मांग करते हुए बताया कि वे घंटे भर तक गोदाम में अपने समर्थकों के साथ धरने पर बैठे रहे, लेकिन कोई जिम्मेदार सुध लेने के लिए नहीं आया।

पूर्व विधायक विकास उपाध्याय इस मुद्दे को लेकर बड़े आंदोलन का ऐलान करते हुए कहा कि वह जल्द ही शिक्षा सचिव से मुलाकात करेंगे और इस घोटाले की विस्तृत जांच की मांग करेंगे। इसके साथ ही इस पूरे मामले को पार्टी स्तर से भी सदन में उठाए जाने की बात कहते हुए बच्चों के भविष्य को कबाड़ में डालने वाली सरकार से श्वेत पत्र जारी कर स्थिति स्पष्ट करने की भी मांग की।

पांच सदस्यीय जांच समिति का गठन

पेपर मिल के गोदाम में वर्तमान सत्र की सरकारी किताबों का जखीरा बरामद होने के मामले में स्कूल शिक्षा विभाग ने छग पाठ्य पुस्तक निगम के प्रबंध संचालक आईएएस राजेंद्र कटारा की अगुवाई में पांच सदस्यीय जांच दल का गठन किया है। दल में अतिरिक्त संचालक, लोक शिक्षण संचालनालय डॉ। योगेश शिवहरे, संभागीय संयुक्त संचालक, रायपुर शिक्षा संभाग राकेश पांडेय, छग पाठ्य पुस्तक निगम के महाप्रबंधक प्रेम प्रकाश शर्मा और रायपुर कलेक्टर शामिल किया गया है।

निजी कंपनी का अकाउंटेंट बना चोर, 32 लाख उड़ाए, अब जेल में पीसेगा चक्की

रायपुर। निजी कंपनी के दफ्तर में चोरी करके फरार हुए अकाउंटेंट को पुलिस ने अरेस्ट किया है। आरोपी का नाम रौनक डे है। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने दो लैपटॉप, एक मोबाइल, 5 हजार नकदी समेत लगभग 1 लाख 20 हजार रुपए का सामान जब्त किया है। सिविल लाइन पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 381 के तहत कार्रवाई की है।

सिविल लाइन थाना प्रभारी रोहित मालेकर ने बताया कि निजी वेब पोर्टल के मालिक पप्पू फरिश्ता ने 30 अगस्त को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके कार्यालय में रौनक डे नाम का कर्मचारी साल 2020 से काम कर रहा है। जो अकाउंट बैंकिंग कर्मचारियों का पेमेंट इंश्योरेंस पॉलिसी और अन्य काम की देखरेख करता है। 20 मई 2024 को कैश की देखरेख करने वाला कर्मचारी अपने बेटे के साथ दिल्ली गया था।

टीआई रोहित मालेकर ने कहा दिल्ली जाने से पहले अखबार कार्यालय के रेस्ट रूम में नकदी समेत कुछ दस्तावेज रखे थे। जिसमें नया ताला खरीदकर लगाना था। इसकी जिम्मेदारी कर्मचारी ने रौनक डे को दी थी।लेकिन रौनक ने नए ताले की तीन चाबियों से एक अपने पास रख ली और ये बताया कि ताला कंपनी अब दो ही चाबी बनाती है।मालिक के दिल्ली जाने के बाद आरोपी ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया।

12 जुलाई को दोपहर में दिल्ली से वापस आकर कर्मचारी ने रेस्ट रूम चेक किया। जहां रखे 32 लाख रुपए गायब थे।जिसकी सूचना कर्मचारी ने अपने मालिक को दी। वेब पोर्टल के मालिक को अपने कर्मचारी रौनक डे के ऊपर संदेह हुआ। जिसके बाद मालिक ने मार्केट के जिस दुकान से ताला लिया था, उस दुकान में पता किया। दुकानदार ने ताले की तीन चाबी देना बताया।इसके बाद जब रौनक डे से पूछा गया तो उसने चोरी की बात कबूली और रकम लौटाने की बात कही।लेकिन रकम लौटाने के बजाय आरोपी भाग गया।जिसके बाद पुलिस ने टीम बनाई और आरोपी के लोकेशन कोलकाता में डेरा डाला।जहां से आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

केंद्रीय इस्पात मंत्री कुमार स्वामी का बड़ा बयान, नगरनार प्लांट का नहीं होगा निजीकरण

रायपुर। केंद्रीय इस्पात एवं प्रभारी उद्योग मंत्री एचडी कुमार स्वामी सोमवार को एकदिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे पर विशेष विमान से चेन्नई से जगदलपुर पहुंचे। एचडी कुमार स्वामी ने नगरनार प्लांट का निरीक्षण किया। एनएमडीसी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एनएमडीसी प्लांट से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर उन्होंने बातचीत की। उन्होंने कहा कि नगरनार स्टील प्लांट का निजीकरण नहीं होगा। सरकार निजीकरण के बारे में नहीं सोच रही है बल्कि यह सोच रही है कि कैसे नगरनार स्टील प्लांट को और मजबूत बनाया जा सके।

इस दिशा में कार्ययोजना तैयार हो इसलिए ही वह नगरनार प्लांट के निरीक्षण और काम को समझाने आए हैं।

वहीं नगरनार स्टील प्लांट को लेकर बस्तर में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। केंद्रीय इस्पात और उद्योग मंत्री के बस्तर दौरे के दौरान मीडिया को बयान दिया कि नगरनार प्लांट का निजीकरण नहीं होगा। इस बयान पर पूर्व विधायक रेखचंद जैन ने कहा कि भाजपा की करनी और कथनी में अंतर होने की बात कही है। उन्होंने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के बस्तर दौरे के दौरान किए गए वादों का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि नगरनार स्टील प्लांट बस्तरवासियों का है और इसका निजीकरण नहीं होगा। लेकिन जैन ने दावा किया कि एनएमडीसी के तहत नगरनार स्टील प्लांट का डिसइनवेस्टमेंट विनिवेश जारी है।

मेजर जनरल सुधीर शर्मा के मार्गदर्शन में बनाई गई एके 203 असॉल्ट राइफलें सीमा पर भारतीय सेना के जवानों तक पहुंचीं

रायपुर। छत्तीसगढ़िया मूल के बेटे पाटन के मेजर जनरल सुधीर शर्मा ने सेना में सेवा देते हुए अपनी एक और बड़ी उपलब्धि से राष्ट्र के साथ राज्य का नाम भी रोशन किया है। उनके नेतृत्व और मार्गदर्शन में बनाई जा रही 35000 एके 203 असॉल्ट राइफलें (शेर) सीमावर्ती इलाकों में भारतीय सेना के जवानों के हाथों में पहुंच गई हैं। दिसंबर 2024 तक सेना को 20000 और राइफलें मिलेंगी।

मेजर जनरल सुधीर शर्मा को एक गहन चयन प्रक्रिया के बाद अगस्त 2023 से भारत सरकार द्वारा इंडो रशियन राइफल्स प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ और एमडी के रूप में नियुक्त किया गया है। यह रक्षा मंत्रालय के तहत एक संवेदनशील और रणनीतिक परियोजना है। इस कंपनी के पास रूस की कलाश्निकोव कंपनी से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के साथ भारत में 601427 एके 203 राइफल

बनाने का ऑर्डर है। एके 203 का उत्पादन संयंत्र अमेठी में है। स्वदेशीकरण की सावधानीपूर्वक प्रक्रिया के बाद अगले एक साल के भीतर राइफलें 100 प्रतिशत भारत में बनाई जाएंगी। इसके बाद फैक्ट्री हर दिन 600 से ज्यादा राइफलें बनाने में सक्षम होगी। ये राइफलें भारत में होमलैंड सिक्योरिटी और राज्य पुलिस बलों को भी बेची जाएंगी। इन्हें मेक इन इंडिया प्रोजेक्ट के तहत मित्र विदेशी देशों में भी निर्यात किया जाएगा।

मेजर जनरल सुधीर शर्मा के नेतृत्व और मार्गदर्शन में आईआरआरपीएल द्वारा बनाई गई एके 203 दुनिया की सर्वश्रेष्ठ असॉल्ट राइफलों में से एक होगी। 800 मीटर की रेंज और 700 राउंड प्रति मिनट की फायरिंग दर के साथ, यह आतंकवाद विरोधी और पारंपरिक ऑपरेशन दोनों में हमारी सेना के जवानों के लिए एक घातक हथियार होगा।

बता दें कि मेजर जनरल सुधीर शर्मा पाटन (छत्तीसगढ़) के रहने वाले हैं और उनके माता-पिता दुर्ग के बोरसी में रहते हैं। वह पिछले 36 वर्षों से सेना में हैं और उनके पास आतंकवाद विरोधी अभियानों, मानव प्रबंधन, कूटनीति और परियोजना प्रबंधन का व्यापक अनुभव है।

अवैध शराब बिक्री के खिलाफ 19 गांवों के प्रतिनिधियों की बुलाई गई महाबैठक

■ युवाओं को नशे से बचाने की जा रही रूपरेखा तैयार

महासमुंद। क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे अवैध महुआ शराब उत्पादन और बिक्री से न केवल नशाखोरी बढ़ रही है, बल्कि इसका दुष्प्रभाव, खासकर युवा पीढ़ी पर पड़ रहा है, जिससे समाज में झगड़े और अपराध बढ़ रहे हैं, जिसके कारण क्षेत्रवासी परेशान हैं और नशे की लत का शिकार हो रहे हैं। वहीं आज के युवा पीढ़ियों और सभ्य समाज को बचाने बड़गांव में महाबैठका आयोजित किया जा रहा है, जिसमें बलौदाबाजार जिले के बया चौकी कसडोल क्षेत्र पर पिथौरा क्षेत्र के लगभग 19 गांव के पंचायत प्रतिनिधियों विभिन्न समाजों के प्रमुखों

की विशाल महाबैठका में शामिल होंगे। अवैध शराब को नियंत्रित कर शराबखोरी के आगोश में बिगड़ते युवा पीढ़ियों को बचाने के लिए महापंचायत की जा रही है। अवैध शराब निर्माण करने वाले और शराब विक्रय कर लगातार समाज में जहर परोस रहे शराब दलालों और कोचियों की टोली में हड़कंप मची हुई है।

बड़गांव में आयोजित आज की महाबैठका में मुख्य रूप से बड़गांव, जम्हर, ढेबा, ढेबी, अकलतरा, खुसरुपाली, कोकोभांठा, राजाडेरा, छिबर्रा, कोचर्रा, आमगांव, देवगांव, चरौदा सहित लगभग कुल 19 ग्राम पंचायतों के समाज प्रमुखों पंचायत प्रतिनिधियों सहित सामाजिक जन उपस्थित हैं। जिसमें आसपास के क्षेत्र में अवैध शराब निर्माण और विक्रय के नियंत्रण को लेकर महामंथन करने के साथ-साथ अवैध शराब निर्माण और विक्रय को नियंत्रित करने रूपरेखा तैयार किया जा रहा है।

बता दें कि क्षेत्र में कई दिनों से चर्चित इस महाबैठका का गुंज पिथौरा और बया चौकी क्षेत्र के साथ छत्तीसगढ़ सरकार तक भी गुंजेगी। अब देखना होगा की इतनी अधिक संख्या में विभिन्न ग्राम पंचायत के प्रतिनिधियों समाज प्रमुखों की एक साथ संयुक्त रूप से होने वाली इस महाबैठका में अवैध शराब निर्माण और विक्रय पर किस हद तक नियंत्रण करने के लिए नियम बनाए जाते हैं। अवैध शराब निर्माण और विक्रय को नियंत्रित करने में नाकाम हो रहे आबकारी विभाग की कार्यशैली भी इन दिनों जगह-जगह चर्चा है।

चाकूबाजी में घायल युवती की मौत, सिरफिरे युवक ने मारा था चाकू

रायपुर। राजधानी रायपुर के तेलीबांधा थाना क्षेत्र में स्थित तेलीबांधा तालाब (मरीन ड्राइव) के सामने दिनदहाड़े एक युवक ने एकतरफा प्रेम में युवती की गला रेत दी. घटना में गंभीर रूप से घायल युवती की इलाज के दौरान मौत हो गई है. वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी खुद पर चाकू से हमला कर तेलीबांधा तालाब में कूद गया था. पुलिस ने आरोपी युवक को रेस्क्यू कर गिरफ्तार कर लिया है. बताया जा रहा है कि आरोपी युवक युवती पर नजदीकी बढ़ाने का दवाब बना रहा था. जब युवती ने मना किया तो वह हमला कर दिया. तेलीबांधा तालाब पर दिनदहाड़े युवती को घोपा चाकू जानकारी के अनुसार, सोमवार दोपहर मरीन ड्राइव के सामने मोमोज मैजिक नमक रेस्टोरेंट में काम करने वाली युवती को आरोपी लाकेश्वर तारक वहीं बाहर मिलने के लिए बुलाया. आरोपी और पीड़िता का इसी संस्थान में पूर्व में काम करने की वजह से पूर्व परिचय था. एक तरफा प्रेम प्रसंग के कारण दोपहर 3.45 बजे दोनों के बीच किसी बात पर विवाद हुआ और आरोपी ने गले में चाकू से प्राणघातक हमला कर दिया.

संक्षिप्त समाचार

दिवंगत सुभाष शर्मा के निवास पहुंचकर सचिन पायलट ने दी श्रद्धांजलि

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस के पूर्व महामंत्री दिवंगत सुभाष शर्मा को श्रद्धांजलि देने के लिए सोमवार को प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी सचिन पायलट उनके सुंदरनगर निवास पहुंचे,उन्होने परिजनों से मुलाकात भी की। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व नेता प्रतिपक्ष टीएस सिंहदेव और प्रदेश कांग्रेस के अन्य प्रमुख नेता मौजूद थे।

सीनियर सिटीजंस वेलफ़ेयर फ़ोरम द्वारा पौध रोपण

रायपुर। ज़िला चिकित्सालय परिसर में कृषि विशेषज्ञ डा. जे एस उरकुरकर के मार्गदर्शन में फोरम के द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. भंडारी जी के साथ साथ नर्सिंग स्टाफ़ व अन्य डॉक्टरों का भी सराहनीय योगदान दिया। ज़िला चिकित्सालय परिसर के चारों ओर बादाम, नीम, करंज , गुलमोहर के अलावा अन्य छायादार पौधों का रोपण किया गया। फोरम के अध्यक्ष प्रकाश सुरावधनीवार , सचिव राजकुमार शुक्ला, उपाध्यक्ष सरोज सैफी, सह सचिव पीके चटर्जी व कोषाध्यक्ष राणा के अलावा पूर्व अध्यक्ष एस के भार्गव कार्यकारिणी सदस्य राकेश कुमार खरे, सदस्य रमेश तिवारी,देवानंद दुबे, जे पी टिकरिहा, हरसुख भाई राठौर व जीपी गुप्ता उपस्थित रहे।

ईद मिलादुन्नबी पर मुस्लिम बंधुओं ने निकाला जुलूस

रायपुर। पैगम्बर हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिन ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर सोमवार को मुस्लिम समाज के लोगों ने भाईचारे का संदेश देते हुए जुलूस निकाला। हुजूर साहेब मोहम्मद पैगम्बर के जन्मदिन के अवसर पर आपसी सौहाद्र का नजारा पेश करते हुए मुस्लिम समुदाय के लोगों ने तकरीर और परचम कुसाई करने के बाद शहर में पैदल रैली निकाली। डीजे और अन्य साउंड सिस्टम पर भी प्रशासन ने मनाही कर दी थी, लिहाजा पैदल मार्च करते मुस्लिम धर्मावलंबियों ने शहर के अलग-अलग रास्तों में जुलूस निकाला और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। इस बीच पुलिस ने सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए थे।

ट्रेन एम्बुलेंस के नाम पर मरीज के परिजनों से ठगी

रायपुर। निजी ट्रैवल कंपनियों द्वारा मजबूर लोगों के साथ कैसै धोखाधड़ी की जाती है उसका एक उदाहरण सामने आया है। ट्रैवल कंपनी ने ट्रेन एम्बुलेंस नाम से बुकिंग कर पीड़ित के परिजनों से राशि वसूल कर ली और मरीज को ट्रेन के फ्लोर पर यात्रा कराई गई। इस पूरे मामले में रेलवे ने अधिकृत बयान जारी करते हुए इस प्रकार की सुविधा से इंकार किया और लोगों को सतर्क रहने को कहा है। यह पूरा मामला हाफा एक्सप्रेस ट्रेन का है। जिसमें आज खडग़पुर से रायपुर तक जाने के लिए सृष्टि एक्का नाम से ट्रेन एम्बुलेंस नाम पर पंचमुखी एयर एंड ट्रेन एम्बुलेंस सर्विस ने बुकिंग की थी। सृष्टि को हाथ, स्पाइन और पैर में कई चोटें और फैक्चर भी था। सृष्टि एक्का को ट्रेन के दरवाजे के पास फर्श पर सुलाकर यात्रा रायपुर तक लाया गया जिसके चलते ट्रेन के दरवाजे यात्रियों का आवागमन भी बाधित हो रहा था। कुछ यात्रियों के द्वारा पूछने परिजनों ने बताया कि 13 सितंबर को उन्होंने ट्रेन एम्बुलेंस नाम से बुकिंग करवाई थी। पंचमुखी एयर एंड ट्रेन एम्बुलेंस सर्विस के नाम की कंपनी से उन्होंने बुकिंग करवाई थी। इसके लिए उनसे 65 हजार रुपए मांग की गई थी जिसके ऐवज में 32,500 अग्रिम भुगतान भी कंपनी को गया था। ट्रेन एंबुलेंस के नाम से पैसे वसूल कर महिला को ट्रेन के दरवाजे पर सुलाकर खडगपुर से रायपुर लाया गया। मरीज सृष्टी एक्का के साथ हर्ष एक्का नामक कर रहा था। फर्श पर लेटा कर यात्रा करवाने के सवाल पर कहां गया कि महिला के पैर में रॉड लगा था जिसके चलते बोगी में एंट्री करवाने के लिए उन्हें मोडते नही बन रहा था। उन्हें वापस उतार कर रोड एंबुलेंस से ले जाया जाता पर तब तक ट्रेन निकल गई और समय नहीं बचा, इसलिए मजबूरीवश उन्हें दरवाजे पर लेटकर यात्रा करनी पड़ी।

बच्चों ने खाया रतनजोत का बीज, अनान-फनान में ले जाया गया अस्पताल

महासमुंद। बच्चों के जहरीला बीज खाने की घटना समाने आई है। अनान-फनान में बच्चों को अस्पताल ले जाया गया, अब बच्चों की हालत स्थिर है। मिली जानकारी के अनुसार बागबाहरा विकासखंड के ग्राम सेनभाटा में 9 बच्चों ने रतनजोत का बीज खा लिया। बच्चों ने शाम को खेलने के बाद घर जाते समय रास्ते में रतनजोत बीज खा लिया था। घर पहुंचने पर बच्चों को उल्टी आने लगी। तब परिजनों ने 108 की मदद से बच्चों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बागबाहरा ले गए। यहां डॉक्टरों ने इलाज किया। उपचार के बाद चिकित्सकों ने बताया सभी बच्चों की हालत स्थिर है।

मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे

दीपक कुमार शर्मा

आम चुनाव में भाजपा के बहुमत से चूकने के बाद नई सरकार की भावी कार्यशैली, रीति-नीति में कई तरह के बदलाव के कयास लगाए जा रहे थे, लेकिन मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले सौ दिनों में नीतिगत स्तर पर कोई बदलाव नहीं दिखा। विकास, विदेश नीति से लेकर हिंदुत्व तक मोदी सरकार अपने पिछले दो कार्यकाल की तरह ही पुराने अंदाज में आगे बढ़ रही है। सरकार सोमवार को 100 दिन पूरे कर ली है। इस छोटी-सी अवधि में इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए तीन लाख करोड़ की योजनाएं मंजूर की जा चुकी हैं। वहीं लोकसभा में वक्फ कानून संशोधन विधेयक पेश करने के साथ सरकार समान नागरिक संहिता के प्रति पुरानी प्रतिबद्धता दर्शाकर हिंदुत्व की पिच पर भी मजबूती से कदम आगे बढ़ाती दिखी। मोदी सरकार ने युवा, महिला, किसान और गरीब केंद्रित कई योजना और नीतियां लागू की हैं। नई सरकार ने मध्य वर्ग और गुलामी से जुड़े प्रतीकों को खत्म करने के एजेंडे को आगे बढ़ाया है। मसलन ब्रिटिशकालीन आपराधिक कानूनों को बदलने के लिए लाए गए तीन नए कानून को एक जुलाई से लागू करने के साथ पोर्ट ब्लेयर का नाम बदलकर श्री विजयपुरम कर दिया। सरकार ने सड़क, रेल, बंदरगाह और हवाई मार्ग से जुड़े क्षेत्र में तीन लाख करोड़ की परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इनमें महाराष्ट्र के वधावन को भविष्य में दुनिया के दस शीर्ष बंदरगाहों में शामिल कराने के लिए 76,200 करोड़ की लागत से मेगा पोर्ट बनाना शामिल है। टोले-माजरे और कम जनसंख्या वाली जगहों में 62,500 किमी सड़क निर्माण के लिए 49,000 करोड़, अन्य सड़क नेटवर्क के लिए 50,600 करोड़ की योजना को मंजूरी मिली। 936 किमी के आठ हाई स्पीड रोड कॉरिडोर, 8 नई रेलवे लाइन सहित कई नए एयरपोर्ट, मेट्रो निर्माण या विस्तार से जुड़ी परियोजनाएं आगे बढ़ीं। सरकार के एक वरिष्ठ मंत्री ने कहा कि तीसरी बार सत्ता में आने के बाद मंत्रिमंडल के विभाग बंटवारे, भविष्य की नीति और कार्यशैली में बदलाव की बात कही जा रही थी। लेकिन पहले सौ दिन में हमने साबित कर दिया है कि नीतिगत मामलों में किसी तरह के बदलाव का सवाल ही नहीं उठता। इस संदर्भ में दस साल से जारी पुरानी नीतियां पहले की तरह बदस्तूर जारी रहेंगी। सरकार नए कार्यकाल में किसानों को साधने की रणनीति पर भी आगे बढ़ी। इस क्रम में पीएम किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त जारी की गई। खरीफ फसलों का एमएसपी बढ़ाया गया। आंध्रप्रदेश के करीब 12 हजार करोड़ की पोलावरम कृषि परियोजना के अलावा 14 हजार करोड़ की सात अन्य योजनाओं को मंजूरी मिली। नई राष्ट्रीय सहकारिता नीति का मसौदा तैयार हुआ। सौ दिनों के कार्यकाल में मध्य वर्ग को कर राहत के लिए सात लाख तक आय को कर सीमा से बाहर किया गया। सरकारी कर्मचारियों के लिए यूनिफाइड पेंशन योजना शुरू की गई। वन रैंक वन पेंशन का तीसरा संस्करण लागू किया गया। शहरी आवास योजना के तहत एक करोड़ तो ग्रामीण आवास योजना के तहत दो करोड़ नए घरों के निर्माण स्वीकृत किए गए। ढाई लाख घरों में पीएम सूर्य घर बिजली योजना पहुंची। सौ दिन के एजेंडे में पूरब सहित अन्य कमजोर राज्यों को नीतियों और योजनाओं के केंद्र में लाया गया। बिहार, ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल और आंध्रप्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए पूर्वोदय योजना की शुरुआत की गई। लद्दाख में पांच नए जिले बनाए गए। शहरी बाढ़ प्रबंधन, ग्लेशियल से निपटने के लिए 6,350 करोड़ की परियोजनाएं शुरू की गईं। इस दौरान आधी आबादी पर भी मोदी सरकार का पूरा फोकस रहा। नब्बे लाख से अधिक स्वयं सहायता समूह बनाए गए। पीएम ने 11 लाख नई लखपति दीदी को प्रमाणपत्र सौंपे। स्वयं सहायता समूह के जरिए आधी आबादी को पर्यटन से जोड़ने की मुहिम शुरू हुई। इनके लिए 5,000 करोड़ के बैंक ऋण जारी किए गए। युवा वर्ग को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर मुहैया कराने के लिए दो लाख करोड़ के पीएम पैकेज की घोषणा की गई। एक करोड़ युवाओं को शीर्ष कंपनियों में इंटर्नशिप का अवसर उपलब्ध कराने की घेषणा के साथ केंद्र सरकार ने 15000 नई नियुक्तियों की घोषणा की। कौशल विकास के लिए अहम घोषणा की गई।

चुनाव बाद भी केजरीवाल के लिए सीएम बनना संभव तभी, जब...

अभिनय आकाश

शतरंज एक ऐसा खेल होता है जहां पर बहुत दिमाग से चाल चलनी होती है। कब घोड़ की चाल चलनी है और कब सिपाही की और राजा को कैसे बचाना है। ये सोच समझ कर चाल चलनी होती है। राजनीति में भी इसी तरीके का खेल खेलना होता है। ये खेल खेलने में अरविंद केजरीवाल बहुत माहिर हैं। दिल्ली की कुर्सी पर बैठे उन्हें पिछले एक दशक से ज्यादा का वक्त हो गया है। इस दौरान उन्होंने ऐसा खेल खेला है कि उनके विरोधी परेशान रहने लगे हैं। जून के महीने में अरविंद केजरीवाल जब चुनाव प्रचार के लिए जेल से बाहर आए तो उन्होंने 17 सितंबर को लेकर एक बड़ा बयान दिया। ऐसा बयान कि बीजेपी को तुरंत प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सफाई देनी पड़ गई। उस दिन अरविंद केजरीवाल ने कह दिया कि मोदी 75 साल का होने पर पद छोड़ देंगे और अमित शाह पीएम बनेंगे। वो इसलिए अपने लिए नहीं अमित शाह को पीएम बनाने के लिए वोट मांग रहे हैं। आज अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वो जनता की अदालत में जाएंगे और उन्हें फिर से चुने जाने के बाद वो सीएम की कुर्सी पर बैठेंगे। लेकिन इसमें भी कई पेंच है जिसका कि कोई जिक्र भी नहीं कर रहा है।

तिहाड़ जेल से रिहाई के बाद पार्टी के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अऱविंद केजरीवाल ने बड़ा ऐलान कर दिया। अरविंद केजरीवाल ने इस्तीफे का ऐलान किया। 15 सितंबर को इस्तीफा नहीं दिया कहा कि दो दिन बाद देंगे। केजरीवाल ने कहा कि वो दो दिन बाद सीएम पद से इस्तीफा देने जा रहे हैं। इसके साथ ही मनीष सिसोदिया भी कोई पद नहीं ले रहे हैं। मनीष सिसोदिया ने भी पद लेने से मना कर दिया है और संघर्ष का रास्ता चुनने का ऐलान किया है। मेरी जगह कोई और मुख्यमंत्री बनेगा। आगे कहा कि वो दिल्ली में समय से पहले चुनाव कराने की मांग करेंगे। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में भी चुनाव झारखंड और महाराष्ट्र के साथ कराए जाए। वैसे फरवरी में चुनाव होने हैं। लेकिन उन्होंने ये भी कह दिया कि नया नेता विधायक दल की बैठक में चुना जाएगा। अब ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि इतने दिनों से जेल से ही सरकार चलाने की जिद पर अड़े अरविंद केजरीवाल बाहर आने के बाद इस्तीफा क्यों देने जा रहे हैं। क्या ये अरविंद केजरीवाल की कोई मजबूरी है या फिर गेम प्लान?

तिहाड़ जेल से रिहाई के बाद पार्टी के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अऱविंद केजरीवाल ने बड़ा ऐलान कर दिया। अरविंद केजरीवाल ने इस्तीफे का ऐलान किया। 15 सितंबर को इस्तीफा नहीं दिया कहा कि दो दिन बाद देंगे। केजरीवाल ने कहा कि वो दो दिन बाद सीएम पद से इस्तीफा देने जा रहे हैं। इसके साथ ही मनीष सिसोदिया भी कोई पद नहीं ले रहे हैं। मनीष सिसोदिया ने भी पद लेने से मना कर दिया है और संघर्ष का रास्ता चुनने का ऐलान किया है। मेरी जगह कोई और मुख्यमंत्री बनेगा। आगे कहा कि वो दिल्ली में समय से पहले चुनाव कराने की मांग करेंगे।

दो दिन बाद 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात में होंगे। उस दिन उनकी पार्टी उनका जन्मदिन मना रही होगी। लेकिन केजरीवाल ने इस्तीफे का वो दिन चुनकर जन्मदिन के रंग में कुछ सुर्खियां खुद भी बटोरने की सोची। भारत की राजनीति में आज भी इस्तीफे का अपना नैतिक महत्व है। उसकी ताकत कई बार तमाम जनादेशों और साजिशों पर भारी पड़ जाती है। टाइमिंग की ताकत पर मोदी की महारत मानी जाती थी। प्राइम टाइम के समय अचानक टीवी पर आ जाना नोटबंदी का ऐलान कर देना। लॉकडाउन की घोषणा करना। राष्ट्र के नाम संबोधन उनकी रणनीति का अहम हिस्सा माना जाता रहा है। लेकिन 17 सितंबर भारत की राजनीति का एक दिलचस्प दिन होता जा रहा है। नियती का खेल देखिए जब मोदी अपना जन्मदिन मना रहे होंगे केजरीवाल उसी 17 सितंबर को इस्तीफा देकर सत्ता छोड़ रहे होंगे।

सीएम केजरीवाल मुख्यमंत्री ऑफिस और दिल्ली सचिवालय नहीं जाएंगे। दिल्ली के सीएम अपनी ओर से दिए गए इस कथन से बाध्य हैं कि वह सरकारी फाइलों पर तब तक हस्ताक्षर नहीं करेंगे जब तक कि ऐसा करना आवश्यक न हो और दिल्ली के उपराज्यपाल की मंजूरी/अनुमोदन प्राप्त करने के लिए आवश्यक हो। ऐसे में चुनाव जीत जाने पर क्या ये बंदिशें खत्म हो जाएंगी। इस पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। सारी मीडिया का ध्यान केजरीवाल जो बोल रहे हैं उसी पर है सिर्फ। सुप्रीम कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा है कि आप सीएम की कुर्सी पर नहीं बैठ सकते। लेकिन फिर भी आप कह रहे हैं कि जनता की अदालत में जाऊंगा। कट्टर इमानदार हूं तो फिर से मुख्यमंत्री बन जाऊंगा। लेकिन वो फिर से भी सीएम नहीं बन सकते। सुप्रीम कोर्ट जब तक इन शर्तों को बदलेगा नहीं तब तक सब वैसा ही रहने वाला है।

केजरीवाल ने कहा कि हमारे वकीलों ने कहा कि इसमें 15 साल लग जाएंगे। लेकिन शायद वो भूल गए कि एमपीएमएलए कोर्ट में तय सीमा में केस का निवारण होने का नया कानून बना है। बेल लेने की जब बात आती है तो रोज उन्हें तारीख भी मिल जाती है। अभिषेक मनु सिंघवी की मदद से तो सीधा सुप्रीम कोर्ट में हर दो दिन पर तारीख मिल जा रही थी। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल की सारी हवा निकाल कर रख दी है। आप इसकी कल्पना कीजिए कि वो मुख्यमंत्री जिसे सीएम ऑफिस में घुसने की भी अनुमति न हो। आप एक घर के मालिक है और आपकी घर में एंट्री बैन कर दे तो कैसा लगेगा। लेकिन इसमें टेक्निकल मुद्दा ये आ गया कि सीएम कोई काम ही नहीं कर सकता तो कोई कैबिनेट मीटिंग भी नहीं बुला सकता।

केजरीवाल का इस्तीफा बंद रास्तों को खोलने का काम करेगा। चुनाव से पहले केजरीवाल दिल्ली में कुछ बड़ी योजनाएं लागू करना चाहते हैं। इनमें महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपये की सम्मान राशि देने की योजना सबसे अहम है। पिछले बजट में सरकार ने इसकी घोषणा तो कर दी थी, लेकिन इसे कैबिनेट की मंजूरी मिलने से पहले ही केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया गया। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत की जो शर्तें लगाई हैं, उनकी वजह से केजरीवाल के लिए कैबिनेट बैठक बुलाना मुश्किल होगा। कोई नया सीएम बनता है, कैबिनेट की बैठक बुला योजनाओं को पास कराना की तो आसान हो जाएगा। उसके बाद पार्टी चुनाव में यह कह सकती है कि उसने योजना पास कर दी है और सरकार बनते ही उसे लगा करेगी।

कार्यालय के अफसरों के अनुसार 6 महीने पहले चुनाव की तैयारियां शुरू हो जाती है। चार महीने पहले सेक्टर अफसर की नियुक्ति करने का प्रावधान है। इस हिसाब से अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियां तो शुरू हो गई है, लेकिन ये अभी अधूरी है। अभी तक वोटर लिस्ट तैयार नहीं हो पाई है। लोकसभा चुनाव के 5 महीने हो चुके हैं। इस दौरान हजारों नए वोटर्स को लिस्ट में शामिल करना है। स्पेशल समरी रीविजन की घोषणा की गई है, जो अगले महीने से शुरू होगा। किसी भी चुनाव के लिए वोटर लिस्ट का तैयार करना सबसे महत्वपूर्ण काम है।

पुराण दिग्दर्शन .... परिचयाध्याय

प्रमाण-संग्रहाध्यायः (दूसरा अध्याय)

गतांक से आगे...

ब्राहाहपुरान दस सहस जुट्टि। जिहि पढ़त सुनत तन तप्प छुट्टि। पंश्वास पंचह हजार गन्नि। पद्म पुरान तिन करयो ब्रन्नि। तेवीस सहस सैं चार जानि। विष्णु पुराण विष्णु समानि। चौवीससड्स कहि शिवपुरान। तिहिं पढ़त सुनत समअमियपान। अठार सहस भागवतमेव। करि पार परिष्यत सुक्कदेव। नारद पुरान हि पाव लाख। तहां मुक्ति मोद आनन्द भाष। मारकंड पुरान तेईस हजार।

पौरान पवित्र सो दुख जार। पंद्रह हजार संख्या संपूर। अग्नि पुरान पढि पाप दूर। चवदह हजार से पांच पढि। भविषत पुरान सो पाप जड्डि। ब्रह्मवैवर्त सहसं अठार। केवल गिनान कथि भक्ति सार। रुद्रह हजार लिङ्ग पुरान। आनन्द अर्थ आगम गुरान। चौबीस सहस वाराह भक्ति । पौरष पुरान तिन अमित शक्ति। हजार इक्यासी कहि विवेक। स्कन्द पुरान भव भक्ति एक। इग्यार सहस बावन सु अछ। पौरान सुनत सुधि अग्ग पछ। सत्रह हजार कूरम पुरान। भाषा विनोद प्राक्रम गुरान। विद्या हजार मित मछ देव। विधि संष उद्धरे सेव भेव।

गुण ईस सहस गरुडह पुरान। श्रोता न वक्त भक्ति डरान। ब्रह्मांड पुरान बारह सहस। करि व्यास भक्ति प्रभु कंस नंस। पंद्रह हजार अरु चारि लाख। सम ब्रह्म व्यास कहि चन्द्र भाष। इस प्रकार पुराणों के सम्बन्ध में विक्रम की 18वीं शताब्दी में होने वाले हिन्दी कवियों से आरम्भ करके, हिन्दीयुग के आदिम आचार्य चन्द्र बरदाई के समय- विक्रम की 11वीं शताब्दी तक के प्रतिष्ठित ग्रन्थकारों की विचार परम्परा दिखाकर हम संस्कृत साहित्य में प्रवेश करते हैं। संस्कृत उद्धरणों के शीर्षक स्थान में निर्माताओं के नाम न रख कर ग्रन्थों के नाम रखना ही अधिक उपयुक्त समझा है क्योंकि देववाणी के विशेषज्ञों में ऐसी ही परिपाटी चली आती है।

क्रमशः ...

रवि योग में आज होगी विश्वकर्मा पूजा

डॉ. अनीष व्यास

विश्वकर्मा पूजा 17 सितंबर को पूरे विधि-विधान के साथ मनाई जाएगी। इस दिन सृष्टि का निर्माण कार्य करने वाले भगवान विश्वकर्मा की जयंती मनाई जाती है और उनकी पूजा की जाती है। सभी मजदूर और मशीन पर काम करने वाले कुशल कामगार अपनी मशीनों की पूजा करते हैं और साथ ही भगवान विश्वकर्मा की पूजा करते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि ब्रह्मांड के पहले इंजीनियर कहे जाने वाले भगवान विश्वकर्मा की विश्वकर्मा पूजा 17 सितंबर को मनाई जाएगी। इस बार की विश्वकर्मा पूजा रवि योग में है। 17 सितंबर को विश्वकर्मा पूजा के दिन रवि योग सुबह 6:07 मिनट से प्रारंभ है, जो दोपहर 1:53 मिनट तक है। इस दिन हर कारखाने, फैक्ट्री और दुकानों में उनकी धूमधाम से पूजा की जाती है। इस दिन औजार से जुड़ा काम करने वाले कुशल मजदूर और कामगार औजार का प्रयोग नहीं करते बल्कि उनकी पूजा करके उन्हें एक दिन के आराम देते हैं। इस दिन फैक्ट्रियों में सभी मशीनों और कलपुर्जों की पूजा की जाती है। तकनीकी क्षेत्र से जुड़े लोग विश्वकर्माजी को अपना भगवान मानते हैं और उनकी पूजा करते हैं।

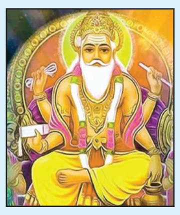

ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि शास्त्रों में भगवान विश्वकर्मा को वास्तुकार और शिल्पकार बताया गया है। साथ ही भगवान विश्वकर्मा ने ही इंद्रपुरी, द्वारिका, हस्तिनापुर, स्वर्गलोक, लंका और जगन्नाथपुरी का निर्माण किया था। शास्त्रों के अनुसार उन्होंने ही भगवान शिव का त्रिशूल और विष्णु भगवान का सुदर्शन चक्र तैयार किया था। इस वजह से ही विश्वकर्मा जयंती पर शस्त्रों की पूजा अर्चना की जाती है। ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि विश्वकर्मा पूजा को लेकर लोगों के बीच में इस बार कन्फ्यूजन की स्थिति बनी हुई है। हर साल भाद्रपद मास में सूर्य जब सिंह राशि से निकलकर कन्या राशि में प्रवेश करते हैं तो विश्वकर्मा पूजा मनाई जाती है। लेकिन इस बार लोगों के मन में 16 सितंबर को लेकर कन्फ्यूजन बना हुआ है। इस बार सूर्य 16 सितंबर की शाम को 7:29 मिनट पर कन्या राशि में प्रवेश कर रहे हैं। इसलिए विश्वकर्मा जयंती अगले दिन यानी कि 17 सितंबर को मनाई जाएगी। बिहार, बंगाल और झारखंड के साथ ही उत्तर प्रदेश में विश्वकर्मा पूजा विधिविधान से की जाती है।

इस दिन कुशल कामगार जैसे कारपेंटर, बिजली के उपकरणों को सही करने वाले या फिर अन्य तकनीकी क्षेत्र से जुड़े लोग भी भगवान विश्वकर्मा को भोग प्रसाद चढ़ाते हैं और उनकी पूजा करते हैं। भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस बार की विश्वकर्मा पूजा रवि योग में है। 17 सितंबर को विश्वकर्मा पूजा के दिन रवि योग सुबह 6:07 मिनट से प्रारंभ है, जो दोपहर 1:53 मिनट तक है। कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि विश्वकर्मा पूजा के दिन भद्रा का साया है। उस दिन भद्रा दिन में 11:44 मिनट से लग रही है। यह रात 9:55 मिनट तक रहेगी। इस भद्रा का वास पृथ्वी लोक पर है। धरती की भद्रा अशुभ प्रभाव वाली मानी जाती है, जिसमें कोई भी शुभ कार्य नहीं करते हैं। ऐसे में आपको विश्वकर्मा पूजा भद्रा से पहले कर लेनी चाहिए।

ट्रंप-हैरिस बहस में छींटाकशी हावी रही

जे सुशील

ऐसा बहुत कम होता है कि राष्ट्रपति पद के लिए हो रही बहस में अमेरिकी नागरिक कुत्ते-बिल्ली और पालतू जानवरों को मार कर खाने की बात करें, लेकिन अब दुनिया ऐसी ही हो चुकी है। एक झूठी खबर, जिसका कई बार खंडन किया जा चुका है, डोनाल्ड ट्रंप के लिए अहम हो जाती है और वे कहते हैं कि दूसरे देशों से आये लोग अमेरिकी नागरिकों के पाले हुए कुत्ते-बिल्लियों को मार कर खा रहे हैं। अमेरिका में डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवारों- कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप की पहली बहस संभवतः आखिरी बहस थी, क्योंकि ट्रंप अब हैरिस के साथ कोई बहस नहीं चाहते हैं।

हैरिस की टीम ने कहा है कि वे बहस के लिए तैयार हैं। चूंकि अब चुनाव में डेढ़ महीने का समय रह गया है, तो संभावना है कि कोई और बहस न हो। इस बहस से पहले दोनों उम्मीदवारों का वोट शेयर 48 प्रतिशत था, पर बहस के तुरंत बाद हुए सर्वे में हैरिस तीन अंकों से आगे बतायी जा रही हैं। हालांकि यह अंतर बहुत अधिक नहीं है, पर यहां यह ध्यान देने वाली बात है कि बहस के बाद जिस तरह की फैक्ट चेकिंग हुई है, उससे ट्रंप के प्रति भरोसा थोड़ा कम हुआ है। इस बहस में सबसे भयावह यह देखना था कि किस तरह ट्रंप ने प्रवासन का मुद्दा उठाया।

कुत्ता-बिल्ली खाने की झूठी घटना का संदर्भ भी प्रवासन से है। ट्रंप ने दावा किया कि अवैध रूप से अमेरिका आ रहे लोग इतने बर्बर हैं कि कुत्ते-बिल्लियों को मार कर खा रहे हैं। ऐसी झूठी खबरों से उन लोगों के लिए स्थिति खराब होती है, जो दूसरे देशों के नागरिक हैं और अमेरिका में रह रहे हैं। अवैध रूप से अमेरिका आकर रहने की समस्या गंभीर है, लेकिन इस पर कैसे रोक लगे या इसे कैसे नियंत्रित किया जाए, फिलहाल दोनों नेताओं के पास इसकी कोई ठोस योजना नहीं है। उपराष्ट्रपति रहते हुए कमला हैरिस को यह जिम्मेदारी दी गयी थी कि वे आप्रवासन पर कोई ठोस योजना बनाएं, पर वे ऐसा न कर सकीं।

नतीजा यह है कि दक्षिण अमेरिका के रास्ते बड़ी संख्या में अवैध रूप से लोग अमेरिका आ रहे हैं। अमेरिका को खेतों, दुकानों और फैक्ट्रियों के लिए सस्ते मजदूरों की जरूरत है। ये लोग उन्हीं क्षेत्रों में काम कर रहे हैं, जिनमें कम पैसा दिया जा रहा है। अवैध आप्रवासन बंद किया जायेगा, तो कारोबार को नुकसान पहुंचेगा तथा अगर इसे वैध कर दिया जाए, तो इन लोगों को नियम के तहत पैसे देने होंगे। उससे मुनाफा घट जायेगा। यह एक दोधारी तलवार है, जिसमें उन लोगों को नुकसान हो रहा है, जो वैध तरीकों से अमेरिका में रह रहे हैं। उनकी छवि भी खराब हो रही है, क्योंकि बड़ी संख्या में लोग अवैध तरीकों से भी रह रहे हैं। आने वाले समय में चाहे जो जीते, उसके समक्ष प्रवासन को लेकर नयी नीतियां बनाना एक बड़ी चुनौती होगी।

गाजा में जारी युद्ध को लेकर दोनों नेताओं की नीतियां लगभग समान रहीं और बहस में भले ही बड़ी-बड़ी बातें कही गयी हों, इस्राइल-फिलिस्तीन पर अमेरिकी नीति में शायद ही कोई बदलाव आयेगा। चाहे ट्रंप हों या हैरिस, अमेरिकी नीति फिलिस्तीन विरोधी और इस्राइल समर्थक रहेगी, इसमें कोई शक नहीं होना चाहिए। यही कारण है कि इस बहस को नीतिगत मामलों में एक स्वस्थ बहस के बजाय ऐसी बहस के रूप में याद किया जा रहा है, जिसमें दोनों उम्मीदवारों ने एक-दूसरे को शर्मिंदा करने की कोशिश की और एक-दूसरे पर छींटाकशी की। हैरिस ने एक समय में यहां तक कहा कि ट्रंप की लड़ाई बाइडेन से नहीं है, बल्कि कमला हैरिस से है। यह कहते हुए वे भूल गयीं कि वे बाइडेन प्रशासन में उपराष्ट्रपति हैं और बाइडेन की आलोचना उनकी आलोचना भी है।

हैरिस ने ट्रंप की रैलियों पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी रैलियों में लोग नहीं आते हैं, जबकि इसका नीतियों से कोई लेना देना नहीं था। गर्भपात की नीतियों पर कमला हैरिस ने अपनी बात मजबूती से रखी, जबकि ट्रंप इस मामले में बैकफुट पर रहे। फिलहाल दुनिया के सबसे अमीर लोगों में शुमार एक्स (ट्विटर) के मालिक एलन मस्क के समर्थन के बावजूद ट्रंप पिछड़ रहे हैं। बहस के बाद मस्क थोड़े निराश दिखे, लेकिन वे ट्रंप का खुल कर समर्थन कर रहे हैं, जो एक तरह से अमेरिकी पूंजीपतियों का समर्थन भी है, लेकिन क्या सिर्फ मस्क के समर्थन के कारण अमेरिका की पूरी बिजनेस लॉबी ट्रंप के समर्थन में आयेगी? यह एक बेहद कठिन सवाल है।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनावों को समझने के लिए एक तरीका यह देखना भी है कि किस उम्मीदवार के पक्ष में ज्यादा फंडिंग आती है। इस मामले में हैरिस आगे निकल चुकी हैं। फंडिंग का मसला सिर्फ पैसों का नहीं होता, बल्कि व्यवस्था से भी जुड़ा होता है। अमेरिका में कंपनियों द्वारा लॉबिंग मान्य है और राजनीतिक चंदा इसी के तहत दिया जाता है। कहने का अर्थ यह है कि अगर कोई चंदा देता है, तो यह मान कर कि समर्थित उम्मीदवार जीतेगा, तो उसे किसी काम या नीति में फायदा मिलेगा। यह व्यवस्था लंबे समय से चली आ रही है और कारोबार की एक व्यवस्था बन चुकी है। ट्रंप इसे उलट कर नयी व्यवस्था लाना चाहते हैं। अपने चार साल के पिछले शासन में उन्होंने ऐसा किया भी। बाइडेन जब मैदान में आये थे, तो उनके कैंपेन की पृष्ठभूमि थी- हीलिंग। यह हीलिंग अमेरिकी मानस की कम और अमेरिकी बिजनेस हितों की अधिक थी। जाहिर है कि बिजनेस समुदाय उनके पक्ष में आया। कारोबारी वर्ग चाहेगा कि यह व्यवस्था बनी रहे, न कि कोई ऐसा राष्ट्रपति आये, जो फिर से चीजों को पुनर्भाषित करे।

यह बहस 6 170 करोड़ लोगों ने देखी, जिनमें 40 प्रतिशत लोग 40 से 55 साल की उम्र के थे यानी वह वर्ग, जो नौकरी या पेशे में व्यवस्थित है और चुनाव में गहरी रुचि रखता है। यह वर्ग चाहता है कि चीजें वैसे ही चलती रहें, जैसे चलती रही हैं। जब ओबामा जीते थे, तब बहस देखने वालों में अधिक युवा थे। इस हिसाब से भी हैरिस के लिए सकारात्मक संकेत हैं। इस चुनाव से किसी बड़े बदलाव की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए, क्योंकि लोग मान चुके हैं कि उनके सामने दो खराब उम्मीदवार हैं, जिनमें से उन्हें एक को चुनना है। वे ट्रंप को एक बार देख चुके हैं और किसी महिला को चुन कर कम-से-कम वे अपना यह पाप धो लेना चाहेंगे कि आज तक अमेरिका में कोई महिला राष्ट्रपति नहीं बनी है। बहरहाल, राजनीतिक पर्यवेक्षकों की नजर उन आधा दर्जन राज्यों पर टिकी हुई है, जहां कभी रिपब्लिकन और कभी डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जीते थे। इन राज्यों के नतीजे ही यह तय करेंगे कि अगला अमेरिकी राष्ट्रपति कौन होगा।

आज का इतिहास

1934 तत्कालीन सोवियन संघ लीग ऑफ नेशनंस में शामिल हुआ।
1939 सोवियत संघ ने पूर्वी पोलैंड पर महीने के पहले जर्मनी के पश्चिमी पोलैंड के आक्रमण के प्रतिशोध में हमला किया।
1939 द्वितीय विश्व युद्ध-सोवियत संघ ने नाजी जर्मनी के पश्चिम से उस देश पर हमले के सोलह दिन बाद पूर्व से पोलैंड पर आक्रमण किया।
1939 द्वितीय विश्व युद्ध-रॉयल नेवी ने युद्ध में अपना पहला युद्धपोत खो दिया जब जर्मन पनडुब्बी -29 ने टारपीडो किया और ॥स्र्र साहसी को डूबो दिया।
1941 न्यूजीलैंड की लेबर पार्टी ने मृत्युदंड समाप्त कर दिया।
1947 अमेरिका में रक्षा विभाग की स्थापना हुई।
1948 स्वीडिश राजनयिक फोल्के बर्नडोट्टे की हत्या थीइलिटेंट ज़ायोनी समूह लेही द्वारा की गई थी।
1956 ऑस्ट्रेलिया में पहली बार टेलीविजन पर प्रसारण हुआ।
1957 मलेशिया संयुक्त राष्ट्र में शामिल हुआ।
1966 एफबीआई एजेंटों ने आज ग्रेनेडा, मिसिसिपी में 13 श्वेत पुरुषों को गिरफ्तार किया। यह इस सप्ताह के शुरू में बच्चों पर लाठी, मुट्ठी और एक क्लब का उपयोग करके युवा नीग्रो स्कूल के बच्चों पर बर्बर हमलों के आरोपों पर किया गया था।
1974 बंगलादेश, ग्रेनेडा और गिनी बिसाऊ संयुक्त राष्ट्र संघ में शामिल हुए।
1976 नासा ने सार्वजनिक रूप से अपने पहले स्पेस शटल का खुलासा किया, जिसे एंटरप्राइज कहा जाता है।
1976 नासा के लिए बनाया गया पहला स्पेस शटल, कैलिफोर्निया के पामडेल में विनिर्माण सुविधाओं का रोलआउट किया गया था।
1978 मिस्र के राष्ट्रपति अनवर सादात और इजरायल के प्रधान मंत्री मेनेकेम शुरू ने कैंप डेविड के बारह दिनों की गुप्त वार्ता के बाद कैंप डेविडअकॉर्ड्स पर हस्ताक्षर किए।
1980 पोलिश ट्रेड यूनियन सॉलिडेरिटी की स्थापना सोवियत-ब्लाक देश में पहले निर्भर मजदूर यूनियन के रूप में हुई थी।
1984 ब्रायन मुलरनी को कनाडा के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ दिलाई गई।
1988 1988 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक, सियोल, दक्षिण कोरिया में आयोजित किया गया।
1995 इस साल अमेरिकी गेहूं की कीमतों में 25% की वृद्धि हुई है। कारणों में चीन द्वारा अब बढ़ी हुई मात्रा और खराब मौसम की स्थिति शामिल है जो फसलों पर अप्रिय प्रभाव डालती है।

अमित शाह के आश्वासन को भाजपा ने क्यों किया दरकिनार?

नीरज कुमार दुबे

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में जीत हासिल कर और अपने दम पर सरकार बनाने के इरादे से चुनावी मैदान में उतरी भाजपा इस केंद्र शासित प्रदेश में बिल्कुल नई रणनीति के साथ आगे बढ़ रही है। भाजपा जम्मू-कश्मीर की 90 सदस्यीय विधानसभा में स्पष्ट बहुमत तो चाह रही है मगर उसने 28 सीटों पर अपने उम्मीदवार ही नहीं उतारे हैं इसलिए सवाल उठ रहा है कि जब सभी सीटों पर वह लड़ ही नहीं रही है तो सरकार कैसे बना लेगी? हम आपको बता दें कि भाजपा घाटी की सिर्फ 19 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। देखा जाये तो कश्मीर घाटी में 28 सीटों पर चुनाव नहीं लड़ने का भाजपा का फैसला हैरानी भरा है क्योंकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घोषणा की थी कि पार्टी जम्मू-कश्मीर की सभी 90 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। गत सप्ताह भाजपा का संकल्प पत्र जारी करने केंद्र शासित प्रदेश के दौरे पर आये अमित शाह ने दावा किया था कि भाजपा ही केंद्र शासित प्रदेश में सरकार बनाएगी। इसलिए सवाल उठता है कि भाजपा सरकार बनाने लायक नंबर कहां से लायेगी?

हम आपको बता दें कि कश्मीर घाटी में भाजपा ने पिछले कुछ वर्षों में कड़ी मेहनत कर अपना पार्टी संगठन खड़ा किया था और विभिन्न क्षेत्रों में उसके पास समर्थकों की अच्छी खासी तादाद भी है लेकिन इसके बावजूद पार्टी ने 28 सीटों पर अपने उम्मीदवार नहीं उतारे जिससे पार्टी के तमाम कार्यकर्ता नाराज बताये जा रहे हैं। हालांकि भाजपा इस नाराजगी को ज्यादा तवज्जो नहीं दे रही और उसका कहना है कि कश्मीरी जनता हमें उन 19 सीटों पर भारी बहुमत देगी जहां हमने अपने उम्मीदवार उतारे हैं। मगर कश्मीर घाटी में भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि पार्टी चुनाव में उम्मीदवार ही नहीं उतार रही है तो फिर उन्हें लगता है कि इस पार्टी में उनका कोई भविष्य नहीं है। श्रीनगर में एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि हमने वर्षों से विपरीत माहौल में पार्टी को खड़ा करने के लिए कड़ी मेहनत की लेकिन जब हमें पुरस्कृत करने का समय आया, तो पार्टी ने हम पर भरोसा नहीं किया। उन्होंने या तो सीटें छोड़ दीं या ऐसे उम्मीदवारों को मैदान में उतारा जो पार्टी में नए हैं।

कश्मीर घाटी के भाजपा नेता और कार्यकर्ता अमित शाह के वादे पर भी सवाल उठा रहे हैं। हम आपको याद दिला दें कि इसी साल मई में घाटी की अपनी यात्रा के दौरान, भाजपा नेताओं के साथ बातचीत करते हुए अमित शाह ने लोकसभा चुनाव के दौरान कश्मीर घाटी की सभी तीन सीटों को छोड़ने के फैसले पर खेद व्यक्त किया था। हम आपको याद दिला दें कि लोकसभा चुनावों में जम्मू में आने वाली दो सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की थी और उसने कश्मीर की तीन सीटों पर अपने उम्मीदवार नहीं उतारे थे। अमित शाह ने उस समय पार्टी कार्यकर्ताओं से जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए तैयार रहने का आग्रह करते हुए कहा था कि भाजपा इस बार सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

इसलिए सवाल उठ रहा है नेताओं और कार्यकर्ताओं को दिये गये आश्वासन के बावजूद भाजपा ने अपना मन क्यों बदला? हम आपको बता दें कि कश्मीर में पार्टी के 19 उम्मीदवारों में दक्षिण कश्मीर की 16 विधानसभा सीटों में से आठ, मध्य कश्मीर की 15 में से छह और उत्तरी कश्मीर की 16 विधानसभा सीटों में से पांच शामिल हैं। भाजपा सूत्रों का कहना है कि वह घाटी में किसी चमत्कार की उम्मीद नहीं कर रहे हैं और केवल 19 उम्मीदवारों को मैदान में उतारने का निर्णय एक सोचा समझा फैसला है ताकि कुछ स्वतंत्र उम्मीदवारों को जीत हासिल करने में मदद मिल सके। भाजपा सूत्रों का कहना है कि लोकसभा चुनावों में भी कश्मीर घाटी की तीनों लोकसभा सीटें इसलिए छोड़ी गयीं थीं कि अन्य ताकतवर उम्मीदवार उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती को हरा सकें और पार्टी की वह रणनीति कामयाब रही थी। भाजपा सूत्रों का कहना है कि कश्मीर घाटी में इस बार कई स्वतंत्र उम्मीदवार जीतने की हैसियत रखते हैं इसलिए उनकी राह में बाधा बनना सही नहीं है। भाजपा सूत्रों का कहना है कि यह स्वतंत्र उम्मीदवार जीत हासिल करते हैं तो सरकार बनने की स्थिति में पार्टी की मदद कर सकते हैं। भाजपा सूत्रों का कहना है कि 28 सीटों पर चुनाव नहीं लड़ने का फैसला इसलिए भी लिया गया है ताकि वंशवादी राजनीति करने वाले नेताओं को हराने में अन्य प्रबल उम्मीदवारों की मदद की जा सके।

भाजपा सूत्रों का कहना है कि पार्टी नेतृत्व जानता है कि श्रीनगर की एक सीट पर ही उसकी जीत की पूरी संभावना है। इसलिए छोड़ी गयी सीटों पर सीधे पार्टी के उम्मीदवार नहीं उतार कर डमी उम्मीदवार उतारे गये हैं जो समय आने पर भाजपा के लिए मददगार साबित होंगे। हालांकि भाजपा की इस रणनीति को कश्मीरी नेता बखूभी समझ रहे हैं। हम आपको बता दें कि नेशनल कांफ्रेंस का अब्दुल्ला परिवार और पीडीपी की महबूबा मुफ्ती खुलेआम कह रहे हैं कि भाजपा ने निर्दलीयों और नये दलों की फौज उतार दी है ताकि कश्मीर में दशकों से राजनीति कर रहे दलों के समीकरण बिगड़ जायें। यही नहीं, दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग से भाजपा उम्मीदवार रफीक वानी ने भी खुले तौर पर दावा कर दिया है कि नए क्षेत्रीय दल और निर्दलीय हमारे ही हैं। उन्होंने हाल ही में कहा था कि इंजीनियर राशिद हमारे हैं, सज्जाद लोन भी हमारे हैं, अल्ताफ बुखारी भी हमारे हैं और गुलाम नबी आज़ाद भी हमारे ही हैं, निर्दलीय उम्मीदवार भी हमारे ही हैं।

हम आपको बता दें कि भाजपा का प्रयास है कि उसे जम्मू में 35 और कश्मीर से सभी 19 सीटें मिल जाएं ताकि 90 सदस्यीय विधानसभा में वह स्पष्ट बहुमत हासिल कर सके। भाजपा को यह भी लगता है कि कश्मीर में पांच पार्टियां समय आने पर उसका समर्थन कर सकती हैं। घाटी में चर्चाएं तो यहां तक हैं कि अभी कांग्रेस के साथ मिल कर चुनाव लड़ रही नेशनल कांफ्रेंस भी जरूरत पड़ने पर सरकार गठन के लिए भाजपा के साथ जा सकती है। हम आपको याद दिला दें कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के समय में नेशनल कांफ्रेंस एनडीए का हिस्सा रह चुकी है। उस समय उमर अब्दुल्ला वाजपेयी सरकार में विदेश राज्य मंत्री थे।

बहरहाल, घाटी की 28 सीटों पर अपने उम्मीदवार नहीं उतारने के फैसले के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा के प्रचार की शुरुआत कश्मीर घाटी से ही करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव लड़ रहे भाजपा उम्मीदवारों के प्रचार के लिए 19 सितंबर को श्रीनगर में शेर-ए-कश्मीर पार्क में एक चुनावी रैली को संबोधित करेंगे। बताया जा रहा है कि इस रैली में करीब 30,000 पार्टी कार्यकर्ताओं के शामिल होने की संभावना है। देखना होगा कि जम्मू-कश्मीर की राजनीति का ऊँट किस करवट बैठता है?

लादेन को मारने वाली 'अमरीकी नेवी सील' चीन को टक्कर देगी

गुप्त अमरीकी नौसेना कमांडो इकाई सील टीम 6,जिसने 2011 में ओसामा बिन लादेन को मार गिराया था, चीन द्वारा ताईवान पर आक्रमण किए जाने की स्थिति में उसकी मदद करने के लिए मिशनों के लिए प्रशिक्षण ले रही है, यह जानकारी तैयारियों से परिचित लोगों ने दी है। नौसेना के विशेष बलों की यह विशिष्ट टीम, जिसे सेना के कुछ सबसे संवेदनशील और कठिन मिशनों का काम सौंपा गया है, वाशिंगटन से लगभग 250 कि.मी. दक्षिण-पूर्व में वर्जीनिया बीच पर स्थित अपने मुख्यालय डैम नेक में एक वर्ष से अधिक समय से ताईवान संघर्ष की योजना बना रही है और प्रशिक्षण ले रही है। यह गुप्त प्रशिक्षण चीन को ताईवान पर हमला करने से रोकने पर अमरीका के बढ़ते फोकस को रेखांकित करता है, साथ ही ऐसी घटना के लिए तैयारियों को भी आगे बढ़ाता है। उस समय यू.एस. इंडो-पैसिफिक कमांडर फिल डेविडसन द्वारा 2021 में चेतावनी दिए जाने के बाद से तैयारियां और भी बढ़ गई हैं कि चीन 6 साल के भीतर ताईवान पर हमला कर सकता है। जबकि अमरीकी अधिकारी इस बात पर जोर देते हैं कि चीन के साथ संघर्ष 'न तो आसान है और न ही अपरिहार्य'। अमरीकी सेना ने आकस्मिक तैयारियों को तेज कर दिया है क्योंकि पीपुल्स लिबरेशन आर्मी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के आदेश को पूरा करने के लिए तेजी से आधुनिकीकरण कर रही है क्योंकि उसके पास 2027 तक ताईवान पर बलपूर्वक कब्जा करने की क्षमता है। अमरीकी सेना में सबसे कुलीन सेना के प्रसिद्ध डेल्टा फोर्स के साथ सील टीम 6 एक 'टियर वन' बल है। यह संयुक्त विशेष संचालन कमान को रिपोर्ट करता है, जो विशेष संचालन कमान का हिस्सा है। इस इकाई ने 2009 में सोमाली समुद्री डाकुओं द्वारा बंधक बनाए गए मेर्सक अलबामा कंटेनर जहाज के कप्तान रिचर्ड फिलिप्स को बचाया था, जिसने सैन्य इतिहास में अपनी जगह पक्की करने में मदद की है। पेंटागन ने हाल के वर्षों में ताईवान में नियमित रूप से विशेष बल भेजे हैं, जिसमें ताईवान की सेना को प्रशिक्षण प्रदान करना शामिल है। सील टीम 6 की गतिविधियां बहुत अधिक संवेदनशील हैं क्योंकि इसके गुप्त मिशन अत्यधिक गोपनीय हैं। टीम की योजना से परिचित लोगों ने मिशनों के बारे में विवरण नहीं दिया। स्पैशल ऑपरेशंस कमांड, जो सील टीम 6 के बारे में शायद ही कभी चर्चा करती है, ने ताईवान की अपनी योजना के बारे में पेंटागन को प्रश्न भेजे, जिसने विशिष्ट विवरणों पर टिप्पणी नहीं की। एक प्रवक्ता ने कहा कि रक्षा विभाग और उसके बल 'विभिन्न प्रकार की आकस्मिकताओं के लिए तैयारी और प्रशिक्षण करते हैं'। जैसे-जैसे आतंकी समूहों से खतरा कम होता गया, विशेष अभियान बल बाकी अमरीकी सेना और खुफिया समुदाय के साथ मिलकर चीन पर अपना ध्यान केंद्रित करने लगे। सी.आई.ए. निदेशक बिल बर्न्स ने पिछले सप्ताह बताया कि उनके बजट का 20 प्रतिशत चीन को समर्पित है, जो पिछले 3 वर्षों में 200 प्रतिशत की वृद्धि है। ज्वाइंट स्पैशल ऑपरेशंस कमांड पर एक किताब रिलेंटलेस स्ट्राइक के लेखक सीन नायलर ने कहा, ''यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि सील टीम 6 संभावित ताईवान से संबंधित मिशनों की योजना बना रही है।'' वे एक ऑनलाइन राष्ट्रीय सुरक्षा प्रकाशन, द हाई साइड चलाते हैं। नायलर ने आगे कहा, ''पिछले कुछ वर्षों में पेंटागन के महाशक्ति प्रतिस्पर्धा पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पुनर्निर्देशन के साथ, यह अपरिहार्य था कि देश की सबसे कुलीन आतंकवाद विरोधी इकाइयां भी उस क्षेत्र में भूमिकाएं तलाशेंगी, क्योंकि यह मार्ग प्रासंगिकता, मिशन और धन की ओर ले जाता है। चीन के खतरे के बढने के साथ ताईवान के सैन्य अभ्यास गंभीर हो गए हैं। 2023 में हान कुआंग सैन्य अभ्यास के हिस्से के रूप में एक टैंक और बंदूकों के साथ ताईवान के सैनिक ताइपे के बंदरगाह से भागे थे।

बढ़ती उम्र और 'आयुष्मान' का सहारा, सरकार को साधुवाद

पत्रलेखा चटर्जी

जैसे-जैसे बुजुर्ग लोगों की उम्र बढ़ती जाती है, खासकर वैसे बुजुर्गों की, जिनके पास न कोई पैतृक संपत्ति होती है, न पेंशन और न घर के किराये से होने वाली आमदनी, भविष्य में चिकित्सा खर्च की बढ़ती लागत उनकी सबसे बड़ी चिंताओं में से एक होती है। मेरे जैसे मध्यमवर्गीय परिवार के एक व्यक्ति को, जिसके पास थोड़ी बचत होती है और सिर पर एक छत होती है, थोड़ी सुविधा रहती है। लेकिन जहां तक स्वास्थ्य देखभाल की बात है, तो सभी जानते हैं कि बीमा कंपनियां भी इलाज के सारे खर्चों को वहन नहीं करती हैं।

ऐसे में, यह अच्छी बात है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 70 वर्ष या उससे ज्यादा उम्र के बुजुर्गों के लिए आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबीपीएम-जेएवाई) के तहत स्वास्थ्य देखभाल बीमा को मंजूरी दी है, चाहे वे किसी भी आय वर्ग के हों। ऐसे कई परिवार हैं, जो पहले से ही आयुष्मान योजना में शामिल हैं और उनमें वरिष्ठ नागरिक भी हैं। अब वैसे परिवारों को पांच लाख रुपये का अतिरिक्त बीमा कवरेज मिलेगा। हालांकि इसका अंतिम प्रारूप अभी आना बाकी है, तभी पता चलेगा कि इसे विभिन्न राज्यों द्वारा जमीनी स्तर पर कैसे लागू किया जाता है। लेकिन यह भी देखना होगा कि स्वास्थ्य देखभाल पर जेब से किए जाने वाले खर्च के मामले में हम कहां खड़े हैं। आर्थिक सर्वेक्षण, 2023-24 में बताया गया है कि स्वास्थ्य देखभाल पर भारत में जेब से किया जाने वाला खर्च अब भी कुल स्वास्थ्य व्यय का लगभग 50 प्रतिशत है। हालांकि पिछले दस वर्षों में स्थिति में सुधार हुआ है। वर्ष 2019-20 में स्वास्थ्य देखभाल पर जेब से खर्च 47 प्रतिशत से अधिक था, जो निश्चित रूप से 2013-14 के 64 प्रतिशत के उच्च स्तर से कम है, लेकिन यह अब भी तीन साल पहले आर्थिक सर्वेक्षण में सुझाए गए 35 फीसदी की सीमा से बहुत ज्यादा है।

ध्यान रहे कि ज्यादातर भारतीय असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं, जिसका मतलब है कि उनके पास कोई निश्चित वेतन वाली कमाई नहीं है, जिसमें अन्य लाभ भी होते हैं और सेवानिवृत्ति के बाद उनके लिए सामाजिक सुरक्षा का भी कोई प्रावधान नहीं होता है। भारत की पारंपरिक

सामाजिक सुरक्षा प्रणाली-संयुक्त परिवार तेजी से बिखर रहे हैं। बच्चे अक्सर दूसरे शहरों या देशों में रहते हैं। ऐसे में, उनसे यह उम्मीद करना कि वे स्वास्थ्य देखभाल का पूरा खर्च उठाएंगे, नासमझी होगी।

तो फिर उपाय क्या है? इस मामले में हम एशिया के कुछ अन्य देशों से सीख सकते हैं। जैसे, पड़ोसी देश थाईलैंड उच्च मध्यम आय वाला देश है। राजनीतिक अस्थिरता के बावजूद स्वास्थ्य देखभाल के मामले में इसका रिकॉर्ड बेहतर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक, थाईलैंड में वर्ष 2021 में स्वास्थ्य पर नौ फीसदी खर्च जेब से हुआ था, जबकि भारत में यह आंकड़ा 49.82 प्रतिशत था। यह देखते हुए कि वर्ष 2007 में भारत में स्वास्थ्य देखभाल पर जेब से किया जाने वाला खर्च कुल स्वास्थ्य व्यय का 70 प्रतिशत से अधिक था, हम कह सकते हैं कि भारत की स्थिति में पहले से सुधार हुआ है, लेकिन हमें अब भी एक लंबा रास्ता तय करना है।

थाईलैंड में बूढ़ी होती आबादी के साथ अन्य चुनौतियां भी हैं, लेकिन वहां सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल (यूएचसी) महज एक वादा नहीं, बल्कि हकीकत है। यूएचसी का लक्ष्य प्रत्येक व्यक्ति को बिना वित्तीय समस्या के गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करना है। वर्ष 2002 में ही वहां यूएचसी लागू किया गया और थाईलैंड स्वास्थ्य देखभाल पर अपनी जीडीपी का पांच फीसदी खर्च करता है, जिसका 70 फीसदी हिस्सा सरकार देती है। कई अन्य उच्च मध्य आय वाले देशों की तुलना में स्वास्थ्य पर कम खर्च करने के बावजूद थाईलैंड काफी कुछ करने में सफल रहा है। वर्ष 2000 से 2021 के बीच वहां जीवन प्रत्याशा 72.3 वर्ष से बढ़कर 78.7 वर्ष हो गई। नवजात मृत्युदर 1.67 फीसदी से घटकर मात्र 0.62 फीसदी रह गई है और स्वास्थ्य देखभाल पर जेब से खर्च 34.2 फीसदी से घटकर नौ फीसदी रह गया है।

थाईलैंड में तीन मुख्य सार्वजनिक स्वास्थ्य बीमा योजनाएं हैं, जो लगभग वहां की पूरी आबादी के लिए हैं। इनमें शामिल हैं, लोक सेवक स्वास्थ्य लाभ योजना (सीएसएमबीएस), जिसमें सरकारी कर्मचारी और उनके रिश्तेदार आते हैं और इसका प्रबंधन वित्त मंत्रालय करता है। सामाजिक सुरक्षा योजना (एसएसएस), जिसमें संगठित क्षेत्रों के निजी कर्मचारियों को कवर किया जाता है, जिसका खर्च कर्मचारी, नियोक्ता और सरकार, तीनों उठाते हैं और इसका प्रबंधन श्रम मंत्रालय करता है और यूनिवर्सल कवरेज योजना (यूसीएस) के तहत शेष बची ज्यादातर आबादी को कवर किया गया है, जिसका खर्च सामान्य कराधान से पूरा किया जाता है और राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा कार्यालय (एनएचएसओ) इसका प्रबंधन करता है। लोक स्वास्थ्य मंत्रालय इसकी देखभाल करता है, जबकि एनएचएसओ यूसीएस के लिए देखभाल क्रेता के रूप में कार्य करता है, तथा देखभाल प्रदान करने में क्रय शक्ति और दक्षता सुनिश्चित करता है।

यूसीएस को गोल्ड कार्ड भी कहा जाता है, जो थाईलैंड की तीनों योजनाओं में सबसे बड़ी है और सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करती है। यूसीएस ज्यादातर आबादी को कवर करती है और इसकी फंडिंग सीधे राष्ट्रीय बजट से होती है तथा एनएचएसओ द्वारा प्रति व्यक्ति आधार पर बजट आवंटित किया जाता है। यह कार्यक्रम वर्ष 2002 में शुरू हुआ था। अब वर्ष 2024 में थाईलैंड की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली महत्वपूर्ण बदलाव के दौर से गुजर रही है, जिसमें यूनिवर्सल कवरेज योजना के तहत 'सभी बीमारियों का इलाज किसी भी जगह' कराने जैसे प्रयास शामिल हैं। थाईलैंड की स्वास्थ्य देखभाल सहित कोई भी स्वास्थ्य व्यवस्था पूर्ण नहीं है और न ही किसी स्वास्थ्य व्यवस्था की हूबहू नकल किसी दूसरे देश में की जा सकती है, खासकर भारत जैसे विशाल और विविधता पूर्ण देश में, लेकिन हम अपने एशियाई पड़ोसियों से काफी कुछ सीख सकते हैं। विशेषकर उन देशों से, जिनका अपना स्वास्थ्य तंत्र काफी मजबूत है।

ट्रंप की बॉडी लैंग्वेज ने क्या राज खोले

ललित मोहन बंसल

अमेरिका में प्रेसिडेंशियल डिबेट हो और लोग उसे 'उत्सव' की तरह न देखें, ऐसा हो नहीं सकता। इस बार पहली डिबेट में ट्रंप से मात खाने के बाद राष्ट्रपति जो बाइडन के चुनाव से हटने और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के प्रत्याशी बनने से यह डिबेट और भी चर्चित हो गई थी।

इसके लिए 'एबीसी' नैशनल टीवी महीने भर से तैयारियां कर रहा था। मंगलवार, 10 सितंबर को संपन्न इस डिबेट को रेकॉर्ड सात करोड़ लोगों ने देखा। माना जा रहा था कि डॉनल्ड ट्रंप डिबेट की शुरुआत आक्रामक ढंग से करेंगे। वहीं, कैलिफोर्निया की पूर्व स्टेट अटॉर्नी जनरल कमला हैरिस इसके लिए पहले से तैयार थीं। कमला ने ट्रंप को एक अभियुक्त के रूप में कटघरे में खड़ा करने में कोई चूक नहीं की। ट्रंप के मुरीद और उनकी तरफदारी करने वाले फॉक्स न्यूज को भी कहना पड़ा कि पूर्व राष्ट्रपति कसौटी पर खरे नहीं उतरे।

असल में, कमला ने पहली बाजी उसी क्षण मार ली थी, जब दोनों प्रत्याशी एक साथ मंच पर एबीसी की टीम के सामने आए। कमला ने आगे बढ़कर ट्रंप से हाथ मिलाया और अच्छी डिबेट के लिए आह्वान किया। तब ट्रंप की बॉडी लैंग्वेज बता रही थी कि वह असहज हैं।

डिबेट के दौरान ट्रंप ने प्रशासन की हरेक जिम्मेदारी के लिए बाइडन के साथ कमला को जोड़ने की कोशिश की। इस पर कमला ने याद दिलाया कि वह राष्ट्रपति नहीं, उपराष्ट्रपति हैं। आठ वर्ष पूर्व अमेरिका में हिलेरी क्लिंटन, ट्रंप से चुनाव हार गई थीं। कमला ने भरोसा दिलाया कि वह समय बीत चुका है। उन्होंने ट्रंप को गर्भपात, इमिग्रेशन, अपराध और बंदूक हिंसा, इन्फ्लेशन, बेरोजगारी और नैटो में अमेरिका की भूमिका जैसे मुद्दों पर घेरा।

ट्रंप को ऐसी कई बातों पर अपने तर्क बेमतलब लगे होंगे। गर्भपात पर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्हें अपना बयान बदलना पड़ा। उन्हें कहना पड़ा कि राष्ट्रीय स्तर पर गर्भपात बंद कराए जाने की उनकी

कोई योजना नहीं है। ट्रंप इस्राइल-फलस्तीन और रूस-यूक्रेन युद्ध को चौबीस घंटे में खत्म करवाने के अपने दावे पर कोई फॉर्म्युला भी नहीं दे पाए। उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि रूस, चीन और यूक्रेन के राष्ट्रपति से उनके अच्छे संबंध हैं।

इसके विपरीत कमला ने अमेरिका के नैटो देशों से अच्छे संबंधों और इस्राइल-फलस्तीन युद्ध में तत्काल युद्धविराम और दो राष्ट्र के सिद्धांत पर जोर दिया। 'टाइम' पत्रिका की ताजा रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस कड़े मुकाबले में कमला ने आशा के विपरीत ट्रंप को पीछे छोड़कर बड़ी कामयाबी हासिल की।

राष्ट्रपति चुनाव के लिए वोटिंग 5 नवंबर को होगी। आशा है कि कमला-टिम वाल्ज की जोड़ी जीत के लिए कांटे की टक्कर वाले सात राज्यों में बढ़त के साथ 270 प्रतिनिधि मत बटोर पाने में सफल हो जाएगी। कमला ने देशवासियों को याद दिलाया कि आपराधिक मामलों में सुप्रीम कोर्ट से 'इम्यूनिटी' मिलने के बाद ट्रंप वाइट हाउस में फिर से लौटते हैं तो उन पर कोई अंकुश नहीं रह जाएगा। ट्रंप कई बार कह चुके हैं कि उनके विरुद्ध सभी आपराधिक मामले राजनीतिक दुश्मनी की वजह से लगाए गए हैं। वह डेमोक्रेट लीडर्स के साथ वैसा ही बर्ताव करने की धमकी भी दे चुके हैं।

उन्होंने कहा कि फिर से राष्ट्रपति चुने जाने पर वह कैपिटल हिल में फसाद करने वालों में जो निर्दोष होंगे, उन्हें रिहा कर देंगे। इस मामले में 1200 लोगों के विरुद्ध आपराधिक मामले चल रहे हैं, जबकि सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप को एक 'राष्ट्रपति के रूप' में राहत दी थी। कहा जा रहा है कि सत्ता में लौटने पर वह अपने विरुद्ध आपराधिक मामले वापस लेने का आदेश दे सकते हैं।

डिबेट में ट्रंप ने अपनी संरक्षणवादी आर्थिक नीतियों पर खुद की पीठ थपथपाई। बाइडन सरकार पर आर्थिक स्थिति बिगाड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने सरकार पर इमिग्रेंट्स के रूप में अपराधियों को शरण दिए जाने के भी आरोप लगाए। ट्रंप ने बेरोजगारी और इन्फ्लेशन को लेकर मध्य वर्ग की चिंताओं को सामने रखा। लेकिन कॉरपोरेट समुदाय और उच्च वर्ग की आय पर करों में कटौती का प्रस्ताव रुचिकर नहीं था।

27 जून को बाइडन और ट्रंप के बीच डिबेट में राष्ट्रपति के लड़खड़ाने और उसके बाद उम्मीदवारी वापस लेने के बाद कमला को नाटकीय ढंग से डेमोक्रेटिक पार्टी का प्रत्याशी बनाया गया। सात राज्यों में ट्रंप और कमला के बीच कड़ी टक्कर मानी जा रही है। इनमें तीन में कमला बढ़त बना चुकी हैं। इस डिबेट के तुरंत बाद अमेरिका की प्रख्यात गायिका टेलर स्विफ्ट ने कमला का समर्थन किया, उससे भी उनका पलड़ा भारी होने की उम्मीद है।

डिबेट के दौरान ट्रंप ने यह भी कहा कि देश में लाखों अवैध इमिग्रेंट्स घुस आए हैं। वहीं, कमला ने कहा कि ट्रंप तो खुद न्यूयॉर्क 'हश मनी' केस में दोषी हैं। उन्होंने कहा कि एक ऐसा व्यक्ति जो खुद राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक अपराधों, चुनाव में हस्तक्षेप और यौन आपराधिक मामलों में दोषी हो, उसके अपराधों के बारे में क्या कहेंगे? वहीं, ट्रंप ने कहा कि बाइडन-कमला के पिछले साढ़े तीन साल के कार्यकाल में अमेरिका ऐसी बुरी स्थिति में आ गया है कि वह तीसरे विश्व युद्ध को रोक पाने में असमर्थ है।

राष्ट्रपति चुनाव के साथ कांग्रेस (संसद) के निचले 435 सदस्यीय सदन और सीनेट की एक तिहाई (34) सीटों के लिए भी वोटिंग होगी। कुल मिलाकर, अमेरिका का राष्ट्रपति चुनाव बेहद दिलचस्प हो गया है।

महबूबा, अब्दुल्ला सभी का डर एक

अभिनय आकाश

न महबूबा न उमर न फारुक कश्मीर के चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार इस बार सुर्खियों में हैं। निर्दलीय उम्मीदवार 40 साल के बाद एक बार फिर बड़ी संख्या में ताकतवर पार्टियों को सीधी टक्कर देते दिख रहे हैं। ऐसे में नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी जैसी पार्टियां बीजेपी पर निर्दलीय उम्मीदवारों के कंधे पर चुनाव लड़ने का आरोप लगा रही है। इस बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के एक बयान ने सियासी पारा और बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन 20 सीट और जीत जाती तो 400 पार का नारा देने वाले जेल में होते। जिस पर वार पलटवार जारी है। लेकिन सवाल यही है कि क्या कश्मीर में निर्दलयी किंग मेकर की भूमिका में होने वाले हैं? कश्मीर में सियासी इंजीनियरिंग की कवायद क्यों तेज हो गई है? अबकी बार 400 पार का नारा देने वाली बीजेपी 240 सीटों पर सिमट गई। अपने सहयोगी दलों की मदद से सरकार बनाई। अब बीजेपी के 400 पार वाले नारे लेकर तंज कस रहे हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने जम्मू कश्मीर के अनंतनाद में बीजेपी पर हमला करते हुए कहा कि कहां गए 400 पार वाले। वो 240 सीट पर सिमट गए। अगर इंडिया गठबंधन की 20 सीट और आ जाती तो ये सारे लोग जेल में होते। ये जेल में रहने के लायक हैं। वहीं इंजीनियर राशिद की रिहाई को लेकर भी सियासत गर्माई है। महबूबा मुफ्ती ने इशारों इशारों में बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि जेल में बंद किसी गरीब व्यक्ति के माता पिता को उससे मिलने की इजाजत नहीं। लेकिन कुछ लोग जेल से चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी की टेंशन इसलिए भी बढ़ गई है क्योंकि राशिद इंजीनियर ने 35 से 40 सीटों पर लड़ने का ऐलान किया है। जम्मू कश्मीर में जिस तरह से राशिद इंजीनियर का कद बढ़ा है। इस्लामिक कट्टरपंथी और अलदाववादी विचारधारा ,से हमदर्दी रखने वाला एक तबका राशिद के पाले में जा सकता है। ऐसा होने पर घाटी के समीकरण पूरी तरह से बदल जाएंगे। बीजेपी को जम्मू की 43 सीटों पर अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है। वहीं अगर कश्मीर की 47 सीटों पर वोट अगर बंट जाते हैं तो उसके लिए और अच्छा होगा। लोकसभा चुनाव में इंजीनियर के हाथों शिकस्त खाने वाले उमर अब्दुल्ला यही प्रचारित करने में जुटे हैं कि राशिद बीजेपी से मिले हुए हैं। इंजीनियर राशीद 2 अक्टूबर तक के लिए अंतरिम जमानत पर बाहर आए हैं। बारामूला सीट से लोकसभा चुनाव लड़ते हुए पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को 2 लाख से ज्यादा मतों से हरा दिया। अब विधानसभा चुनाव में भी वो अपने कई कैंडिडेट उतार रहे हैं। अतंरिम जमानत पर बाहर आने को लेकर विपक्ष आरोप लगा रहा है कि इन पर इतनी मेहरबानी क्यों? इससे पहले अदालत ने रशीद को लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के लिए पांच जुलाई को हिरासत के तहत पैरोल दी थी। मीडिया से बात करते हुए राशिद ने कहा कि कश्मीर के लोगों से ज्यादा किसी और को शांति की जरूरत नहीं है, लेकिन यह शांति हमारी शर्तों पर आएगी न कि केंद्र सरकार की तय शर्तों पर। जम्मू-कश्मीर की 90-सदस्यीय विधानसभा के लिए 18 सितंबर से एक अक्टूबर के बीच तीन चरणों में चुनाव होंगे। नतीजे आठ अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे। रशीद की पार्टी अवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव लड़ रही है। विधानसभा चुनाव के समय अनुच्छेद 370 के तहत विशेष दर्जे से लैस जम्मू-कश्मीर अब राज्य के दर्जे से भी वंचित है। उस चुनाव में दो सबसे बड़ी और मिलकर सरकार बनाने वाली पार्टियां पीडीपी और बीजेपी एक-दूसरे की धुर विरोधी हो चुकी हैं। जम्मू-कश्मीर एक राज्य के रूप में शुरू से विशिष्ट रहा है। इसकी तुलना अन्य राज्यों में होने वाले चुनावों से नहीं की जा सकती। बड़ी बात यह है कि पार्टियां एक-दूसरे के बारे में चाहे जो भी कहें, ये सभी भारतीय संविधान के तहत लोकतांत्रिक ढंग से चुनाव में हिस्सेदारी कर रही हैं और जनादेश को भी स्वीकार करेंगी। सबकी नजरें ईवीएम से निकलने वाले इसी जनादेश पर है। उम्मीद है कि यहां से जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक विकास और शांति-समृद्धि का नया दौर शुरू होगा।

गणेश शिवजी और पार्वती के पुत्र हैं। उनका वाहन मूषक है। गणों के स्वामी होने के कारण उनका एक नाम गणपति भी है। ज्योतिष में इनको केतु का देवता माना जाता है,और जो भी संसार के साधन हैं,उनके स्वामी श्री गणेशजी हैं। हाथी जैसा सिर होने के कारण उन्हें गजानन भी कहते हैं। हिन्दू शास्त्रों के अनुसार किसी भी कार्य के पहले गणेशजी पूजनीय है। इसलिए इन्हें आदिपूज्य भी कहते है। आइए जानते हैं बड़े ही मनमोहक से दिखने वाले गणेश जी के भव्य और दिव्य स्वरूप के विषय में

श्री गणेश एक रूप अनेक

गणेश शब्द की व्युत्पत्ति हुई है गणानां जीवजातानां य : ईश : स्वामी स : गणेश : से। अर्थात,जो समस्त जीव जाति के ईश-स्वामी हैं वह गणेश हैं। इनकी पूजा से सभी विघ्न नष्ट होते हैं। लेकिन अन्य देवताओं की तरह गणेश जी के भी कई रूप हैं। गणेश पुराण के क्रीड़ा खंड में युग-भेद से गणेश जी के चार रूपों की व्याख्या करके उनके चार भिन्न वाहन बताए गए हैं।

सतयुग में गणेश जी का वाहन सिंह है,वे दस भुजा वाले हैं और उनका नाम विनायक है। त्रेता युग में वाहन मोर है,छः भुजाएं हैं और नाम मयूरेश्वर है। द्वापर में वाहन चूहा (मूषक) है,भुजाएं चार हैं और नाम गजानन है। कलयुग में दो भुजाएं हैं वाहन घोड़ा है और नाम धूम्रकेतु है।

इन चारों रूपों की उपासना विधि व लीला चरित्र का विवरण गणेश पुराण में प्राप्त होता है। वर्तमान में गणेश जी का सर्वप्रसिद्ध वाहन मूषक (चूहा)माना जाता है। विभिन्न मंत्रों के ध्यान में इनके मूषक वाहन का ही संकेत पाया जाता है।

विशिष्ट वस्तुओं के पूजन भेद से गणेश जी के अनेक रूप प्रसिद्ध हैं जैसे हरिद्रा गणेश, दूर्वा गणेश, शमी गणेश, गोमेद गणेश आदि। कामना भेद से भी इनके भिन्न रूपों की उपासना की जाती है जैसे संतान प्राप्ति हेतु संतान गणपति,विद्या प्राप्ति हेतु विद्या गणपति आदि। सामान्य उपासक दैनिक उपासना में गणेश जी के प्रसिद्ध द्वादश नाम स्तोत्र, संकट नाशक स्तोत्र, गणपति अथर्वशीर्ष, गणेश कवच, शतनामस्तोत्र आदि का सुविधानुसार पाठ करके इनका आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं। विशिष्ट उपासना के अंतर्गत गणपति अथर्वशीर्ष से इनका अभिषेक किया जाता है। गणेश पुराण एवं रुद्रयामल तंत्र में वर्णित सहस्र नामस्तोत्र की नामावली के द्वारा दूर्वा से इनका अर्चन किया जाता है। गणपति योग भी वैदिक पद्धति के द्वारा संपन्न कराया जाता है।

अलग-अलग होती है उपासना

भगवान गणेश की उपासना अनेक प्रकार से होती है। गणेशमूर्ति के अलग-अलग प्रकार की अर्चना का विधान भी अलग-अलग होता है। दो से अठारह भुजा एवं एकमुखी से दशमुखी मूर्तियों का पूजन होता है और इनसे संबंधित मंत्र,कवच,यंत्र,स्त्रोत आदि का विधान तंत्र शास्त्र के मान्य ग्रंथों,मंत्र महार्णव,मंत्रमहोदधि,शारदा तिलक,तंत्र सार आदि में अंतर पाया जाता है। गणपति पूजन में मुख्यत: दूर्वा,शमी के पत्ते और मोदक (लड्डू) अर्पित किए जाते हैं।

भगवान गणेशजी ही प्रथम पूज्य क्यों?

एक बार कार्तिकेय व गणेशजी में होड़ लगी कि सबसे बुद्धिमान कौन? तब भगवान भोलेनाथ जी ने कहा जो पृथ्वी के सात चक्कर लगाकर सबसे पहले लौट कर आएगा वह बुद्धिमान व प्रथम पूजनीय होगा। गणेशजी भारी भरकम थे। वाहन भी चूहा व कार्तिकेय उत्तम वजन के थे और उनका वाहन मोर। स्वामी कार्तिकेय चल पड़े। गणेशजी सोचने लगे। गणेशजी ने सोचा माता-पिता ही जन्मदाता है तो सबसे महान वही हुए। उन्हीं के सात चक्कर लगा लिए और खड़े हो गए। कार्तिकेय भी आ पहुंचे। जब निर्णय की बारी आई तो भगवान आशुतोषजी ने कहा कि गणेश बुद्धिमान व श्रेष्ठ हैं, क्योंकि माता-पिता ही समस्त तीर्थों से बड़े होते हैं। तभी से भगवान गणेशजी को सब देवताओं से पहले पूजा जाता है एवं हर मांगलिक कार्य में श्रीगणेश जी का ही पूजन स्मरण व स्थापना की जाती है। इससे हमें सीख मिलती है कि जो अपने माता-पिता की सेवा करता है, उन्हें सब तीर्थों का फल मिल जाता है। फिर वह तीर्थयात्रा करें या ना करें।

जानिए क्या है गणेश पुराण में

गणेश पुराण महत्वपूर्ण ग्रंथ है। इसके पठन-पाठन से सब कार्य सफल हो जाते हैं। गणेश पुराण में पांच खंड पाए जाते हैं। संक्षेप में जानते हैं गणेश पुराण के पांचों खंडों के बारे में......

पहला खंड-आरंभ खंड

इस खंड में ऐसी कथाएं बताई गई है जिससे हमेशा सब जगह मंगल ही होगा। इसमें सबसे पहली कथा के माध्यम से बताया है कि किस प्रकार प्रजा की सृष्टि हुई और सर्वश्रेष्ठ देव भगवान् गणेश का आविर्भाव किस प्रकार हुआ। आगे इसमें शिव के अनेक रूपों का वर्णन किया गया है। साथ ही यह भी बताया गया है कि कैसे शिव सृष्टि की उत्पत्ति,संहार और पालन करते हैं।

दूसरा खंड- परिचय खंड

दूसरा खंड परिचय खंड है जिसमें गणेश जी के जन्म के कथाओं का परिचय दिया गया है। इसमें अलग-अलग पुराणों के अनुसार कथा कही गई है। जैसे पद्म व लिंग पुराण के अनुसार। और अंत में गणेश की उत्पत्ति की कथा विस्तार बताई गई है।

तीसरा खंड- माता पार्वती खंड

तीसरा खंड माता पार्वती खंड है। इसमें पार्वती के पर्वतराज हिमालय के घर जन्म की कथा है और शिव से विवाह की कथा। फिर तारकासुर के अत्याचार से लेकर कार्तिकेय के जन्म की कथा भी इसमें वर्णन है। इस खंड में वशिष्ठ जी द्वारा सुनाई अरण्यराज की कथा भी है।

चौथा खंड- युद्ध खंड

यह युद्ध खंड नामक खंड है। इसके आरंभ में मत्सर नामक असुर के जन्म की कथा है जिसने दैत्य गुरु शुक्राचार्य से शिव पंचाक्षरी मंत्र की दीक्षा ली। आगे तारकासुर की कथा है। उसने ब्रह्मा की आराधना कर त्रैलोक्य का स्वामित्व प्राप्त किया। साथ ही इसमें महोदर व महासुर के आपसी युद्ध की कथा है। इसमें लोभासुर व गजानन की कथा भी है जिसमें लोभासुर ने गजानन के मूल महत्त्व को समझा और उनके चरणों की वंदना करने लगा।

पांचवां खंड- महादेव पुण्य कथा खंड

पांचवा खंड महादेव पुण्य कथा खंड है। इसमें सूत जी ने ऋषियों को कहा,आप कृपा करके गणेश,पार्वती के युगों का परिचय दीजिए। आगे इस खंड में सत्तयुग,त्रेतायुग व द्वापर युग के बारे में बताया गया है। जन्मासुर, तारकासुर की कथा के साथ इसका अंत हुआ है। इस तरह गणेश पुराण के पांच खंडों में मंगलकारी श्री गणेश के जन्म से लेकर उनकी लीलाओं और उनकी पूजा से मिलने वाले यश के बारे का संपूर्ण वर्णन किया गया है। इसके अलावा उनसे जुड़ी बहुत सी अन्य बातों को भी इसमें शामिल किया गया है।

कैसे करें अनंत चतुर्दशी का व्रत...

भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को अनंत चतुर्दशी का व्रत किया जाता है। इस दिन अनंत के रूप में हरि की पूजा होती है। पुरुष दाएं तथा स्त्रियां बाएं हाथ में अनंत धारण करती हैं। अनंत राखी के समान रूई या रेशम के कुंकू रंग में रंगे धागे होते हैं और उनमें चौदह गांठे होती हैं। इन्हीं धागों से अनंत का निर्माण होता है। यह व्यक्तिगत पूजा है, इसका कोई सामाजिक धार्मिक उत्सव नहीं होता। अ ग्नि पुराण में इसका विवरण है। व्रत करने वाले को धान के एक प्रसर आटे से रोटियां या पूड़ी बनानी होती हैं, जिनकी आधी वह ब्राह्मण को दे देता है और शेष स्वयं प्रयोग में लाता है।

इस दिन व्रती को चाहिए कि प्रातन्काल स्नानादि नित्यकर्मों से निवृत्त होकर कलश की स्थापना करें। कलश पर अष्टदल कमल के समान बने बर्तन में कुश से निर्मित अनंत की स्थापना की जाती है। इसके आगे कुंकूम, केसर या हल्दी से रंग कर बनाया हुआ कच्चे डोरे का चौदह गांठों वाला अनंत भी रखा जाता है।

व्रत की महिमा और मंत्र

यूं तो यह व्रत नदी-तट पर किया जाना चाहिए और हरि की लोककथाएं सुननी चाहिए। लेकिन संभव ना होने पर घर में ही स्थापित मंदिर के सामने हरि से इस प्रकार की प्रार्थना की जाती है- हे वासुदेव, इस अनंत संसार रूपी महासमुद्र में डूबे हुए लोगों की रक्षा करो तथा उन्हें अनंत के रूप का ध्यान करने में संलग्न करो, अनंत रूप वाले प्रभु तुम्हें नमस्कार है।

इस मंत्र से हरि की पूजा करके तथा अपने हाथ के ऊपरी भाग में या गले में धागा बांध कर या लटका कर (जिस पर मंत्र पढ़ा गया हो) व्रती अनंत व्रत को पूर्ण करता है। यदि हरि अनंत हैं तो 14 गांठें हरि द्वारा उत्पन्न 14 लोकों की प्रतीक हैं।

अनंत चतुर्दशी पर कृष्ण द्वारा युधिष्ठिर से कही गई कौण्डिन्य एवं उसकी स्त्री शीला की गाथा भी सुनाई जाती है। कृष्ण का कथन है कि अनंत उनके रूपों का एक रूप है और वे काल हैं जिसे अनंत कहा जाता है। अनंत व्रत चंदन, धूप, पुष्प, नैवेद्य के उपचारों के साथ किया जाता है। इस व्रत के विषय में कहा जाता है कि यह व्रत 14 वर्षों तक किया जाए, तो व्रती विष्णु लोक की प्राप्ति कर सकता है।

इस दिन भगवान विष्णु की कथा होती है। इसमें उदय तिथि ली जाती है। पूर्णिमा का सहयोग होने से इसका बल बढ़ जाता है। यदि मध्याह्न तक चतुर्दशी हो तो ज्यादा बेहतर है। जैसा इस व्रत के नाम से प्रतीत होता है कि यह दिन उस अंत न होने वाले सृष्टि के कर्ता ब्रह्मा की भक्ति का दिन है। इस व्रत की पूजा दोपहर में की जाती है।

अनंत चतुर्दशी विष्णु पूजन का दिन

ओम विश्वं विष्णुर्वषट्कारो भूतभव्यभवत्प्रभु।
भूतकृद भूवभृद भावो भूतात्मा भूतभावन।।
पूतात्मा परमात्मा च मुक्तानां परमा गति।
अव्यय पुरुष साक्षी क्षेत्रज्ञोऽक्षर एव च।।

ऐसे अनंत देव विष्णु भगवान जो कि अनेक नाम से पूजे जाते हैं, ऐसे ईश्वर को स्मरण करने या जाप करने का यूँ तो कोई एकमात्र निर्धारित ढंग नहीं, फिर भी किसी भी कार्य को इस ढंग से किया जाए जिससे वह सहज रूप से संपन्न हो जाए। इस कार्य में जितनी ज्यादा एकाग्रता होगी उतना ही अधिक लाभ होगा।

अनंत चतुर्दशी के दिन भगवान विष्णु का पूजन करें। सर्वप्रथम विष्णु का आव्हन् करें। पूजन में सर्वप्रथम आसन अर्पित करें। तत्पश्चात् पैर धोने के लिए जल अर्पित करें। अर्घ्य अर्पित करें, आचमन करें, स्नान हेतु जल अर्पित करें। तिलक हेतु (चंदन) द्रव्य अर्पित करें, धूप-दीप दिखाएँ। प्रसाद करें। फिर आचमन हेतु जल अर्पित करें। तत्पश्चात् नमस्कार करें।

चतुमूर्ति चतुर्वाहुश्चतुर्ण्यहश्चतुर्गति
चतुरात्मा चतुर्भावश्चतुर्वेदविदेकपात।।
विश्व मूर्तिर्महामूर्तिर्दीप्त मूर्तिरमूर्तिमाव
अनेक मूर्तिरण्यव्यक्त शतमूति शतानन।।

ऐसे अनेक नामों से भगवान विष्णु को नमस्कार करें। विघ्न हरने वाले देवता विष्णु अपने भक्तों से जल्दी प्रसन्न हो जाते हैं एवं मनोवांछित फल दे देते हैं।

अनंत चतुर्दशी के दिन भगवान अनंत की पूजा-अर्चना अवश्य करना चाहिए। इस दिन विष्णु सहस्त्रनाम स्तोत्रम् का पाठ करने से अनन्य फल की प्राप्ति होती है एवं भगवान विष्णु की प्रसन्नता प्राप्त होती है। भगवान की प्रार्थना अर्जुन बनकर करें अर्थात् मानसिकता और विश ?वास लगाकर (पूर्ण रूप) उनमें लगाकर प्रार्थना करने से उनका सानिध्य प्राप्त होता है। उनका आशीर्वाद मिलता है। यदि सेवा करना है तो हनुमान जी जैसी करें। ह्रदय में पूर्ण छवि बनी रहे कृपा प्रसाद अवश्य प्राप्त होगा। अर्जुन ने भगवान से कहा कि मैं आपके शरण में आ गया हूँ, आप मुझे आज्ञा दे मुझे क्या करना है?

भगवान ने शरणागत आए हुए अर्जुन का पूरा जीवन सुखमय कर दिया एवं अपना सानिध्य दिया। भगवान का कहना है कि जीव तू सारे धर्म को त्याग कर मेरी शरण को प्राप्त हो! मैं तुम्हें पापों से मुक्त करूँगा, तुम चिंता व्याप्त न हो। भगवान से प्रार्थना इस प्रकार करें जैसे अर्जुन ने (गीता में) की थी। अनंत चतुर्दशी में इसका बहुत बड़ा महत्व है।

पवित्राणां पवित्रं यो मङ्गलानां च मङ्गलम् ।
दैवतं देवतानां च भूतानां योऽव्यय : पिता ॥
यत: सर्वाणि भुतानि भवन्त्यादियुगागमे ।
यस्मिंश्च प्रलयं यान्ति पुनरेव युगक्षये ॥
तस्य लोकप्रधानस्य जगन्नाथस्य भूपते ।
विष्णोर्नामसहस्त्रं मे श्रृणु पापभयापहम् ॥
यानि नामानि गौणानि विख्यातानि महात्मन: ।
ऋषिभि: परिगीतानि तानि वक्ष्यामि भूतये ॥
विश्वं विष्णुर्वषट् ?कारो भूतभव्यभवत्प्रभु: ।
भूतकृद्भूतभृद्भावो भूतात्मा भूतभावन: ॥
पूतात्मा परमात्मा च मुक्तानां परमा गति: ।
अव्यय: पुरुष: साक्षी क्षेत्रज्ञोऽक्षर एव च ॥

इस प्रकार प्रभु नारायण की प्रार्थना करने से वह अवश्य प्रसन्न होकर आपको सुख, संपदा, धन-धान्य, यश-वैभव, लक्ष्मी, पुत्र आदि सारा सुख दे देते हैं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय प्रमुख समाचार

अरविंद केजरीवाल पर भाजपा सांसद मनोज तिवारी का वार

नईदिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे से ऐलान के बाद से भाजपा उनपर हमलावर है। भाजपा इसे एक्टिंग बता रही है। वहीं, भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने भी केजरीवार पर बड़ा वार किया है। मनोज तिवारी ने कहा कि भारत के इतिहास में आपको कोई भी ऐसा मुख्यमंत्री नहीं मिलेगा जिसे न्यायालय द्वारा उसके पद से हटाया गया हो। उन्होंने कहा कि और संविधान का राज है। संविधान कहता है कि अगर कोई मुख्यमंत्री जेल जाता है तो उसे इस्तीफा दे देना चाहिए ताकि पार्टी से कोई और सीएम पद संभाल सके। भाजपा नेता ने कहा कि केजरीवाल का अहंकार दिल्ली की समस्याओं से भी बड़ा है। उन्होंने दावा किया कि एक तरह से उन्हें मुख्यमंत्री पद से निलंबित कर दिया गया है क्योंकि अदालत ने कुछ प्रतिबंध लगा दिए हैं जैसे कि वह मुख्यमंत्री कार्यालय में नहीं जा सकते और किसी भी फाइल पर हस्ताक्षर नहीं कर सकते। उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि मैंने सिनेमा का बहुत अभ्यास किया है लेकिन मैंने उनसे बड़ा अभिनेता नहीं देखा।

दिल्ली में अरविंद केजरीवाल का कौन होगा उत्तराधिकारी?

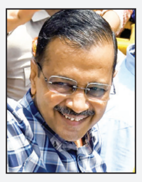

नईदिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को अपने पद से इस्तीफा देने का फैसला किया। साथ ही पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को अपने उत्तराधिकारी के रूप में भी खारिज कर दिया। ऐसे में सवाल जो सबसे ज्यादा सुर्खियों में है कि आम आदमी पार्टी (आप) की विधायी इकाई अब किसे अपना नया सीएम चुनेगी। पार्टी पदाधिकारियों के अनुसार, विधायक आतिशी, सौरभ भारद्वाज, कैलाश गहलोत, गोपाल राय और इमरान हुसैन का नाम सबसे ज्यादा चर्चा में हैं। हालांकि, दिल्ली के राजनीतिक हलकों में भी सीएम की पत्नी सुनीता केजरीवाल के नेतृत्व में सरकार बनाने की संभावना बनी हुई है। इसका बड़ा कारण ये है कि पार्टी में केजरीवाल की पकड़ बनी रहेगी। इसके साथ ही सीएम आवास को भी खाली नहीं करना पड़ेगा। कुछ नेताओं ने कहा कि किसी दलित नेता को भी अगला सीएम नियुक्त किया जा सकता है, हालांकि उन्होंने स्पष्ट रूप से किसी का नाम नहीं लिया।

मुख्यमंत्री पद को लेकर कई दावेदार, बढ़ी भाजपा की टेंशन

नईदिल्ली। हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी चर्चा तेज है। भाजपा और कांग्रेस के बीच मुख्य मुकाबला माना जा रहा है। इन सब के बीच भाजपा में सीएम पद को लेकर भी बयान सामने आ रहे हैं। पहले राव इंद्रजीत सिंह और अब अनिल विज के बयान से भाजपा की टेंशन बढ़ सकती है। दोनों ने सीएम पद को लेकर अपना-अपना दावा ठोक दिया है। वहीं, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने स्पष्ट कर दिया है कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी राज्य में भारतीय जनता पार्टी के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार हैं और उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में पार्टी राज्य में जीत की हैट्रिक बनाएगी। प्रधान का बयान पार्टी के वरिष्ठ नेता अनिल विज के उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर पार्टी 5 अक्टूबर के चुनाव के बाद सत्ता में लौटती है तो वह सीएम पद के लिए दावा करेंगे। विज की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने करनाल में संवाददाताओं से कहा कि एक पार्टी कार्यकर्ता होने के नाते उन्होंने ऐसा कहा होगा, लेकिन नायब सिंह सैनी भाजपा के सीएम का चेहरा हैं।

कांग्रेस को 4 संसदीय स्थायी समितियों के अध्यक्ष पद मिला

नई दिल्ली। केंद्र सरकार और विपक्ष के बीच संसदीय स्थायी समितियों के लिए बातचीत खत्म होने के बाद कांग्रेस को लोकसभा और राज्यसभा में समितियों के लिए मिलने वाले अध्यक्ष पदों की संख्या साफ हो गई है। कांग्रेस लोकसभा में तीन और राज्यसभा में एक समिति के लिए अध्यक्ष की कुर्सी हासिल करने में कामयाब रही है। सूत्रों के अनुसार लोकसभा में कांग्रेस को विदेश मामलों की स्थायी समिति, कृषि पर स्थायी समिति और ग्रामीण विकास पर स्थायी समिति में अध्यक्ष पद मिलेगा। राज्यसभा में विपक्षी दल कांग्रेस को शिक्षा के लिए स्थायी समिति में अध्यक्ष का पद मिलेगा। समितियों को लेकर सरकार और विपक्षी दलों के बीच कुछ महीनों से बातचीत चल रही थी। कांग्रेस ने पांच संसदीय स्थायी समितियों के लिए अध्यक्षों की मांग की थी। ये मांग चार लोकसभा की और एक राज्यसभा की समितियों को लेकर थी। इंडिया गठबंधन के साझेदारों समाजवादी पार्टी, डीएमके और एआईटीसी को भी एक-एक समिति में अध्यक्ष पद मिलने की संभावना है।

'एक देश, एक चुनाव' का जदयू ने किया समर्थन

पटना। जनता दल (यूनाईटेड) ने सोमवार को 'एक देश, एक चुनाव' का समर्थन किया और कहा कि इससे नीतियों में निरंतरता बनी रहेगी तथा बार-बार चुनाव से होने वाली परेशानियों से भी बचा जा सकेगा। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रमुख सहयोगी का यह बयान ऐसे समय आया है जब सरकार के एक उच्च पदस्थ सूत्र ने रविवार को कहा कि भाजपा नीत मौजूदा सरकार अपने मौजूदा कार्यकाल में ही 'एक देश, एक चुनाव' को लागू करेगी। सूत्र ने यह भरोसा भी जताया कि इस सुधार को सभी दलों का समर्थन मिलेगा। जद (यू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने एक वीडियो जारी कर कहा कि 'एक देश, एक चुनाव' पर उनकी पार्टी और राजग की राय एक समान है। उन्होंने कहा, ''हम यह मानते हैं कि इससे देश में नीतियों की निरंतरता जारी रहेगी। बार-बार होने वाले चुनाव से विकास की योजनाओं की गति अवरुद्ध होती है और अन्य परेशानियां भी आती हैं। इनसे निजात मिलेगी।''

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में चौथै वैश्विक अक्षय ऊर्जा निवेशक सम्मेलन का किया उद्घाटन

100 दिनों में देश की प्रगति के हर क्षेत्र-कारक पर ध्यान देने की कोशिश की

अहमदाबाद। गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चौथे वैश्विक अक्षय ऊर्जा निवेशक सम्मेलन और एक्सपो (री-इनवेस्ट) का उद्घाटन किया। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने केंद्र सरकार के 100 दिन के काम की उपलब्धियां गिनाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 100 दिन में केंद्र सरकार ने हर क्षेत्र कारक पर ध्यान देने की कोशिश की है।

पीएम ने कहा कि तीसरे कार्यकाल के शुरुआती 100 दिनों ने हमारी प्राथमिकताओं, तीव्र प्रगति और महत्वाकांक्षी पैमाने को प्रदर्शित करते हुए मंच तैयार कर दिया है। यह तो बस शुरुआत है। हमारे पहले 100 दिनों के आधार पर कई और पहल की जानी हैं। इन 100 दिनों में भौतिक और सामाजिक बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए अनेक महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं।

पीएम ने कहा कि हमारा तीसरा कार्यकाल निश्चित रूप से दलितों, उत्पीड़ित और वंचित वर्ग को सम्मानित जीवन की गारंटी देगा। 140 करोड़ भारतीय भारत को शीर्ष 3 अर्थव्यवस्थाओं में ले जाने के संकल्प के साथ काम कर रहे हैं। तीसरे कार्यकाल के 100 दिन में हमने प्राथमिकता के आधार पर काम किया है। हमने हर उस सेक्टर पर ध्यान दिया, जो भारत के तेज विकास के लिए जरूरी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार के पिछले दो कार्यकाल में हम चार करोड़ घर बना चुके हैं। तीसरे कार्यकाल में हमारी सरकार ने तीन करोड़ नए घर बनाने का काम शुरू भी कर दिया है। भारत में हम सात करोड़ घर बना रहे हैं। वैश्विक सम्मेलन भी भारत के विजन और मिशन का हिस्सा है।

उन्होंने कहा कि 60 साल बाद भारत की जनता ने पहली बार किसी सरकार को तीसरा कार्यकाल दिया है। हमारी सरकार को तीसरा कार्यकाल मिलने के पीछे भारत की बहुत बड़ी आकांक्षाएं हैं।140 करोड़ भारतीयों को भरोसा है, भारत के युवाओं को भरोसा है, भारत की महिलाओं को भरोसा है कि पिछले 10 साल में जिन आकांक्षाओं को पंख लगे, वो तीसरे कार्यकाल में नई उड़ान भरेंगे।

पीएम ने कहा कि हम हरित परिवर्तन को जन

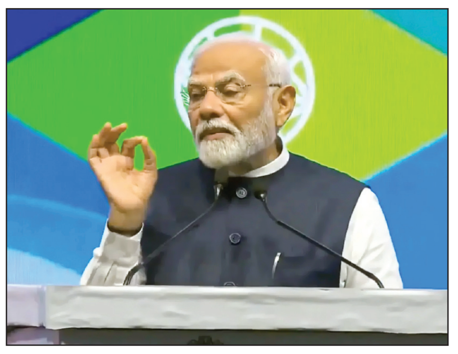

आंदोलन में बदल रहे हैं। हमारी पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना इस दिशा में एक बड़ी पहल है। इस योजना के जरिये भारत का हर घर बिजली उत्पादक बन रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में नवीकरणीय ऊर्जा की मांग बढ़ रही है। सरकार इसे पूरा करने के लिए लगातार नई योजनाएं बना रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत ने जी20 में पेरिस जलवायु प्रतिबद्धताओं को समय सीमा से नौ साल पहले हासिल कर लिया। जी20 देशों में यह उपलब्धि हासिल करने वाला भारत एकमात्र देश है। जो काम विकसित देश नहीं कर सके, वह एक विकासशील देश ने कर दिखाया है। पीएम ने कहा कि हमने दुनिया को रास्ता दिखाने के लिए कई कदम उठाए हैं। आज का भारत सिर्फ आज के लिए निर्माण नहीं कर रहा है, बल्कि अगले 1000 वर्षों की नींव भी रख रहा है। हमारा लक्ष्य सिर्फ शीर्ष पर पहुंचना नहीं है, बल्कि खुद को शीर्ष पर बनाए रखना है।

चौथे वैश्विक अक्षय ऊर्जा निवेशक सम्मेलन में शामिल होने के लिए कई अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री भी गुजरात के गांधीनगर पहुंचे। कार्यक्रम में शामिल होने गुजरात पहुंचे मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने भी मुलाकात की।

गांधीनगर में मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव ने कहा, पीएम मोदी के नेतृत्व में सरकार विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रही है। पीएम मोदी के गुजरात मॉडल ने विभिन्न क्षेत्रों, खासकर ऊर्जा क्षेत्र में विकास सुनिश्चित किया है... इसके तहत गुजरात में कार्बन उत्सर्जन को कम करने के प्रयास में सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जल विद्युत ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के मैं 2 दिन बाद सीएम पद से इस्तीफा देने जा रहा हूं वाले बयान पर उन्होंने कहा, यह एक ड्रामा है और अरविंद केजरीवाल सुप्रीम कोर्ट की ओर से उन पर लगाए गए प्रतिबंधों से अवगत हैं। वह जनता के बीच जाना चाहते हैं लेकिन वह एक हारी हुई लड़ाई की ओर बढ़ रहे हैं। जनता सब जानती है।

चौथे वैश्विक अक्षय ऊर्जा निवेशक सम्मेलन और एक्सपो (री-इन्वेस्ट) में जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, डेनमार्क और नॉर्वे भागीदार देशों के रूप में भाग ले रहे हैं। गुजरात मेजबान राज्य है और आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश भागीदार राज्यों के रूप में भाग ले रहे हैं।

पीएम सूर्य घर योजना के लाभार्थियों के साथ बात की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात की राजधानी गांधीनगर में पीएम सूर्य घर के लाभार्थियों से बातचीत की। प्रधानमंत्री सोमवार सुबह करीब 10 बजे वावोल स्थित शालीन-2 सोसायटी पहुंचे। यहां उन्होंने ऐसे कई लोगों से बात की, जिन्होंने अपने घरों की छतों पर सौर पैनल लगवाए हैं। प्रधानमंत्री यहां करीब 20 मिनट तक रुके।

सरकार ने 29 फरवरी को 75,021 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना शुरू की थी। इसका मकसद घरों की छतों पर सौर पैनल लगाकर आवासीय परिवारों को खुद बिजली पैदा करने में सक्षम बनाना है। इसके तहत दो किलोवाट क्षमता तक की प्रणालियों के लिए सौर इकाई लागत का 60 प्रतिशत और दो से तीन किलोवाट क्षमता वाली प्रणालियों के लिए अतिरिक्त लागत का 40 प्रतिशत अनुदान दिया जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने गांधीनगर में श्री सोमनाथ ट्रस्ट की एक बैठक की अध्यक्षता भी की। पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) के मुताबिक, राज्य में यह ट्रस्ट विश्व विख्यात सोमनाथ मंदिर का कामकाज संभालता है। प्रधानमंत्री मोदी इस ट्रस्ट के अध्यक्ष भी हैं। बैठक रविवार रात को राजभवन में हुई और प्रधानमंत्री ने ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों की समीक्षा की।

पीएम मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, गांधीनगर में श्री सोमनाथ ट्रस्ट की बैठक की अध्यक्षता की। हमने श्रद्धालुओं के अनुभव और विभिन्न सुविधाओं को और बेहतर बनाने के तरीकों का जायजा लिया।

इस बैठक में गुजरात के पूर्व नौकरशाह पी के लाहेरी और कारोबारी हर्षवर्धन नेवतिया भी शामिल हुए, जो न्यासी भी हैं। बैठक में शामिल हुए विशाद पद्मनाभ माफतलाल को न्यासी नियुक्त किया गया। मोदी को जनवरी 2001 में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री केशुभाई पटेल के निधन के बाद इस ट्रस्ट का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था।

'नमो भारत रैपिड रेल' को पीएम मोदी ने ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

वंदे भारत मेट्रो का नाम बदल दिया गया है। ट्रेन की शुरुआत से पहले भारतीय रेलवे ने 'वंदे मेट्रो' सेवा का नाम बदलकर 'नमो भारत रैपिड रेल' करने की घोषणा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात दौरे के दौरान इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इस ट्रेन में खुद प्रधानमंत्री यात्रा करते भी नजर आए। इस दौरान उन्होंने यात्रियों से बात की। इस ट्रेन की पहली यात्रा भुज से शुरू होकर अहमदाबाद पहुंचेगी, जो 359 किलोमीटर की दूरी मात्र 5 घंटे 45 मिनट में तय करेगी। यात्रियों के लिए इस ट्रेन की नियमित सेवा 17 सितंबर को शुरू होगी, जिसमें पूरी यात्रा के लिए टिकट की कीमत 455 रुपये होगी। इससे यात्रियों के लिए यात्रा किफायती हो जाएगी।

'नमो भारत रैपिड रेल' ट्रेन अधिकतम 110 किमी प्रति घंटे की गति से चलेगी। यह कई स्टेशनों- अंजार, गांधीधाम, भचाऊ, सामाखियाली, हलवद, ध्रांगधरा, वीरमगाम, चंदलोदिया, साबरमती और कालूपुर (अहमदाबाद स्टेशन) पर ठहरेगी।

किशतवाड़ में शाह ने नेकां कांग्रेस पर बोला हमला

आतंकवाद को पाताल में दफन करेंगे

जम्मू। गृहमंत्री अमित शाह जम्मू कश्मीर के किशतवाड़ में रैली को संबोधित करते हुए कहा कि हमने विभाजन के दिन देखें, 1990 में आतंकवाद के दिन देखें। चंद्रिका शर्मा हों या परिहार बंधु हों...सभी ने कुर्बानियां दीं। मैं आज इस क्षेत्र सहित जम्मू-कश्मीर की जनता से वादा करता हूं कि हम आतंकवाद को इतना नीचे दफन करेंगे कि कभी बाहर नहीं आ पाएगा।

शाह ने कहा, 1990 की तरह आज भी प्रयास हो रहे हैं। नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस ने यहां कुछ वादें किए हैं कि उनकी सरकार आएगी तो आतंकवादियों को छोड़ देंगे। मैं आज आप लोगों को कहता हूं कि ये नरेन्द्र मोदी सरकार है, किसी की हिम्मत नहीं है, भारत की भूमि पर आतंकवाद फैलाए।

एक ओर वे लोग (नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस) आतंक से लैस जम्मू-कश्मीर बनाना चाहते हैं, तो दूसरी ओर पीएम मोदी विकसित कश्मीर बनाना चाहते हैं। धारा-370 हटने के बाद यहां की महिलाओं को जो आरक्षण मिला है, उसे वो (नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस) समाप्त करना चाहते हैं, तो वहीं मोदी जी महिलाओं के साथ गुर्जर, पहाड़ी, दलित और ओबीसी को भी आरक्षण का अधिकार देना चाहते हैं।

नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस का गठबंधन हमेशा से आतंकवाद का पोषक रहा है। जब-जब घाटी

में नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस की सरकार आई, तब-तब यहां आतंकवाद को बढ़ावा मिला है। याद कीजिए 90 के दशक को... मैं फारूक अब्दुल्ला से पूछना चाहता हूं कि आप यहां के मुख्यमंत्री थे, राजीव गांधी के साथ समझौता करके चुन कर आए। जब हमारी घाटी खून से लथपथ हो गईं तो आप कहां थे?

जम्मू-कश्मीर का ये चुनाव स्पष्ट रूप से दो ताकतों के बीच है। एक ओर नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस है और दूसरी ओर भाजपा है। नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस कहती है कि अगर हमारी सरकार बनी तो धारा-370 को वापस लाएंगे। पहाड़ियों और गुर्जर भाइयों को जो आज आरक्षण मिला है, वो धारा-370 के रहते नहीं मिल सकता था।

पीएम मोदी ने जो धारा-370 हटाई, वो अब इतिहास का पन्ना हो गई है। भारत के संविधान में अब धारा-370 के लिए कोई जगह नहीं रह गई है। जम्मू कश्मीर में अब दो विधान, दो प्रधान और दो झंडे कभी नहीं हो सकते हैं। झंडा सिर्फ हमारा प्यारा तिरंगा होगा।

खेल

प्रमुख समाचार

भारत का बांग्लादेश सीरीज से चैंपियंस ट्रॉफी तक का शेड्यूल

नईदिल्ली। भारतीय टीम एक महीने से ज्यादा के ब्रेक के बाद मैदान पर लौटने को तैयार है। श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद टीम इंडिया 19 सितंबर से बांग्लादेश के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में मैदान पर दिखाई देगी। भारत का सितंबर से फरवरी के बीच शेड्यूल काफी व्यस्त रहने वाला है। इस मैदान पर दिखाई देगी। टीम इंडिया के सितंबर से फरवरी के बीच शेड्यूल काफी व्यस्त रहने वाला है। इस दौरान टीम 10 टेस्ट, 12 टी20 इंटरनेशनल और 3 वनडे मैच खेलेगी। टीम इंडिया पहले बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। पहला मैच 19 सितंबर- 23 सितंबर 2024, चेन्नई के एमए चिदंबरम, सुबह 9.30 बजे। दूसरा मैच 27 सितंबर-1 अक्टूबर 2024, कानपुर, सुबह 9.30 बजे।

भारत-बांग्लादेश टी20 सीरीज- 6 अक्टूबर 2024- ग्वालियर- शाम 7 बजे। 9 अक्टूबर 2024- दिल्ली- शाम 7 बजे। 12 अक्टूबर 2024- हैदराबाद- शाम 7 बजे।

भारत- न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज-16-20 अक्टूबर 2024- बेंगलुरु- सुबह 9.30। 24-28 अक्टूबर 2024- पुणे- सुबह 9.30। 1-5 नंवबर 2024- वानखेड़े- सुबह 9.30।

भारत- साउथ अफ्रीका टी20 सीरीज- 8 नवंबर 2024- डरबन- रात 9.30 बजे। 10 नवंबर 2024- गकेबेहरा- शाम 5.30 बजे। 13 नवंबर 2024- सेंचुरियन- रात 9.30 बजे। 15 नवंबर 2024- जोहान्सबर्ग- रात 9.30 बजे।

भारत- ऑस्ट्रेलिया (बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी) टेस्ट सीरीज। 22-26 नवंबर 2024- पर्थ- सुबह 7.30 बजे। 6-10 दिसंबर 2024- एडिलेड- सुबह 9.30 बजे। 14-18 दिसंबर 2024- ब्रिस्बेन, सुबह 5.50 बजे। 26-30 दिसंबर 2024- मेलबर्न, सुबह 5 बजे। 3-7 जनवरी 2025- सिडनी, सुबह 5 बजे।

भारत- इंग्लैंड टी20 सीरीज- 22 जनवरी 2025- ईडन गार्डन- शाम 7 बजे। 25 जनवरी 2025- चेन्नई- शाम 7 बजे। 28 जनवरी 2025-राजकोट- शाम 7 बजे। 31 जनवरी 2025- पुणे- शाम 7 बजे। 2 फरवरी 2025- वानखेड़े- शाम 7 बजे।

भारत- इंग्लैंड वनडे सीरीज- 6 फरवरी 2025- नागपुर- दोपहर 1.30 बजे। 9 फरवरी 2025- कटक- दोपहर 1.30 बजे। 12 फरवरी 2025- अहमदाबाद- दोपहर 1.30 बजे।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/ प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 82,989 के ऑलटाइम क्लोजिंग हाई पर

नईदिल्ली। बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक, बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी 50 हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को उतार-चढ़ाव वाले सत्र में हरे निशान पर बंद हुए। सेंसेक्स लगभग 98 अंक की तेजी लेकर 82,989 के ऑलटाइम क्लोजिंग हाई पर बंद हुआ। निफ्टी में भी हल्की तेजी देखी गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 97.84 अंक या 0.12 प्रतिशत की बढ़त लेकर 82,988.78 के ऑलटाइम हाई पर बंद हुआ। सेंसेक्स में आज 82,832.82 और 83,184.34 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं, दूसरी तरफ एनएसई निफ्टी 27.25 अंक या 0.11 प्रतिशत बढ़कर 25,383.75 पर बंद हुआ। निफ्टी में आज 25,336.20 और 25,445.70 के रेंज में कारोबार हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 15 शेयर हरे निशान पर बंद हुए। एनटीपीसी, जेएसडब्ल्यू स्टील, एलएंडटी, एक्सिस बैंक और आईसीआईसी बैंक सेंसेक्स के टॉप-5 गेनर्स रहे।

एलआईसी के लिए डिजिटल मंच तैयार करेगी इंफोसिस

नईदिल्ली। जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने अगली पीढ़ी के डिजिटल मंच को अपनाकर अपने डिजिटल रूपांतरण को आगे बढ़ाने के लिए इंफोसिस को चुना है। आईटी सेवा कंपनी ने सोमवार को यह जानकारी दी। इस पहल के तहत ग्राहकों, एजेंटों और कर्मचारियों के लिए बेहतर अनुभवों और डेटा आधारित वैयक्तिकरण पर ध्यान दिया जाएगा। कंपनी ने इस सौदे की राशि के बारे में नहीं बताया। एक बयान के अनुसार, इंफोसिस ने सोमवार को भारत की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम के साथ अपने सहयोग की घोषणा की, ताकि एलआईसी डीआईवीई (डिजिटल नवाचार एवं मूल्य संवर्धन) नामक अपनी डिजिटल रूपांतरण पहल को आगे बढ़ा सके। बयान में कहा गया कि एलआईसी ने बैंकिंग, वित्तीय और बीमा क्षेत्रों में इंफोसिस की गहन विशेषज्ञता और अनुभव को देखते हुए उसे चुना।

महाराष्ट्र में बिजली उत्पादन करेगी अडानी ग्रुप

नईदिल्ली। अडानी समूह अब महाराष्ट्र में लॉन्ग टर्म के लिए 6,600 मेगावाट की रिन्यूएबल एनर्जी बनाएगा। इसके लिए लगाई गई बोली को अडानी समूह ने जीत लिया है। महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड में 4.08 रुपए प्रति यूनिट की दर से अडानी समूह ने बोली लगाई थी। कंपनी ने इस बोली को जीत लिया है। अडानी समूह ने जेएसडब्ल्यू एनर्जी और टोरेंट पावर जैसी कंपनियों को पछाड़कर यह बोली जीती है, जो राज्य में बिजली की वर्तमान खरीद लागत से लगभग 1 रुपये कम है। अडानी समूह गुजरात में अडानी ग्रीन एनर्जी के खावड़ा अक्षय ऊर्जा पार्क से 5,000 मेगावाट सौर ऊर्जा और अडानी पावर द्वारा विकसित किए जा रहे एक नए अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल प्लांट से 1,496 मेगावाट थर्मल पावर की आपूर्ति के लिए एमएसईडीसीएल के साथ एक दीर्घकालिक बिजली खरीद समझौते पर हस्ताक्षर करेगा। अंतिम आशय पत्र मिलने के बाद, चार वर्षों के भीतर विद्युत आपूर्ति शुरू हो जाएगी।

अमेरिकी केंद्रीय बैंक के ब्याज दर पर निर्णय

नई दिल्ली। स्थानीय शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के ब्याज दर निर्णय से तय होगी। इसके साथ ही वैश्विक आर्थिक आंकड़े और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार की दिशा निर्धारित करेंगी, ऐसा विश्लेषकों का मानना है। भारतीय शेयर बाजार के लिए पिछले सप्ताह महत्वपूर्ण रहा, क्योंकि बृहस्पतिवार को निफ्टी और सेंसेक्स दोनों अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गए। बीएसई के 30 शेयरों वाला सेंसेक्स पहली बार 83,000 अंक को पार किया। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लि. के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, इस सप्ताह का सबसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम फेडरल ओपन मार्केट कमेटी की बैठक होगी, जो 18 सितंबर को होगी। इसमें ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती की संभावना है, हालांकि कुछ बाजार भागीदार आधा प्रतिशत की कटौती की उम्मीद कर रहे हैं।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था का नायक और खलनायक

अंशुमान तिवारी

अगस्त की शुरुआत में जब दुनिया में मंदी का हल्ला हुआ, शेयर बाजार नई गर्त में जा धंसे, तो इस मुसीबत का खलनायक किसे माना गया? वही अमेरिका का केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व। अमेरिका के शेयर कारोबारी अब फेडरल रिजर्व को रह-रहकर कोसते हैं। बार-बार शेयर बाजार गिराकर वे यह साबित करना चाहते हैं कि अगर ब्याज दरें नहीं घटीं, तो मंदी आई समझो।

अमेरिका में चुनाव का मौसम है, गिरते बाजार और मंदी की खबरें सरकारों को नहीं सुहातीं। फेडरल रिजर्व अमेरिकी अर्थव्यवस्था का पुराना नायक भी है और खलनायक भी। पूंजीवाद की महापीठ अमेरिका में महंगी पूंजी यानी ऊंची ब्याज दर को बिसूरने वाले बहुतेरे हैं। कोविड के बाद महंगाई बढ़ी, तो फेडरल रिजर्व ने कर्ज महंगा किया। बाजार में कम पूंजी आई और यह दवा चाटकर महंगाई का बढ़ना रुक गया। अलबत्ता महंगाई गई नहीं।

फेडरल रिजर्व सख्त है। उसकी सख्ती कुछ इस कदर बढ़ी है कि अमेरिकियों को लग रहा है कि फेडरल रिजर्व मंदी बुलाकर ही मानेगा। अमेरिकी सियासत का अतीत फेडरल रिजर्व को लेकर बड़ा ही रोमांचक रहा है। अगर आपको लगता है कि अमेरिकी सियासत में सबसे ज्यादा विवादित नेता डोनाल्ड ट्रंप हैं, तो आइए बैठिए टाइम मशीन में, हम आपको मिलवाते हैं ऐसे राष्ट्रपतियों से, जिन्होंने केंद्रीय बैंक को मार दिया।

यह 1836 का अमेरिका है। हम सीधे वाशिंगटन पहुंचे हैं। खबर है कि सातवें राष्ट्रपति एंड्र्यू जैक्सन ने बैंक ऑफ यूनाइटेड स्टेट्स की कानूनी मान्यता बढ़ाने यानी रि-चार्टर के प्रस्ताव पर वीटो ठोक दिया...और अमेरिका का केंद्रीय बैंक यानी फेडरल रिजर्व

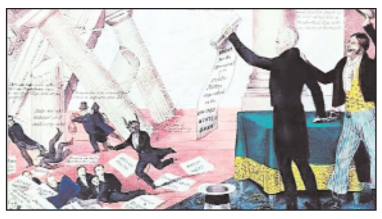

का पूर्वज बंद (1836) कर दिया गया।

हम जिस दौर में हैं, अमेरिका के सातवें राष्ट्रपति एंड्र्यू जैक्सन और तीसरे राष्ट्रपति थॉमस जेफरसन लोगों के नूरे-नजर हैं। ये दोनों राष्ट्रपति केंद्रीय बैंकों के जानी दुश्मन हैं। इन्होंने तय कर दिया कि आगे अमेरिका में कोई केंद्रीय बैंक नहीं होगा। अलबत्ता वक्त इनसे ज्यादा ताकतवर निकलेगा।

आइए, हम थोड़ा और पीछे चलते हैं। टाइम मशीन हमें उस काल खंड में ले आई है, जहां अमेरिकी आजादी की लड़ाई खत्म हो गई है। आजादी की लड़ाई ने अमेरिका को आर्थिक तौर पर तोड़ दिया है। अमेरिकी संविधान को मंजूरी (1789) मिल गई है। पहले वित्तमंत्री अलेक्जेंडर हैमिल्टन देश में कर्ज और पूंजी की समस्या दूर करने के लिए फेडरल बैंकिंग का प्रस्ताव लेकर आए हैं। अमेरिकी कारोबारियों के बीच बहस जारी है।

हैमिल्टन की तैयारी एक ऐसा बैंक बनाने की है, जो ब्रिटेन की उपनिवेशवादी मौद्रिक प्रणाली समाप्त कर नेशनल करेंसी लागू करेगा। अमेरिकी मुद्रा डॉलर होने वाली है। सियासत गर्म है। अमेरिका के पश्चिम हिस्से के कारोबारी इस बैंक का विरोध कर रहे हैं। राजनीतिज्ञ विभाजित हैं। अमेरिका के सबसे प्रतिष्ठित संस्थापक नेता, आजादी के प्रबल समर्थक और जॉर्ज वाशिंगटन की कैबिनेट में विदेश मंत्री थॉमस जेफरसन ने भी इस केंद्रीय बैंक का विरोध कर दिया है। वह कह रहे हैं कि अमेरिका का संविधान, फेडरल सरकार को बैंक बनाने और मुद्रा जारी करने का अधिकार नहीं देता है।

यह काम तो राज्यों को मिलेगा। वह कह रहे हैं, 'केंद्रीय बैंक आम लोगों की आजादियों के लिए किसी हथियारबंद सेना से ज्यादा खतरनाक है।' और यह लीजिए, अमेरिकी कांग्रेस में बखेड़ा हो गया। जेफरसन, जॉर्ज वाशिंगटन सरकार में विदेश मंत्री हैं और हैमिल्टन वित्तमंत्री। हैमल्टिन और जेफरसन के बीच तीखा विवाद हुआ है। अलबत्ता फेडरिलिस्ट पार्टी की मदद से 1791 में अमेरिका के केंद्रीय बैंक का प्रस्ताव मंजूर हो गया। बुरी तरह खफा थॉमस जेफरसन ने (1793) कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया है। आगे बढ़ते हैं। यह 19वीं सदी की शुरुआत है। थॉमस जेफरसन व्हाइट हाउस में विराज रहे हैं। केंद्रीय बैंक को वह चलने नहीं देंगे। हैमिल्टन का केंद्रीय बैंक बीस साल तक चला।

रायपुर के शासकीय मेडिकल कालेज के साथ समन्वय स्थापित कर नए कोर्स शुरू करे विवि: स्वास्थ्य मंत्री

पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय का सत्रहवां स्थापना दिवस समारोह

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल की उपस्थिति में आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ का सत्रहवां स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर रायपुर के सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल भी उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने भारत के परम्परागत चिकित्सा पद्धति के जनक श्री महर्षि चरक एवं महर्षि सुश्रुत के योगदान को रेखांकित करते विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में शिक्षण विभाग एवं चिकित्सा शिक्षा के संबंध में छत्तीसगढ़ शासन स्तर पर जो भी आवश्यकता होगी उसे पूर्ण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दूरस्थ अंचल में विशेषज्ञों की कमी को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय को रायपुर स्थित शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के एनेस्थीसिया एवं प्रसुति विभाग के साथ समन्वय स्थापित करना चाहिए। इसके लिए विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग सेंटर में 6 माह के प्रशिक्षण की व्यवस्था शुरू करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे पैथोलाजी लैब जो कानूनन लाइसेंस नहीं हैं उन्हें नियमानुसार ट्रेनिंग दिलाकर पैरामेडिकल बोर्ड से रजिस्ट्रेशन कराने हेतु विश्वविद्यालय को समन्वय स्थापित करना चाहिए। इससे ज्यादा से ज्यादा लोगों को फायदा मिलेगा और निजी पैथोलाजी लैब का नियमितिकरण किया जा सकेगा। कार्यक्रम में उपस्थित रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने विश्वविद्यालय में स्किल्ड मैनपावर के प्रशिक्षण, पैरामेडिकल की स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम को लेकर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने विभिन्न विषयों पर अल्पकालीन पाठ्यक्रम जैसे सीटी स्कैन, एमआरआई, कैथलैब इत्यादि प्रारंभ करने हेतु विश्वविद्यालय में उचित व्यवस्था करने पर जोर दिया। उन्होंने आश्वस्त किया कि केन्द्र सरकार के स्तर पर जो भी आवश्यकता महसूस होगी. उसे वो पूरी करने की कोशिश करेंगें। स्थापना दिवस समारोह पर आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पी. के. पात्रा ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय की सोलह साल की विकास यात्रा को सारगर्भित तरीके से प्रस्तुत किया साथ ही भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए विश्वविद्यालय में शिक्षण विभाग एवं एमबीबीएस पाठ्यक्रम प्रारंभ करने तथा शोध के महत्व पर चर्चा की।

स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार से पड़ोसी राज्यों के लोग भी हो रहे लाभान्वित

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के हो रहे विस्तार का लाभ पड़ोसी राज्य झारखंड को भी मिल रहा है। जशपुर जिला मुख्यालय से लगभग 26 किलोमीटर दूर जशपुर विकासखंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत लोदाम झारखंड बॉर्डर के समीप है। यहां पर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लोदाम में झारखंड के आसपास के गावों के लोग अपना इलाज कराने आते हैं।

इसके साथ ही उनका आयुष्मान कार्ड भी यहां पर बन रहा है। लोदाम सीएचसी की बीपीएम के अनुसार झारखंड के मांझा टोली सहित अन्य ग्राम पंचायतों के लोग यहां की बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के कारण इलाज के लिए आते हैं। पिछले 4 महीनों में यहां झारखंड के 27 निवासियों की सामान्य प्रसव सफलतापूर्वक कराई गई है। इसके अलावा 10 से अधिक टाइफाइड के मरीजों की जांच और उपचार किया गया है। इसके अलावा अन्य बीमारियों के इलाज के लिए भी लोग यहां आते हैं। लोदाम सीएचसी में एक्सरे, ब्लड टेस्ट, सामान्य प्रसव, आयुष्मान कार्ड जैसी सेवाओं सहित अन्य बीमारियों के इलाज की भी सुविधा है। मुख्यमंत्री श्री साय के निर्देश पर जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे है। इसी के तहत जशपुर जिले में 18 एबीबीएस और 7 विशेषज्ञ चिकित्सकों को नियुक्ति की जा चुकी है। इसके अलावा नवीन स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना के साथ ही मेडिकल उपकरणों की खरीदी और अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति की जा रही है।

चप्पे चप्पे पर कैमरे लगने से शहर हुआ और सुरक्षित- देवांगन

रायपुर। कोरबा शहर में सोमवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में निर्मित अपराध रोकथाम एवं विवेचना के लिए स्थापित सीसीटीवी कैमरे के इंटीग्रेटेड कमान और कंट्रोल सेंटर का लोकार्पण प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग और श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने किया। कैबिनेट मंत्री द्वारा इंटीग्रेटेड कमांड और कंट्रोल सेंटर (आईसी-3) का फ़ीता काटकर लोकार्पण किया। इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी यह योजना काफी महत्वपूर्ण है। शहर के अलग-अलग हिस्सों में लगे कैमरे से निगरानी की जा सकेगी। किसी भी आपदा के समय भी इस सिस्टम के ज़रिए बेहतर काम किया जा सकेगा। अपराध पर और अपराधी इससे नज़र में रहेंगे। शहर भर में लगने वाले विशेष कैमरों के ज़रिए ट्रैफिक सिस्टम तथा अन्य व्यवस्थाओं की निगरानी और नियंत्रण के लिए यह बेहतर साबित होगा। मंत्री श्री देवांगन ने कलेक्टर अजीत वसंत और पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी को शहर के मुख्य मार्गों से वार्डों को जोड़ने वाली सड़कों का भी सर्वे कर उन जगहों पर भी कैमरे लगाने के निर्देश दिए। ज्ञात हो कि आईसी-3 के माध्यम से पुलिस शहर के चौक चौराहे की सीसीटीवी कैमरा के माध्यम से निगरानी रखेगी। आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए पुलिस को सीसीटीवी कैमरा के

माध्यम से अपराधिक तत्वों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। पुलिस के द्वारा 6 जोन निर्धारित किया गया है 6 जोन के अलग-अलग चौक चौराहों पर कुल 336 सीसीटीवी कैमरा के माध्यम से निगरानी रखी जा रही है। सभी कैमरा को अलग-अलग जोन में रखा गया है जिसमें कोसाबाडी जोन, टीपी नगर जोन, कोरबा जोन, दरी जोन, बालको जोन, सर्वमंगला जोन में कैमरा लगाए गए हैं जिसकी निगरानी पुलिस अधीक्षक कार्यालय में निर्मित आईसी-3 में किया जाएगा। मुख्य चौक चौराहों को चिन्हित कर एएनपीआर (नंबर प्लेट स्कैनिंग कैमरा) को भी लगवाया गया है जिसके माध्यम से नंबर प्लेट को स्पष्ट रूप से देख सकते हैं और किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना में इसके माध्यम से पुलिस को सहायता मिलेगी। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में निर्मित भवन इंटीग्रेटेड कमान और कंट्रोल सेंटर (आईसी-3) में साइबर फॉरेंसिक टूल्स भी स्थापित किए गए है जिस में मोबाइल फॉरेंसिक सॉफ्टवेयर, इमेज वीडियो फॉरेंसिक, कंप्यूटर सिस्टम, सीडीआर एनालिसिस टूल्स, इमेज एंड क्लोनिंग सॉफ्टवेयर, डाटा एनालिसिस सॉफ्टवेयर शामिल है इन सबके माध्यम से पुलिस को साइबर संबंधी अपराध विवेचना में मदद मिलेगी। आगामी त्यौहारो को मद्देनजर रखते हुए पायलट प्रोजेक्ट के रूप में कोरबा पुलिस के द्वारा 4 चीता स्क्वाड की भी शुरुआत की गई है। जिसका शुभारंभ पुलिस अधीक्षक कार्यालय में मुख्य अतिथियों के द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया।

छत्तीसगढ़ में इस बार गणेश झांकी नहीं ! डीजे के शोर पर सख्त हुआ प्रशासन

रायपुर। गणेश विसर्जन की झांकी में बजने वाले डीजे के शोर पर प्रशासन की सख्ती बढ़ गई है। हाईकोर्ट के फैसले को आधार बनाकर प्रशासन ने झांकी में शोर शराबे पर रोक के लिए कड़े फैसले लिये हैं। गणेश समितियों की ओर से मांगी गई डीजे की अनुमति को प्रशासन ने खारिज करते हुए दो टूक कह दिया है कि नियमों का उल्लंघन हुआ तो सख्ती बरती जाएगी। प्रशासन के रवैये के बीच अब गणेश समितियों ने बगैर डीजे गणेश विसर्जन की तैयारी की है।

रायपुर की गणेश समितियों का कहना है कि झांकी में डीजे की अनुमति प्रशासन नहीं दे रहा है। रायपुर शहर में गणेश उत्सव झांकी की सालों पुरानी परंपरा है। झांकी निकालने वाले कुछ समितियों के सदस्यों ने कहा कि हमारी मांग है कि झांकी में डीजे और धुमाल बजाने की अनुमति दे। इसको लेकर हमारी डिप्टी सीएम विजय शर्मा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल और विधायक पुरंदर मिश्रा सहित सभी जनप्रतिनिधियों से बातचीत जारी है। हमारी मांग है कि कम डिसमिल में ही सही लेकिन डीजे बजाने की अनुमति दें। यदि अनुमति नहीं दी जाती है तो झांकी नहीं निकाली जाएगी। रायपुर माल संघ के अध्यक्ष गोतम महानंद ने कहा कि इस बार झांकी और गणेश विसर्जन में एक भी डीजे या ढोलताशा नहीं बजेगा। जब तक प्रशासन के तरफ

लिखित अनुमति नहीं मिलती है तब तक एक भी हम काम नहीं करेंगे। सभी हड़ताल पर रहेंगे। गौतम महानंद ने कहा की सभी डीजे और धुमाल का गणेश चतुर्थी में ही मुख्य काम रहता है। ऐसे में हमारे कामों को बंद कराया गया है।

वहीं रायपुर एडीएम देवेंद्र पटेल ने कहा की रायपुर में झांकी की हर बार की तरह इस बार भी पूरी तैयारियां की गई है। गणेश समितियों की तरफ से फिलहाल ऐसा कोई मैसेज नहीं आया है की झांकी नहीं निकालेंगे। अगर कोई ऐसी बात होती है तो आगे देखेंगे। लेकिन प्रशासनिक स्तर में रायपुर में झांकी को लेकर पूरी तैयारिया है। हाईकोर्ट के निर्णय का कड़ाई से पालन कराया जाएगा।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पटले ने कहा कि गणेश झांकी उत्सव के लिए पर्याप्त तैयारी की गई है। सुरक्षा के दृष्टि से भी अतिरिक्त बल की तैनाती की गई है। झांकी निकालने वाली समितियों से बातचीत चल रही है। वरिष्ठ अधिकारियो के निर्देशन पर निर्णय लिया जाएगा।

राजनांदगांव में नहीं निकलेगी झांकी- इधर राजनांदगांव में बीते 86 वर्ष से अधिक साल से गणेश विसर्जन की पूर्व रात्रि में झांकी निकालने की परंपरा चली आ रही है। अपनी परंपरा के अनुरूप राजनांदगांव शहर में मंगलवार 17 सितंबर को गणेश विर्सजन झांकी निकाली जाएगी। कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने गणेश विसर्जन के मद्देनजर गणेशोत्सव समिति और शहर के विभिन्न गणेश पंडाल से निकलने वाली झांकी के सदस्य, डीजे व साउंड सिस्टम संचालकों की कलेक्ट्रेट में बैठक ली।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

छत्तीसगढ़ में अब तक 1077.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2024 से अब तक राज्य में 1077.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून 2024 से आज 16 सितम्बर सवेरे तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 2280.3 मिमी और बेमेतरा जिले में सबसे कम 569.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सरगुजा जिले में 570.7 मिमी, सूरजपुर में 1015.8 मिमी, बलरामपुर में 1531.2 मिमी, जशपुर में 889.0 मिमी, कोरिया में 981.5 मिमी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 995.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी। इसी प्रकार, रायपुर जिले में 908.9 मिमी, बलौदाबाजार में 1124.4 मिमी, गरियाबंद में 1017.2 मिमी, महासमुंद में 852.4 मिमी, धमतरी में 977.0 मिमी, बिलासपुर में 933.0 मिमी, मुंगेली में 1046.7 मिमी, रायगढ़ में 964.6 मिमी, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 623.3 मिमी, जांजगीर-चांपा में 1129.4 मिमी, सक्ती 948.4 मिमी, कोरबा में 1307.8 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 1101.3 मिमी, दुर्ग में 629.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी। कबीरधाम जिले में 849.3 मिमी, राजनांदगांव में 1074.3 मिमी, औसत वर्षा एक जून से अब तक रिकार्ड की गई।

छत्तीसगढ़ में 45 रुपए घटे सीमेंट के दाम

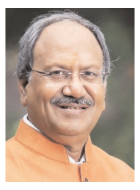

रायपुर. छत्तीसगढ़ में सीमेंट कंपनियों ने 45 रुपए दाम घटा दिए हैं. बता दें कि सीमेंट कंपनियों ने 50 रुपए दाम बढ़ा दिए थे. इसका रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने विरोध किया था और मुख्यमंत्री, केंद्रीय वित्त मंत्री और प्रतिस्पर्धा आयोग को पत्र भी लिखा था और बढ़ी कीमत को वापस लेने की मांग की थी. पत्र में सांसद ने उल्लेख किया था कि छत्तीसगढ़ खनिज, लौह, कोयला, और ऊर्जा संसाधनों से भरपूर है, इसके बावजुद सीमेंट कंपनियों ने 3 सितंबर 2024 से कीमतों में एकाएक वृद्धि की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि सीमेंट कंपनियों ने एक कार्टल बनाकर सीमेंट की कीमतें 50 रुपए प्रति बोरी तक बढ़ा दी हैं, जो कि प्रदेश की जनता पर सीधा आर्थिक बोझ डाल रही है। सांसद ने पत्र में आगे उल्लेख किया था कि छत्तीसगढ़ की सरकार को सीमेंट फैक्ट्रियों के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए कीमतों की वृद्धि को वापस कराकर आम जनता को राहत दिलाने की आवश्यकता है। प्रदेश में सीमेंट कंपनियों को खनिज, कोयला, ऊर्जा, और सस्ती बिजली जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं, फिर भी कीमतों में वृद्धि सीधे-सीधे छत्तीसगढ़ की जनता के लिए भार है। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि प्रदेश में सीमेंट का मासिक उत्पादन लगभग 30 लाख टन (8 करोड़ बैग) है।

डिप्टी सीएम से मिले? गणेश उत्सव समितियों के पदाधिकारी

रायपुर। गृहमंत्री विजय शर्मा से शहर की 50 से ज्यादा गणेश उत्सव समितियों के पदाधिकारियों ने मुलाकात की। इसमें झांकी में डीजे और धुमाल बजाने को लेकर लंबी चर्चा हुई। डिप्टी सीएम शर्मा ने कहा कि भगवान गणेशजी के विर्सजन का विषय है। हाईकोर्ट का डिसीजन है, रास्ता कानूनी आधार पर निकलने की कोशिश है। परंपरा और मान्यता के आधार पर यह कार्यक्रम हो सके। हाईकोर्ट की दिशा निर्देशों का पालन हो सके। इसके साथ ही डिप्टी सीएम ने अन्य मुद्दों पर भी बात की। डि?प्टी सीएम शर्मा ने कहा कि मैं बहुत ही धन्यवाद देता हूं, सारी गणेश उत्सव समितियां को। बहुत अच्छे ढंग से समझदारी के साथ हाईकोर्ट के सारे विषय को ध्यान में रखकर, समझकर राज्य सरकार के दिए निर्देशों को समझ कर सारी बातें उन्होंने कही। जितने गाइडलाइन हैं, उस पैरामीटर पर काम किया जाएगा, समय का भी ध्यान रखा जाएगा उन सारे विषय पर हम अपना अभियान आगे बढ़ाएंगे। गणेश समिति के पदाधिकारी रोहित राय ने कहा की, डीजे-बाजा के संबंध में हमारा विषय था। राजधानी की एक झांकी शान है, जिसमें कुछ समस्याएं आ रही थी। इसमें डिप्टी सीएम विजय शर्मा के तरफ से आश्वासन मिला है, जो होगा मेरे तरफ से प्रयास करूंगा। आपको भी नियम के दायरे में काम करना पड़ेगा हम भी प्रयास करेंगे।

ट्रेन एम्बुलेंस के नाम पर मरीज के परिजनों से ठगी

रायपुर। निजी ट्रैवल कंपनियों द्वारा मजबूर लोगों के साथ कैसै धोखाधड़ी की जाती है उसका एक उदाहरण सामने आया है। ट्रैवल कंपनी ने ट्रेन एम्बुलेंस नाम से बुकिंग कर पीड़ित के परिजनों से राशि वसूल कर ली और मरीज को ट्रेन के फ्लोर पर यात्रा कराई गई। इस पूरे मामले में रेलवे ने अधिकृत बयान जारी करते हुए इस प्रकार की सुविधा से इंकार किया और लोगों को सतर्क रहने को कहा है। यह पूरा मामला हाफा एक्सप्रेस ट्रेन का है। जिसमें आज खडग़पुर से रायपुर तक जाने के लिए सृष्टि एक्का नाम से ट्रेन एम्बुलेंस नाम पर पंचमुखी एयर एंड ट्रेन एम्बुलेंस सर्विस ने बुकिंग की थी। सृष्टि को हाथ, स्पाइन और पैर में कई चोटें और फैक्चर भी था। सृष्टि एक्का को ट्रेन के दरवाजे के पास फर्श पर सुलाकर यात्रा रायपुर तक लाया गया जिसके चलते ट्रेन के दरवाजे यात्रियों का आवागमन भी बाधित हो रहा था। कुछ यात्रियों के द्वारा पूछने परिजनों ने बताया कि 13 सितंबर को उन्होंने ट्रेन एम्बुलेंस नाम से बुकिंग करवाई थी। पंचमुखी एयर एंड ट्रेन एम्बुलेंस सर्विस के नाम की कंपनी से उन्होंने बुकिंग करवाई थी। इसके लिए उनसे 65 हजार रुपए मांग की गई थी जिसके ऐवज में 32,500 अग्रिम भुगतान भी ट्रैवल कंपनी को गया था।

दाई ओ दीदी ओ पढ़ना लिखना है जरूरी गीत ने बांधा समां

रायपुर। भोपाल में आयोजित उल्लास के रीजनल कॉन्फ्रेंस में छत्तीसगढ़ के अधिकारियों एवं प्रतिभागियों ने हर कार्य में बेहतर प्रदर्शन कर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। जहां एक ओर नवाचारी गतिविधियों की बेहतर प्रस्तुति दी गई, जिसमें कठपुतली इत्यादि को संजोकर छत्तीसगढ की प्रदर्शनी लगाई गई। शिक्षार्थी व स्वयंसेवी शिक्षक ने चुनौतियों का सामना करने के लिए बेहतर उपाय बताएं वहीं सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी छत्तीसगढ़ छाया रहा। भारत सरकार शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की संयुक्त सचिव श्रीमती अर्चना शर्मा अवस्थी, एनसीईआरटी नई दिल्ली की एनसीएल प्रभारी प्रोफेसर उषा शर्मा राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण व राज्य शैक्षिक अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद छत्तीसगढ़ के डायरेक्टर श्री राजेंद्र कुमार कटारा के कुशल नेतृत्व में दो दिवसीय उल्लास क्षेत्रीय सम्मेलन रीजनल कॉन्फ्रेंस भोपाल में आयोजित किया गया। श्री कटारा ने छत्तीसगढ़ में उल्लास कार्यक्रम की प्रगति से संयुक्त सचिव श्रीमती अवस्थी को अवगत कराया। र

मरीजों को रेफर करने की बतानी होगी वजह : जायसवाल

रायपुर. स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने सभी जिलों के सीएमएचओ को निर्देश देते हुए कहा है कि वह एक महीने के भीतर अपने जिले में संचालित निजी पैथोलॉजी सेंटर की सूची तैयार करें। उन्होंने यह निर्देशित किया कि इनमें से अनियमित पैथोलॉजी लैब को 1 वर्ष के भीतर नियमितीकरण की प्रक्रिया पूरी कराई जाए। यदि इन पैथोलैब के पास वैध दस्तावेज नहीं हैं तो इन्हें आयुष विश्वविद्यालय से डिप्लोमा का कोर्स करने का मौका दिया जाएगा ताकि एक वर्ष के भीतर नियमित हो जाएं। श्री जायसवाल ने शासकीय अस्पतालों में स्थित पैथोलॉजी लैब को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए ताकि मरीजों को ज्यादा से ज्यादा लाभ मिल सके। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल आज अपने शंकर नगर स्थित निवास कार्यालय में राज्य के सीएमएचओ, सीएस,नोडल अधिकारी तथा डीपीएम की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा बैठक कर रहे थे। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार पिंगुआ , एमडी एनएचएम श्री जगदीश सोनकर तथा एमडी सीजीएमएमसी श्रीमती पद्मिनी भोई भी उपस्थित थीं।

वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने सभी स्वास्थ्य अधिकारियों को निजी प्रेक्टिस करने की शिकायतों को लेकर हिदायत दी है। श्री जायसवाल ने कहा है कि शासकीय चिकित्सकों को नियमानुसार भत्ता भी दिया जा रहा है, इसके बाद भी यदि चिकित्सक नियम विरुद्ध कार्य करेंगे तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। समीक्षा बैठक में स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित करते हुए श्री जायसवाल ने कहा कि अब शासकीय अस्पतालों से मरीजों को दूसरे अस्पतालों में रेफर करने के लिए ठोस कारण बताना होगा,उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर रेफर करने के कारणों का रिव्यू भी किया जायेगा और यह पता लगाया जाएगा कि आखिर किन परिस्थितियों में अस्पताल ने मरीज को दूसरे अस्पताल के लिए रेफर किया। स्वास्थ्य मंत्री ने सभी स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वो तीन माह के भीतर राज्य में मोदी की गारंटी के अंतर्गत 500 जन औषधि केंद्र खोलने की तैयारी पूरी कर लें.

सिद्धि तप की सफलता पर हुई अणाहारी अरिहंत की महानैवैद्य पूजा अखिलं मधुरम

रायपुर। श्री संभवनाथ जैन मंदिर विवेकानंद नगर में आत्मोल्लास चातुर्मास 2024 जारी है। सफलता पूर्वक संपन्न हुए 115 सिद्धि तप निमित्त जिनेंद्र भक्ति अनुष्ठान अखिलं मधुरम अणाहारी अरिहंत की महानैवैद्य पूजा रविवार को भक्तिमय वातावरण में की गई। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के विवेकानंद नगर की वसुंधरा पर हुए ऐतिहासिक शताधिक सामूहिक सिद्धि तप के निमित्त इस महापूजन का आयोजन परम पूज्य मुनिश्री जयपाल विजयजी म.सा., मुनिश्री प्रियदर्शी विजयजी म.सा.,मुनिश्री तीर्थप्रेम विजयजी म.सा., परम पूज्य

साध्वीश्री रत्ननिधिश्रीजी म.सा.,रिद्धिनिधिश्रीजी म.सा. आदि ठाणा के पावन निश्रा में महापूजन संपन्न हुआ। अरिहंत परमात्मा की 114 प्रकार के विविध एवं विशिष्ट नैवेद्य केवल फल और मिठाई ही नहीं बल्कि अचार-मसाले-खड़े मसाले-शरबत-मुखवास आदि से महानैवेद्य पूजा की गई। इन 114 प्रकार के विभिन्न तरह के नैवेद्य में वे सभी चीजें शामिल रही जिनके प्रति हमें आसक्ति है, जो चीज श्रावक के तौर पर खाते हैं, उन सारी चीजों को परमात्मा को चढ़ाया गया। मुनिश्री ने कहा कि श्रावक का पहला कर्तव्य है केवल फल मिठाई ही नहीं,घर में बनने वाली रसोई की पहली थाली परमात्मा को चढ़ाई जाए। मुनिश्री तीर्थप्रेम विजयजी म.सा. ने कहा कि संसार परिभ्रमण का सबसे प्रमुख कारण पांच इंद्रियों की परवशता है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.